खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-50

रमज़ान में चार चाँद तो दिवाली काली क्यों?

पूरे तेलंगाना में 20 मार्च तक सुबह 5 बजे तक दुकानों को खुला रखने की अनुमति

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार न केवल हिन्दुओं के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश के तहत उन्हें कुचलने और उनके साथ दोयम दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार करती हुई स्पष्ट नजर आ रही है, बल्कि तुष्टिकरण की सारी हदें पार कर मुसलमानों को खुश रखने का कोई मौका नहीं चूक रही है। रमजान में मुसलमानों के लिए बाजार को चौबिसों घंटे खुले रखने की अनुमति देकर इस सरकार ने धार्मिक भेदभाव का ऐसा नफरती जहर घोला है, जो भविष्य में घातक सिद्ध होगा। गौरतलब है कि कांग्रेस की वाई. एस राजशेखर रेड्डी सरकार हो या तेलुगु देशम की चंद्रबाबू सरकार या फिर तेलंगाना राष्ट्र समिति की केसीआर सरकार सभी ने रमजान का विशेष ध्यान रखा, किन्तु तब यह छूट केवल हैदराबाद के पुराने शहर तक ही सीमित थी, लेकिन रेवंत सरकार ने पूरे राज्य में इसे लागू कर दिया है।

तेलंगाना के श्रम आयुक्त एम. दानाकिशोर ने कल एक आदेश जारी करते हुए रमजान माह के दौरान राज्य में दुकानों और प्रतिष्ठानों को नियमित समय से अधिक सुबह पाँच बजे (सहरी समय) तक संचालित करने की अनुमति दी। गौरतलब है कि यह वही सरकार है, जिसे पतंग की दुकानें आखिरी 4-5 दिनों में भी देर तक चालू रखना नहीं सुहाता। धूलपेट आदि जगहों पर लोगों को डंडे से डरा-डराकर भगा दिया गया। नियम-कायदों का हवाला देकर पतंगबाजों को संक्रांति भी ढंग से मनाने नहीं दी गई। नवरात्री के नौ दिनों तक डांडिया खेलने वालों को 12 बजने से पहले ही रोक दिया जाता है। होली के हुडदंग में अनेकों खलल डाले जाते हैं। और तो और दीपावली जैसे हिन्दुओं के बडे त्यौहार भी सरकार को खटकते हैं।

उधर, श्रम आयुक्त ने 19 फरवरी से 20 मार्च तक तेलंगाना में रमजान माह के दौरान कर्मचारियों को अतिरिक्त समय के लिए सामान्य वेतन से दोगुना ओवरटाइम देने का फरमान जारी किया। साथ ही एक कर्मचारी से 13 घंटे से अधिक काम न लेने की शर्त भी जोडी। महिला कर्मचारी से रात 8.30 बजे के बाद काम न लेने को कहा गया । मुसलमानों के त्यौहारों पर जिस तरह सरकार दरियादिली दिखा रही है, हिन्दुओं के प्रति ऐसी भावना क्यों नहीं रखती? क्या सरकार सिर्फ मुसलमानों के वोटों से बनी है?

क्या हिन्दुओं की कोई भावना नहीं होती? मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शायद यह भूल रहे हैं कि धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ अच्छा नहीं होता। हिन्दू हो या मुसलमान सभी को संविधान ने धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। ऐसे में सरकार का फर्ज बनता है कि वह सभी धर्मों को समान दृष्टि से देखें। ▶10पर

24/7 पर पुनर्विचार हो

2023 में तत्कालीन सरकार ने राज्य की अर्थव्यवस्था और व्यापार को गति देने के उद्देश्य से तेलंगाना दुकान और स्थापना अधिनियम 1988 (Telangana Shops and Establishment Act 1988) में महत्वपूर्ण संशोधन किया था। इस बदलाव के समय कहा गया था कि राज्य में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान अपनी सुविधानुसार 24 घंटे खुले रह सकेंगे। सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, अधिनियम की धारा 7 के तहत लगने वाले समय संबंधी प्रतिबंधों से छूट दे दी गई थी, हालांकि इसके लिए कुछ अनिवार्य शर्तें लागू की गई ।

सरकार ने स्पष्ट किया था कि 24/7 संचालन की अनुमति के साथ कर्मचारियों के अधिकारों का पूर्ण संरक्षण अनिवार्य है। प्रतिष्ठानों को सभी कर्मचारियों के लिए आईडी कार्ड जारी करने होंगे और साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करना होगा। साप्ताहिक कार्य घंटों के साथ-साथ, यदि कोई कर्मचारी निर्धारित समय से अधिक कार्य करता है, तो उसे ओवरटाइम वेतन देना होगा। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय और त्यौहारों की छुट्टियों पर काम करने वाले कर्मचारियों को वेतन सहित प्रतिपूरक अवकाश देना भी अनिवार्य होगा।

रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। किसी भी महिला कर्मचारी को उसकी लिखित सहमति के बिना नाइट शिफ्ट में नहीं लगाया जा सकेगा। इसके अलावा, प्रबंधन को महिला कर्मचारियों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी और उनके कार्यस्थल से घर तक आने-जाने के लिए ▶10पर

तिरुपति लड्डू मामले में फंसा साक्षी

मिलावटी ख़बरें हटाओ

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी द्वारा स्थापित समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित उन खबरों को हटाने या ब्लॉक करने का आदेश देगा, जिनमें राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा स्थापित डेयरी कंपनी हेरिटेज फूड्स को तिरुपति लड्डू विवाद से जोड़ा गया है।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने कहा कि वह जगती पब्लिकेशन्स (जो साक्षी समाचार पत्र और साक्षी टीवी का संचालन करती है) को 24 घंटे के भीतर इन लेखों को हटाने का आदेश देंगी। बता दें कि जगन मोहन रेड्डी की पत्नी वाई.एस. भारती रेड्डी जगती पब्लिकेशन्स की चेयरपर्सन हैं। अदालत ने स्पष्ट किया, मैं उन्हें (जगती पब्लिकेशन्स) 24 घंटे में खबरें हटाने का निर्देश दूंगी। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो मेटा, गूगल और एक्स (द) इसे हटाएंगे।अदालत हेरिटेज फूड्स द्वारा दायर मानहानि के मामले की सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया कि चंद्रबाबू नायडू ने 1992 में इस कंपनी की स्थापना की थी और 1994 में इस्तीफा दे दिया था। कंपनी के अनुसार, 14 फरवरी 2026 को साक्षी अखबार ने अपने दिल्ली संस्करण के मुख्य पृष्ठ पर एक लेख प्रकाशित किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि हेरिटेज फूड्स का भोले बाबा डेयरी नामक कंपनी के साथ व्यावसायिक संबंध है, जिस पर तिरुपति प्रसादम के लिए मिलावटी घी की आपूर्ति करने का आरोप है।

लेख में आरोप लगाया गया था कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के तिरुमला लड्डू प्रसादम अभियान के पीछे की असली साजिश अब सामने आ रही है और नायडू का परिवार उसी फर्म के साथ व्यापारिक संबंध रखता है जिसे टीडीपी सरकार ने विवाद के केंद्र में रखा है।

तथ्यों को सनसनीखेज बनाने का आरोप

हेरिटेज फूड्स ने दलील दी कि ये आरोप पूरी तरह से गलत हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उनका व्यवसाय भोले बाबा मिल्क फूड इंडस्ट्रीज के साथ है, जबकि लड्डू घोटाले में आरोपी कंपनी भोले बाबा ऑर्गेनिक मिल्क है, जो एक पूरी तरह से अलग इकाई है। कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने तर्क दिया कि ये आरोप घृणित हैं और इससे व्यवसाय पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि ग्राहकों को लग सकता है कि कंपनी मंदिर में मिलावटी घी की आपूर्ति कर रही है। ▶10पर

एआई से हम सबकी भलाई

इसे बड़े अवसर में बदलने की जरूरत: मोदी

नयी दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को समूची मानवता की भलाई के लिए साझा संसाधन करार देते हुए कहा है कि सभी को मिलकर इसे मानवता के लिए सबसे बड़े अवसर के रूप में बदलने की दिशा में काम करना होगा। श्री मोदी ने गुरुवार को इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के उद्घाटन के बाद वैश्विक नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि यह सम्मेलन मानव केन्द्रीत और संवेदनशील एआई इकोसिस्टम के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने इसे एक बड़ा अवसर करार देते हुए इसका भरपूर फायदा उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा हम इतिहास पर नजर डालें, तो पता चलता है कि इंसान ने हर बाधा को एक नए अवसर में बदला है। आज हमारे सामने फिर ऐसा ही अवसर आया है। हमें मिलकर इस बाधा को मानवता के सबसे बड़े अवसर के रूप में बदल देना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सही समझ से ही सही परिणाम मिलते हैं इसलिए जरूरी है कि हम साथ मिलकर ऐसा रोडमैप बनाएं जिससे एआई का सही प्रभाव दिखे, और सही प्रभाव तभी होता है, जब हम सही समय पर सही नियत से, सही निर्णय लेते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि एआई को लेकर भारत की दिशा स्पष्ट है, भारत का विचार स्पष्ट है। एआई पूरी मानवता की भलाई के लिए एक साझा संसाधन है। उन्होंने कहा,हमें मिलकर ऐसा एआई भविष्य बनाना होगा, जो नवाचार को आगे बढ़ाएं, समावेशन को मजबूत करे और मानव मूल्यों का समावेश करके आगे बढ़े। जब प्रौद्योगिकी और मानव विश्वास साथ-साथ चलेंगे, तो एआई का सही प्रभाव दुनिया पर दिखेगा।

कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब हम एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं, तो असंभव भी संभव हो जाता है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन विकास से लेकर आपूर्ति श्रंखला तक, डेटा साझा करने से लेकर जीवन बचाने तक, सहयोग ने ही समाधान दिया। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी कैसे मानवता की सेवा का माध्यम बन सकती है, ये हमने भारत में कोविड काल में देखा है। हमारा जो डिजिटल वैक्सीनेशन प्लेटफार्म था, उसने करोड़ों लोगों को समय पर वैक्सीनेट कराने में बहुत मदद की। हमारे लिए टेक्नोलॉजी पावर का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है, पावर नहीं एंपावर करना। एआई की दिशा भी ऐसी होनी चाहिए, जिससे पूरी मानवता का कल्याण हो।

प्रधानमंत्री ने कहा, एआई प्रौद्योगिकी सबके लिए सुलभ हो सबकी पहुंच में हो यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इसलिए आज जब हम एआई के फ्यूचर पर चर्चा कर रहे हैं, तो हमें ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को भी एआई गवर्नेंस के केंद्र में रखना होगा। एआई के इस्तेमाल में नैतिकता पर अत्यधिक जोर देते हुए उन्होंने कहा, युग चाहे कोई भी रहा हो, एथिक्स हमेशा ही चर्चा के केंद्र में रहा है, अंतर बस इतना आया है कि पहले अनैतिक व्यवहार का दायरा बहुत छोटा होता था, लेकिन एआई में इसका दायरा ▶10पर

विभाजन पर लटकी तलवार

हाईकोर्ट ने केंद्र व तेलंगाना सरकार से जवाब माँगा

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को तीन अलग-अलग निगमों में विभाजित करने के हालिया निर्णय को कानूनी चुनौती दी गई है। राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए जी.ओ. नंबर 55 के विरुद्ध व्यवसायी गुरुवा रेड्डी ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है।

याचिकाकर्ता ने अपनी दलील में कहा है कि सरकार का यह कदम 2027 की जन-गणना के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा जारी सर्कुलर के खिलाफ है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि जब तक आगामी जनगणना की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक इस सरकारी आदेश पर रोक लगाई जाए। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि जन-गणना के संपन्न होने तक ऋक्ष्वउ की वर्तमान स्थिति को यथावत रखा जाए।

शुभ लाभ
epaper.shubhlabhdaily.com
18 Feb 2026 - Page 1

ग्रेटर हैदराबाद कटघरे में
विलय के फैसले की वैधता पर उठा सवाल

हाइड्रा के बुलडोजर जस्टिस पर कोर्ट सख्त

मामले की गंभीरता को देखते हुए, उच्च न्यायालय ने इस याचिका पर संज्ञान लिया है और केंद्र तथा राज्य सरकारों को औपचारिक नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई को तीन सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। इस दौरान सरकार को इस विभाजन के कानूनी आधार और केंद्रीय नियमों के अनुपालन पर स्पष्टीकरण देना होगा।

मूसी रिवरफ्रंट के लिए 500 होंगे बेघर

5,000 करोड़ के सबसे बड़े बापू

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

तेलंगाना सरकार की महत्वाकांक्षी मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट परियोजना एक नए विवाद के केंद्र में आ गई है। लंगर हौज स्थित बापू घाट पर प्रस्तावित 5,000 करोड़ रुपये की लागत वाली महात्मा गांधी की विशाल प्रतिमा और गांधी सरोवर परियोजना के कारण स्थानीय निवासियों में भारी रोष है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, इस परियोजना के लिए लगभग 500 परिवारों को विस्थापित किए जाने की आशंका है, जिसके विरोध में प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने मोर्चा खोल दिया है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार बापू घाट को एक विश्व स्तरीय पर्यटन और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। यहाँ ईसा और मूसी नदियों के संगम पर महात्मा गांधी की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित करने का प्रस्ताव है। परियोजना के तहत एक गांधी विचारधारा केंद्र संग्रहालय और गांधी सरोवर (जलाशय) का निर्माण किया जाना है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर इस परियोजना के लिए रक्षा भूमि के आवंटन और शिलान्यास समारोह में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया है।

विस्थापन के डर से सड़कों पर उतरे लोग

परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होते ही स्थानीय निवासियों का विरोध तेज हो गया है। ▶10पर

मध्य पूर्व में महायुद्ध की आहट, बंद हो सकता है दुनिया का 20 प्रतिशत तेल

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

मध्य पूर्व के क्षितिज पर युद्ध के काले बादल गहरा गए हैं। ताजा अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम और सैन्य हलचलों के बीच यह संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ एक विशाल और हफ्तों तक चलने वाले सैन्य अभियान को हरी झंडी देने के बेहद करीब हैं। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय से छनकर आ रही रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी सेना को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया है और इस सप्ताहांत तक ईरान पर बड़े हमले शुरू किए जा सकते हैं। इस संभावित सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य केवल ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करना नहीं, बल्कि वहां शासन परिवर्तन (रिजीम चेंज) लाना बताया जा रहा है।

अमेरिका ने ईरान के तट के पास अपनी सैन्य शक्ति को अब तक के सबसे अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दिया है। नौसेना की तैनाती की बात करें तो ईरान के करीब इस समय दो विशाल विमान वाहक पोत (एयरक्राफ्ट कैरियर) और एक दर्जन से अधिक आधुनिक युद्धपोत तैनात हो चुके हैं। वायुसेना की ताकत को बढ़ाने के लिए क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में एफ-35, एफ-22 और एफ -16 जैसे घातक लड़ाकू विमानों की खेप पहुंच चुकी है। रसद और हथियारों की आपूर्ति के लिए पिछले 24 घंटों में 150 से अधिक सैन्य कार्गो उड़ानों के जरिए भारी मात्रा में गोला-बारूद अमेरिकी ठिकानों पर पहुंचाया गया है। इसके अलावा, जापान, जर्मनी और हवाई से विशेष ई-3 अर्ली वार्निंग विमानों को सऊदी अरब भेजा गया है, जो बड़े पैमाने पर हवाई हमलों के समन्वय और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस संभावित टकराव की मुख्य वजह कूटनीतिक वार्ताओं का पूरी तरह विफल होना है। जेरेड कुश्नर और स्टीव विटकाफ के नेतृत्व में ईरान के साथ परमाणु विकास रोकने को लेकर जो बातचीत शुरू हुई थी, वह बेनतीजा रही। ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप की परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह बंद करने की मांग को सिरे से खारिज कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि अब अमेरिका और इजरायल मिलकर एक संयुक्त आपरेशन चला सकते हैं, जिसका लक्ष्य ईरान की वर्तमान सत्ता संरचना को बदलना होगा।

ईरान ने भी अमेरिका की इस घेराबंदी का कड़ा जवाब देने की तैयारी कर ली है। जवाबी कार्रवाई के तौर पर ईरान ने सैन्य अभ्यास के बहाने सामरिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हार्मुज जलडमरूमध्य को आंशिक रूप से बंद कर दिया है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल इसी संकरे समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ईरानी नेतृत्व और अयातुल्ला ने दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि उन पर हमला हुआ, तो वे अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाएंगे और वैश्विक तेल आपूर्ति को पूरी तरह ठप कर देंगे। यदि यह मार्ग बंद होता है, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह विनाशकारी साबित होगा और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि होगी। अमेरिकी घरेलू राजनीति में भी इस फैसले को लेकर घमासान शुरू हो गया है। रिपब्लिकन खेमा इसे राष्ट्रपति की मजबूत छवि और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम मान रहा है, जबकि डेमोक्रेट्स ने इसका कड़ा विरोध किया है।

न्यूज ब्रीफ

तारिक रहमान को हनीमून भी नहीं मनाने देगी जमात इस्लामी......... पहले दिन से ही आक्रामक रुख में

ढाका। बांग्लादेश में एक ओर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी देश का कार्यभार संभाल रही थी। तब दूसरी तरफ चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी जमात इस्लामी पहले दिन से ही आक्रामक रुख दिखा रहा है। बांग्लादेश में जुलाई चार्टर को लेकर राजनीतिक संकट बढ़ता दिख रहा है। बीएनपी ने संविधान सुधार परिषद की सदस्यता के लिए शपथ लेने से इंकार किया। जिसके बाद जमात और एनसीपी ने कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह का ही बहिष्कार किया। दरअसल बीएनपी के सदस्यों ने सांसद के रूप में शपथ ले ली लेकिन उन्होंने जुलाई चार्टर से जुड़े संविधान सुधार परिषद के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इंकार किया। इससे नाराज जमात इस्लामी और उसकी गठबंधन सहयोगी नेशनल सिटीजन पार्टी ने बीएनपी कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया। 12 फरवरी को हुए चुनाव में तारिक रहमान की पार्टी 212 सीटें जीतकर सत्ता में आई। जमात और एनसीपी सहित 11 गठबंधन सहयोगियों ने मिलकर 77 सीटों पर जीत दर्ज की। 12 फरवरी को चुनाव के साथ-साथ जुलाई चार्टर पर भी जनमत संग्रह हुआ। जिसे 62 प्रतिशत लोगों ने अपना समर्थन दिया। मंगलवार को बांग्लादेश में जीते हुए उम्मीदवारों का शपथ ग्रहण आयोजित हुआ। जमात और एनसीपी चाहते थे कि जुलाई चार्टर के संबंध में भी एक शपथ ग्रहण हो। जुलाई चार्टर का मकसद बांग्लादेश की संसद को 180 दिनों के लिए संविधान सभा में बदलना है। जिससे नई संसद को बांग्लादेश के संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं में बदलाव करने का अधिकार मिल सके। बीएनपी ने अनक्षा के साथ जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन उसके नेताओं का कहना है कि चार्टर के कई प्रावधानों पर पार्टी को आपत्ति है। बीएनपी ने कहा कि चार्टर तैयार करते समय उससे राय नहीं ली गई। जमात और एनसीपी चुनाव से पहले सुधारों की मांग कर रहे थे। जबकि बीएनपी पहले चुनाव कराने के पक्ष में था। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने 12 फरवरी को ही चुनाव और जनमत संग्रह दोनों आयोजित करा दिए।

अमेरिकी रैपर कान्ये वेस्ट का 29 मार्च को दिल्ली में लाइव कान्सर्ट

लास एजेलिस। अमेरिकी रैपर और सान्गराइटर कान्ये वेस्ट के पहले भारत दौरे को लेकर फैंस में

जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अमेरिकी रैपर कान्ये वेस्ट 29 मार्च को राजधानी दिल्ली में अपना पहला लाइव कान्सर्ट करने जा रहे हैं। उनके कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम को वेन्यू चुना गया है। आयोजन टीम के मुताबिक यह इवेंट तकनीक, विजुअल इफेक्ट्स और साउंड डिज़ाइन के लिहाज से भारत के अब तक के सबसे भव्य कान्सर्ट्स में से एक होगा। कान्ये वेस्ट का म्यूजिक करियर हमेशा से प्रयोगों और बदलावों से भरा रहा है। अटलांटा में जन्मे और शिकागो में पले-बढ़े कान्ये ने कालेज की पढ़ाई छोड़कर पूरी तरह संगीत को करियर बनाया। उन्होंने शुरुआती दिनों में बतौर प्रोड्यूसर काम शुरू किया और मशहूर रैपर जाय-झेड के लेबल राक-ए-फेला रिकार्ड्स से जुड़े। इसी दौरान उनकी विशिष्ट चिपमंक सोल प्रोडक्शन स्टाइल ने उन्हें पहचान दिलाई। रिकार्डिंग आर्टिस्ट के रूप में कान्ये वेस्ट का पहला एल्बम द कालेज ड्रापआउट जबरदस्त हिट साबित हुआ और आलोचकों ने भी इसकी खूब तारीफ की। इसके बाद आए उनके दूसरे एल्बम लेट रजिस्ट्रेशन ने उन्हें दुनिया भर में और बड़ी सफलता दिलाई।

बलूच विद्रोहियों की मांगें मान लो शहबाज सरकार और हमारी जान बचा लो!

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अंदर ही बीएलए के लड़ाकों ने करीब 10 जिलों से पुलिस से लेकर आर्मी तक सबको

खदेड़कर बाहर कर दिया है। इन लड़ाकों ने कई इलाकों पर कब्जा कर लिया है लेकिन इसके साथ ही बलूच विद्रोहियों ने कई पाकिस्तानी सैनिकों को भी बंधक बनाया है। हाल ही में बीएलए की कैद से पाकिस्तानी सेना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पाकिस्तानी सैनिकों की लाचारी साफ नजर आ रही है। वे अपने देश की सरकार से मदद मांग रहे हैं लेकिन शहबाज-मुनीर ने उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया गया है कि बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सेना के कई जवानों को बंधक बना लिया है। यह वीडियो आपरेशन हेरोफ़ 2.0 का हिस्सा बताया जा रहा है। जिसे बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ छेड़ा है। दावा किया जा रहा है कि इन जवानों को खुजदार जिले के ओरनाच इलाके से उस वक्त पकड़ा गया जब वे छुट्टी पर अपने घर जा रहे थे।

कनाडा ने 2025 में 2,800 से ज्यादा भारतीयों को निकाला 6,500 और सूची में इमिग्रेशन नीति पर सियासी बहस तेज

ओटावा, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

कनाडा सरकार ने वर्ष 2025 के पहले दस महीनों में 2,831 भारतीय नागरिकों को देश से निष्कासित किया है। यह जानकारी कनडा बार्डर सर्विस अजेंसी (सीबीएसए) के आधिकारिक आंकड़ों से सामने आई है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष कुल 18,785 लोगों को कनाडा से बाहर किया गया, जिनमें भारतीय नागरिकों की संख्या दूसरे स्थान पर रही। सबसे अधिक 3,972 निष्कासन मेक्सिको के नागरिकों के थे।

सीबीएसए के अनुसार, वर्तमान में 29,542 लोगों के खिलाफ निष्कासन की प्रक्रिया जारी है, जिनमें 6,515 भारतीय भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि आने वाले महीनों में और भारतीय नागरिकों पर कार्रवाई हो सकती है।

तीन तरह के निष्कासन आदेश

कनाडा में किसी व्यक्ति को बाहर करने के तीन प्रमुख आदेश होते हैं, इनमें डिपार्चर आर्डर, एक्सक्लूजन आर्डर और डिपोर्टेशन आर्डर हैं। डिपार्चर आर्डर के तहत व्यक्ति को 30 दिनों के भीतर देश छोड़ना होता है। समय पर न जाने पर यह आदेश डिपोर्टेशन में बदल सकता है। एक्सक्लूजन आर्डर में आमतौर पर एक वर्ष तक दोबारा प्रवेश पर रोक रहती है। गलत जानकारी देने के मामलों में यह प्रतिबंध पांच साल तक हो सकता है। डिपोर्टेशन आर्डर सबसे सख्त होता है, जिसमें बिना विशेष अनुमति दोबारा प्रवेश संभव नहीं होता। सरकार का कहना है कि निष्कासित लोगों में कई पर आपराधिक मामले दर्ज थे, जबकि बड़ी संख्या उन लोगों की भी है जिन्होंने शरणार्थी दावों से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया।

इमिग्रेशन बना राजनीतिक मुद्दा

कनाडा में इमिग्रेशन इस समय बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी आफ कनाडा के बीच इस मुद्दे पर तीखी बहस जारी है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि आवास संकट को देखते हुए इमिग्रेशन संख्या को नियंत्रित रखना आवश्यक है। सरकार ने 2025 के लिए लगभग 3.95 लाख स्थायी निवास (पीआर) का लक्ष्य रखा था, जो कुल आबादी के 1प्रतिशत से कम है।

अमेरिकी विदेश मंत्री के बयान से ईस्ट इंडिया कंपनी की याद हो गई ताजा

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री ने म्यूनिख सिक्योरिटी प्रेसवार्ता में अपने भाषण में कई बातें कही हैं, जो दुनिया का ध्यान खींच रही हैं। विदेश मंत्री रुबियो ने वेस्ट से फिर से मुकाबला करने और ग्लोबल साउथ की इकानमी में मार्केट शेयर जीतने के लिए कहा है। जानकार ने इस बयान को ट्रंप प्रशासन की ईस्ट इंडिया की तरह से कालोनाइजेशन की कोशिश के तौर पर देखा है। जानकार ने कहा है कि यह बयान 18वीं और 19वीं सदी में यूरोपियन ताकतों के मार्केट और कच्चे माल की रेस में एशिया और अफ्रीका को बांटकर अपनी कालोनी बनाने की याद दिलाता है। मार्को रुबियो ने इस नई वेस्टर्न सदी बनाने की बात कही है। रुबियो ने ट्रंप की यूरोप के लिए रेड लाइन बताकर कहा, अमेरिका में हमें पश्चिम की मैनेज्ड गिरावट के विनम्र और व्यवस्थित रखवाले बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम सख्त बार्डर, इंडस्ट्री को फिर से शुरू करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को फिर से लागू करने की मांग करते हैं। रुबियो के नजरिए ने कई लोगों को सतर्क किया है, क्योंकि ग्लोबल साउथ के बड़े हिस्से के कालोनी बनने के जख्म अभी ताजा हैं। इससे सवाल भी उठा है कि क्या ग्लोबल साउथ आर्थिक दबदबे के नए दौर का सामना कर रहा है। इस सीधे अमेरिका लीड करना चाहता है। ग्लोबल साउथ से मतलब विकासशील देशों के ग्रुप से है, जो मुख्य रूप से अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया और ओशिनिया में है। जियोपालिटिकल जानकार ने कहा कि पहचान और सभ्यता की बहाली के नजरिए से पश्चिम के भविष्य को देखकर रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के आइडेंटिटेरियन विचारों को इंटेलेक्चुअल रूप देने की कोशिश की है। यह वाइट सुप्रीमेसिस्ट बहस में पाए जाने वाले विषयों की याद दिलाती है। जानकार ने लिखा, रुबियो ने जो विजन बताया है, वह सिर्फ पावर का बैलेंस नहीं चाहता। यह एक ग्लोबल हायरार्की को फिर से बनाना चाहता है, जो स्वाभाविक रूप से कुछ अलग है और यूरोपियन साम्राज्यवाद (इंपीरियलिज्म) और वेस्टर्न हेजेमनी (दबदबा) के पुराने दौर की याद दिलाता है।रुबियो के भाषण पर जियोपालिटिकल कमेंटेटर ने कहा है, यह सबसे ज्यादा इंपीरियलिस्ट भाषणों में से एक है, जो मैंने कभी किसी सीनियर अमेरिकी अधिकारी को देते देखा है। वह दुनिया भर में फैले बड़े साम्राज्यों को फिर से बनाना चाहते हैं।

अमेरिकी सांसद का दावा कहा- भारत पर ज्यादा टैरिफ लगाने का बहाना खोज रहे हैं ट्रंप

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संबंधों में टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही है। अमेरिकी सांसद ब्रैड शर्मन ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अभी भी भारत के खिलाफ भारी टैरिफ लगाने के बहाने तलाश रहे हैं। शर्मन के अनुसार, भारत को रूसी तेल की खरीद के नाम पर अलग से निशाना बनाया जा रहा है, जबकि इसी मुद्दे पर अन्य देशों के प्रति नरम रुख अपनाया जा रहा है।

सांसद ब्रैड शर्मन ने ट्रंप सरकार की नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रपति दावा कर रहे हैं कि रूसी तेल के आयात के कारण भारत पर सख्ती जरूरी है। हालांकि, आंकड़ों के साथ इस तर्क को काटते हुए उन्होंने बताया कि हंगरी जैसा देश अपना 90 प्रतिशत तेल रूस से लेता है और उस पर कोई टैरिफ नहीं है। वहीं, रूस के सबसे बड़े खरीदार चीन पर भी रूसी तेल के कारण कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं। शर्मन ने जोर देकर कहा कि भारत अपनी जरूरतों का केवल 21 प्रतिशत कच्चा तेल ही रूस से लेता है, फिर भी एक रणनीतिक सहयोगी होने के बावजूद उसे निशाना बनाना अनुचित है। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन को तत्काल इस भेदभावपूर्ण नीति में बदलाव करना चाहिए।

हाल के महीनों में इस व्यापार युद्ध का असर भारत के निर्यात आंकड़ों पर साफ दिखाई दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात लगभग 21.77 प्रतिशत गिरकर 6.6 अरब डालर रह गया। यह गिरावट पिछले साल के सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर महीनों में भी दर्ज की गई थी। हालांकि, इसी अवधि में अमेरिका से भारत का आयात 23.71 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डालर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने अगस्त में भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगाया था, जिसे हाल ही में एक अंतरिम समझौते के बाद घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि टैरिफ की इस मार से खुद अमेरिकी जनता भी त्रस्त है।

फेडरल रिजर्व बैंक आफ न्यूयार्क के अर्थशास्त्रियों के एक नए विश्लेषण से पता चला है कि इन आयात शुल्कों का करीब 90 प्रतिशत बोझ विदेशी कंपनियों के बजाय खुद अमेरिकी उपभोक्ताओं और कारोबारियों ने उठाया है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इन शुल्कों के कारण 2025 में हर अमेरिकी परिवार पर औसतन 1000 डालर का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ा, जो 2026 में बढ़कर 1300 डालर होने का अनुमान है। ऐसे में यह नीति न केवल भारत-अमेरिका व्यापारिक रिश्तों को प्रभावित कर रही है, बल्कि घरेलू स्तर पर भी महंगाई का कारण बन रही है।

3 जहाजों पर हमला, 11 की मौत

न्यूयार्क। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर और प्रशांत महासागर में 3 नावों पर हमला किया। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी साउदर्न कमांड ने कहा कि इन नावों से ड्रग तस्करी को अंजाम दिया जा रहा था, इसलिए इन पर हमला किया गया। इसमें कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ है। ट्रम्प प्रशासन पिछले साल सितंबर से ही कैरेबियन सी में कई जहाजों को निशाना बना चुका है। अमेरिकी डिफेंस डिपार्टमेंट के मुताबिक अब तक अमेरिकी सेना ने 40 से ज्यादा इस तरह के हमले किए हैं, जिनमें अब तक 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं।

डरा रहीं है सेटेलाइट की तस्वीर, अमेरिका ने की परमाणु ठिकानों की किलेबंदी और बेड़ों की तैनाती

वाशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ताओं का दौर चलने के बावजूद, धरातल पर युद्ध की तैयारियां अभूतपूर्व स्तर पर देखी जा रही हैं। एक ओर जहां अमेरिका ने मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाते हुए घातक लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों का जाल बिछा दिया है, वहीं दूसरी ओर ईरान ने संभावित अमेरिकी हमले से बचने के लिए अपने परमाणु ठिकानों की भारी किलेबंदी शुरू कर दी है। सैटेलाइट तस्वीरों के माध्यम से हुए नए खुलासे बेहद चौंकाने वाले हैं। इंस्टीट्यूट फार साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी द्वारा जारी हाई-रिज़ाल्यूशन तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि ईरान अपने सबसे संवेदनशील न्यूक्लियर ठिकानों को कंक्रीट और मिट्टी के नीचे दबाकर उन्हें अभेद्य बंकरों में तब्दील कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले दो-तीन हफ्तों से पारचिन मिलिट्री काम्प्लेक्स की तालेघन-2 फैसिलिटी को मिट्टी के अंदर छिपाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके अलावा, नतांज न्यूक्लियर प्लांट और एस्फ़हान न्यूक्लियर काम्प्लेक्स में भी सुरंगों के प्रवेश द्वारों को छिपाने और संरचनाओं को मजबूत करने की कोशिशें साफ देखी जा सकती हैं। एस्फ़हान वही महत्वपूर्ण एनरिचमेंट साइट है, जिस पर पिछले साल जून में बमबारी की गई थी। इस सैन्य किलेबंदी के जवाब में अमेरिका ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा और सैन्य विश्लेषकों ने रिकार्ड किया है कि बड़ी संख्या में अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों का बेड़ा इलाके की ओर बढ़ रहा है। सैन्य हलचलों के बीच कूटनीति की उम्मीदें अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। मंगलवार को जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत का दूसरा दौर संपन्न हुआ।

फिनलैंड में 16 साल की उम्र तक नहीं होता कोई बड़ा एग्जाम

हेलसिंकी, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तरी यूरोप का छोटा-सा देश फिनलैंड है, जहां शिक्षा को बोझ नहीं, बल्कि आनंद और स्वतंत्रता का माध्यम माना जाता है। परिणाम ये हैं कि फिनिश बच्चे दुनिया के सबसे सक्षम छात्रों में गिने जाते हैं। भारत में जहां 90 प्रतिशत अंकों की दौड़ बचपन से ही शुरू हो जाती है, वहीं फिनलैंड में बच्चों को आराम, खेल और जीवन कौशल सीखने पर जोर दिया जाता है। यहां 16 साल की उम्र तक कोई बड़ा एग्जाम ही नहीं होता। इसका परिणाम यह है कि बच्चा न केवल मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है, बल्कि सीखने की क्षमता भी स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। आश्चर्य की बात यह है कि बिना प्रतिस्पर्धा वाले इस सिस्टम के बावजूद फिनलैंड अंतरराष्ट्रीय शिक्षा सूचकांकों में लगातार टाप पर रहता है।

फिनलैंड और भारत की शिक्षा प्रणाली के बीच कई तरह के स्पष्ट अंतर दिखाई देते हैं। सबसे बड़ा अंतर परीक्षाओं को लेकर दृष्टिकोण का है। फिनलैंड के शिक्षक मानते हैं कि बार-बार परीक्षा लेने से बच्चे रटने की प्रवृत्ति अपनाते हैं, जबकि बिना दबाव के वे अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझते हैं। वहीं भारत में नर्सरी से ही टेस्ट और परिणाम का दबाव शुरू हो जाता है, जिससे बच्चों की रचनात्मकता प्रभावित होती है। फिनिश स्कूलों में होमवर्क लगभग न के बराबर होता है। यह माना जाता है कि स्कूल के बाद का समय खेल, परिवार और आराम के लिए होना चाहिए। इसके उलट, भारत में स्कूल के बाद ट्यूशन और होमवर्क मिलाकर बच्चों का अधिकांश समय पढ़ाई में ही निकल जाता है। इससे उनका बचपन सीमित दायरे में बंध जाता है। फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। यहां शिक्षक बनने के लिए मास्टर डिग्री अनिवार्य है और केवल शीर्ष 10 प्रतिशत ग्रेजुएट्स को ही यह जिम्मेदारी मिलती है। शिक्षकों को क्लासरूम में पूरा अधिकार होता है कि वे किस तरह बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं। भारत में शिक्षकों की ट्रेनिंग और क्वालिटी में अभी भी काफी सुधार की आवश्यकता है। एक और खास बात यह है कि फिनलैंड समानता पर आधारित शिक्षा प्रणाली अपनाता है। यहां निजी स्कूल लगभग नहीं के बराबर हैं, और सभी बच्चे अमीर हो या गरीब एक ही गुणवत्ता वाली शिक्षा पाते हैं। स्कूलों की कोई रैंकिंग नहीं होती, जिससे अनावश्यक प्रतिस्पर्धा खत्म हो जाती है। फिनलैंड में स्कूलिंग भी देरी से शुरू होती है। बच्चे 7 साल की उम्र में औपचारिक शिक्षा शुरू करते हैं। पहले छह साल केवल खेल और प्राकृतिक तरीके से सीखने पर ध्यान दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पीड़िता की मां ने कहा, न्याय में भरोसा बहाल हुआ

मुंबई,19 फरवरी (एजेंसियां) । सुप्रीम कोर्ट के इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को खारिज करने के बाद खुशी व राहत की सांस लेते हुए नाबालिग पीड़िता की मां ने कहा कि इस आदेश से न्याय में उनका भरोसा बहाल हुआ है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पिछले साल मार्च में दिए गए फैसले में कहा था कि नाबालिग पीड़िता के वक्ष पकड़ने व सलवार का नाड़ा खोलने को बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता और यह सिर्फ बलात्कार की तैयारी थी। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ तत्काल पीड़िता की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और एन. वी. अंजारिया की खंडपीठ ने हाई कोर्ट के फैसले को स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और आपराधिक दंड विधान के स्थापित सिद्धांतों के पूरी तरह खिलाफ करार देते हुए खारिज कर दिया। साथ ही, शीर्ष अदालत ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से लगे बलात्कार के प्रयास के आरोप को भी बहाल कर दिया। पीड़िता, जो घटना के समय सिर्फ 11 वर्ष की थी, की मां ने कहा, इस फैसले से मेरा यह विश्वास बहाल हुआ है कि कानून बच्चों व पीड़ितों की सुरक्षा कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि अब किसी बच्चे को अपने साथ हुए अत्याचार का विश्वास दिलाने के लिए ठोकर नहीं खानी पड़ेगी और इस फैसले से उन बहुत सारे बच्चों को मदद मिलेगी जो आवाज नहीं उठा पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जेआरसी तब उनके साथ खड़ा हुआ जब उन्हें लग रहा था कि वे असहाय हैं और कोई उनकी आवाज नहीं सुनेगा। उनके समर्थन से हम न्याय के लिए संघर्ष जारी रखने की हिम्मत जुटा पाए। नवंबर 2021 में उत्तर प्रदेश के कासंगज में दो युवक 11 साल की नाबालिग बच्ची को जबरन घसीट कर एक पुलिया के नीचे ले गए और उसके कपड़े उतारने की कोशिश की। बच्ची की चीख पुकार सुन उधर से गुजर रहे दो राहगीर वहां पहुंचे जिसके बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले।

इस मामले में मार्च 2025 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, यह कृत्य सिर्फ बलात्कार की 'तैयारी' है और यह स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है कि यह 'बलात्कार का प्रयास' या 'बलात्कार' है। इस फैसले के नतीजे में आरोपों की गंभीरता काफी कम हो गई। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए पीड़िता की ओर से शीर्ष अदालत में विशेष अनुमति याचिका दायर की।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट से इस तरह के मामलों में और अधिक संवेदनशीलता सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश तय करने का अनुरोध भी किया गया। हाईकोर्ट के आदेशों को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल को निर्देश दिया कि वह यौन शोषण के संवेद-नशील पीड़ितों से संबंधित मामलों की सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों व न्यायिक प्रक्रियाओं में संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से एक समग्र व व्यापक दिशानिर्देश तय करने के लिए एक समिति गठित करे। कमेटी से तीन महीने में यह रिपोर्ट तैयार करने व सुप्रीम कोर्ट को सौंपने का अनुरोध किया गया है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की ओर से पीड़िता की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एच. एस. फूलका ने इसे ऐतिहासिक करार देते हुए कहा, यह बच्चों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरगामी फैसला है।

अयोध्या में सुगम दर्शन का कोई शुल्क निर्धारित नहीं, विधान परिषद में केशव प्रसाद मौर्य ने दिया स्पष्टीकरण

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश विधान परिषद में काशी और अयोध्या में सुगम दर्शन शुल्क को लेकर उठे सवालों पर सरकार ने स्पष्ट किया कि श्रीराम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए कोई शुल्क निर्धारित नहीं है, जबकि काशी विश्वनाथ मंदिर में शुल्क निर्धारण का अधिकार संबंधित न्यास परिषद के पास है। उप मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता केशव प्रसाद मौर्य ने प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर का संचालन मंदिर न्यास परिषद द्वारा किया जाता है और सुगम दर्शन शुल्क से जुड़े सभी निर्णय भी वही लेती है। इसके विपरीत राम मंदिर अयोध्या में सुगम दर्शन के लिए कोई शुल्क लागू नहीं है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच काशी में सुगम दर्शन के लिए लगभग 10.7 लाख श्रद्धालुओं को दर्शन पर्ची जारी की गई। उन्होंने कहा कि सामान्यत: प्रदेश के मंदिरों में सुगम दर्शन शुल्क लागू करने का निर्णय संबंधित ट्रस्ट या मंदिर प्रबंधन द्वारा लिया जाता है, जबकि राज्य सरकार सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और बुनियादी सुविधाओं की निगरानी करती है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2017 में जहां लगभग 77 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 17 करोड़ से अधिक हो गई।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या में भी इजाफा हुआ है। वर्ष 2014 में लगभग 28 हजार विदेशी श्रद्धालु आए थे, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या करीब 3.99 लाख और वर्ष 2025 में 3.21 लाख रही।

मौर्य ने कहा कि काशी, अयोध्या और प्रयागराज सहित प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों पर बढ़ती श्रद्धालु संख्या बेहतर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का प्रमाण है। सरकार तीर्थ स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को और सशक्त करना सरकार की प्राथमिकता है।

मोदी सरकार में हिमाचल को पाँच गुना ज्यादा सहायता असली अन्याय यूपीए काल में हुआ : जयराम ठाकुर

शिमला,19 फरवरी (एजेंसियां) । नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद से लगातार केंद्र सरकार से भरपूर सहयोग ले रही है, लेकिन इसके बावजूद केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री के खिलाफ गंभीर टिप्पणियाँ कर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वास्तविक मुद्दा यह नहीं है कि केंद्रीय बजट में रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट का उल्लेख हुआ या नहीं, बल्कि असली प्रश्न यह है कि जब यह ग्रांट हिमाचल प्रदेश को मिल रही थी तब भी राज्य सरकार वित्तीय संकट का रोना रो रही थी। उन्होंने कहा कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिश के बाद यदि रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद हुई है तो वर्तमान कांग्रेस सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रभावी वित्तीय प्रबंधन करे और प्रदेश को आगे ले जाए। अपनी नाकामियों का दोष केंद्र या पूर्व सरकारों पर डालना समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्वीकार करना चाहिए कि यदि वह स्थिति संभाल नहीं पा रही है तो जनता के सामने सच्चाई रखे। नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण के बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होना परंपरा और नियम दोनों का हिस्सा है, लेकिन सरकार रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट पर राजनीतिक प्रस्ताव लाने पर आमादा थी। विपक्ष ने चर्चा में भाग लेकर तीन साल के कार्यकाल की नाकामियों को तथ्यों सहित रखा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के जवाब के दौरान कई तथ्य गलत ढंग से प्रस्तुत किए गए और जब विपक्ष ने उन्हें सुधारने के लिए बोलने का अवसर मांगा तो अनुमति नहीं दी गई। ऐसी स्थिति में विरोध स्वरूप भाजपा विधायकों को सदन के वेल में जाना पड़ा।जयराम ठाकुर ने स्पष्ट कहा कि भाजपा हिमाचल प्रदेश के हितों के साथ खड़ी है और प्रदेश हित सर्वोपरि है। यदि रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद हुई है तो सरकार को यह भी समझना चाहिए कि अपने पक्ष को प्रभावी ढंग से रखने में उसकी विफलता भी इसका कारण हो सकती है। उन्होंने कहा कि केवल राजनीतिक भाषणों से आर्थिक समस्याओं का समाधान नहीं होगा; इसके लिए ठोस नीति और वित्तीय अनुशासन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं बार-बार यह स्वीकार कर चुके हैं कि आने वाले समय में आर्थिक संकट बढ़ सकता है, गारंटियाँ पूरी करना कठिन होगा, विकास कार्य प्रभावित होंगे, कर्मचारियों के वेतन-पेंशन और डीए पर दबाव पड़ सकता है। ऐसे में संकट का राजनीतिकरण करने के बजाय समाधान पर ध्यान देना चाहिए।वित्त आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान 12वें और 13वें वित्त आयोग में हिमाचल प्रदेश को लगभग 18,000 करोड़ के आसपास अनुदान मिला, जबकि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 14वें और 15वें वित्त आयोग के दौरान लगभग 89,254 करोड़ की सहायता मिली, जो पाँच गुना से अधिक है।

होली के लिए रेलवे चला रहा है 30 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें मुंबई से पूर्वांचल और बिहार के लिए बढ़ाई गई सेवाएं

नई दिल्ली,19 फरवरी (एजेंसियां) । होली के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 30 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है। इनमें से 8 ट्रेनें लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से सुल्तानपुर और वाराणसी के बीच चलाई जा रही हैं, जबकि 22 ट्रेनें रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए पहले से चल रही सेवाओं का विस्तार हैं। यह व्यवस्था यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और भीड़ कम करने के लिए की गई है। लोकमान्य तिलक टर्मिनस मुंबई से सुल्तानपुर के बीच चार स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ट्रेन नंबर 04211 होली स्पेशल 27.02.2026 और 03.03.2026 को मुंबई से दोपहर 14:35 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 23:00 बजे सुल्तानपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04212 26.02.2026 और 02.03.2026 को सुल्तानपुर से सुबह 04:00 बजे निकलेगी और अगले दिन दोपहर 12:20 बजे मुंबई पहुंचेगी। इसी तरह वाराणसी के लिए चार स्पेशल ट्रेनें हैं। ट्रेन नंबर 04225 26.02.2026 और 02.03.2026 को मुंबई से दोपहर 14:35 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 02:05 बजे वाराणसी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04226 25.02.2026 और 01.03.2026 को वाराणसी से सुबह 01:35 बजे निकलेगी और अगले दिन दोपहर 12:20 बजे मुंबई पहुंचेगी। इन ट्रेनों में ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, चालीसगांव, पचोरा, भुसावल, खंडवा, इटारसी जंक्शन, रानी कंपलपति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ओराई, कानपुर सेंट्रल और लखनऊ जैसे प्रमुख स्टेशन पड़ाव हैं। वाराणसी वाली ट्रेनों में सुल्तानपुर और जौनपुर सिटी भी शामिल हैं। प्रत्येक ट्रेन में 16 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी कोच और 2 जनरेटर वैन हैं। इसके अलावा रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए पहले से चल रही ट्रेनों को होली स्पेशल के रूप में बढ़ाया गया है। मुंबई से रक्सौल के बीच ट्रेन नंबर 05558 पहले हर गुरुवार को चलती थी, अब इसे 12.03.2026 से 02.04.2026 तक बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन नंबर 05557 10.03.2026 से 31.03.2026 तक चलेगी। कुल 8 स्पेशल सेवाएं हैं। इनमें 1 फर्स्ट कम एसी टू-टियर, 2 एसी टू-टियर, 6 एसी थ्री-टियर, 7 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार हैं। मुंबई से सहरसा के बीच ट्रेन नंबर 05586 हर रविवार को चलती है: अब इसे 08.03.2026 से 29.03.2026 तक बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन नंबर 05585 06.03.2026 से 27.03.2026 तक चलेगी। कुल 8 स्पेशल सेवाएं हैं। इनमें 2 एसी टू-टियर, 6 एसी थ्री-टियर, 2 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी, 6 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार हैं। धनबाद के लिए ट्रेन नंबर 03380 हर गुरुवार को चलती है और अब 12.03.2026 से 26.03.2026 तक बढ़ाई गई है। वापसी में ट्रेन नंबर 03379 10.03.2026 से 24.03.2026 तक चलेगी। कुल 6 स्पेशल सेवाएं हैं। इनमें 2 एसी टू-टियर, 2 एसी थ्री-टियर, 6 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी, 6 स्लीपर क्लास, 4 जनरल सेकंड क्लास, 1 सेकंड सीटिंग कम गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार हैं। इन ट्रेनों के समय और पड़ाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आरक्षण की जानकारी: ट्रेन नंबर 05558, 05586 और 03380 के विस्तारित सफर के लिए बुकिंग 20.02.2026 से शुरू हो गई है।

विशाखापत्तनम में 'मिलन 2026' का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे उद्घाटन

विशाखापत्तनम,19 फरवरी (एजेंसियां) । बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास 'मिलन 2026' का औपचारिक उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा गुरुवार को विशाखापत्तनम नौसेना बेस के समुद्रिका सभागार में किया जाएगा। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी उपस्थित रहेंगे। इससे पहले, 15 फरवरी को पूर्वी नौसेना कमान के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय भल्ला ने 'मिलन विलेज' का उद्घाटन किया था। 'मिलन 2026' का बंदरगाह चरण बुधवार को शुरू हुआ, जिसके बाद शाम को भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के लिए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और औपचारिक रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। अभ्यास के आधिकारिक उद्घाटन से पहले, गुरुवार से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगोष्ठी शुरू होगी। 2022 के संस्करण में 42 देशों ने भाग लिया था, जबकि वर्तमान संस्करण में 70 देशों की भागीदारी देखी गई है, जो इसकी वैश्विक पहुंच में महत्वपूर्ण विस्तार को दर्शाता है।

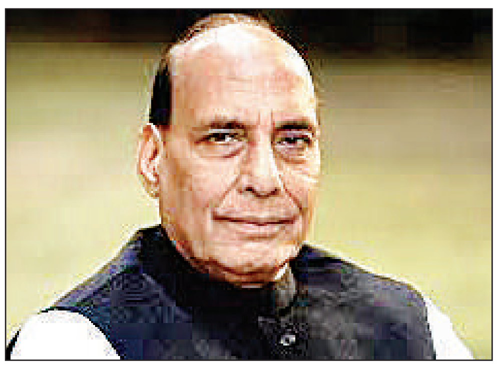

मिलन 2026 का समुद्री चरण 21 फरवरी को शुरू होने वाला है और 25 फरवरी को समाप्त होगा। बंदरगाह और समुद्री दोनों चरण भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ाने, समुद्री क्षेत्र की जागरूकता को मजबूत करने और पनडुब्बी रोधी युद्ध, वायु रक्षा और खोज एवं बचाव अभियानों में उन्नत अभ्यास आयोजित करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

इस अभ्यास का उद्देश्य मित्र विदेशी देशों की नौसेनाओं को एक साथ लाना, पेशेवर संबंधों को गहरा करना, परिचालन संबंधी सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करना और समुद्री सहयोग का विस्तार करना है।

इस अभ्यास के परिचालन घटक में बड़े पैमाने पर बहुपक्षीय समुद्री अभियानों पर जोर दिया जाएगा, जिससे भाग लेने वाली सेनाओं को एक समन्वित और एकजुट समुद्री समूह के रूप में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त होगा।

भारतीय नौसेना की ओर से 1995 में शुरू किया गया, मिलन एक द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसैनिक सम्मेलन है, जो चार क्षेत्रीय देशों, इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड, की भागीदारी के साथ शुरू हुआ था।

यह अभ्यास मूल रूप से भारत की 'लुक ईस्ट पॉलिसी' के अनुरूप था, जो बाद में 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण में विकसित हुआ। इसका पहला संस्करण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में आयोजित किया गया था।

पिछले कुछ वर्षों में, इस अभ्यास का दायरा काफी बढ़ गया है, जो बुनियादी अंतरसंचालनीयता अभ्यासों से लेकर पनडुब्बी रोधी और वायु रोधी अभियानों सहित जटिल, उच्च-तीव्रता वाले युद्ध परिदृश्यों तक विस्तारित हो गया है, जो भारत की बढ़ती समुद्री उपस्थिति को दर्शाता है।

परंपरागत रूप से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आयोजित होने के बावजूद, विशाखापत्तनम की अधिक व्यापक और उन्नत नौसैनिक अवसंरचना के कारण 2020 में इसका आयोजन स्थल विशाखापत्तनम में स्थानांतरित कर दिया गया।

मध्य प्रदेश में सिंथेटिक ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ मालिक समेत तीन आरोपी गिरफ्त में

भोपाल,19 फरवरी (एजेंसियां) । केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) ने मध्य प्रदेश में नशीले पदार्थों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। तीन दिनों तक चले इस ऑपरेशन में इंदौर जिले की महू तहसील के थवलाय गांव में एक गुप्त फैक्ट्री का पता लगाया गया, जहां सिंथेटिक ड्रग मेथामफेटामाइन (एमडी) बनाई जा रही थी। यह सब 13 फरवरी की रात शुरू हुआ। सीबीएन की नीमच शाखा को सूचना मिली कि मंदसौर से एक बस में बड़ी मात्रा में एमडी ले जाया जा रहा है। तुरंत टीम बनाई गई और मंदसौर पुलिस को फोन पर अलर्ट किया गया। पुलिस ने बस रोक ली। टीम पहुंचने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत तलाशी ली गई। एक यात्री के पास संदिग्ध बॉक्स मिला, जिसमें उसने एमडी होने की बात मानी। पूछताछ में उसका साथी भी सामने आया और उसकी सीट के नीचे से दूसरा बॉक्स बरामद हुआ। दोनों बॉक्स में कुल 8.172 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली क्रिस्टल एमडी (मेथामफेटामाइन) मिली, जो पांच पॉलीथीन पैकेट में पैक थी। दोनों आरोपियों ने ड्रग अपने पास रखने की बात कबूल की। पूछताछ से पता चला कि यह ड्रग एक गुप्त फैक्ट्री से ली गई थी।इस खुलासे पर सीबीएन ने नीमच, मंदसौर, जावरा और उज्जैन शाखाओं की संयुक्त टीम बनाई। आधी रात से सर्च शुरू हुआ। 14 फरवरी की सुबह थवलाय गांव में एक मकान की पहचान हुई, जहां लोहे का गेट और दो ताड़ के पेड़ थे। अंदर तेज केमिकल की गंध और धुआं था, इसलिए स्वास्थ्य जोखिम के कारण पहले प्रवेश रोका गया। नीमच से व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) वाली विशेष टीम बुलाई गई।फैक्ट्री में आधुनिक मशीनरी और प्लांट लगे थे। इसे खोलने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ी, इसलिए नीमच के सरकारी अफीम एवं क्षार कार्यालय (जीओएडब्ल्यू) से मदद मांगी गई।

बिहार में डीजे बजाने पर लगेगी रोक मंत्री श्रवण कुमार ने दी जानकारी

पटना,19 फरवरी (एजेंसियां) । बिहार में धार्मिक, सामाजिक आयोजनों या विभिन्न समारोहों में तेज आवाज में डीजे बजाने पर रोक लगाई जाएगी। बिहार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने गुरुवार को विधान परिषद में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 15 दिनों के अंदर अभियान चलाकर इस पर रोक लगाई जाएगी। दरअसल, बिहार विधान मंडल के बजट सत्र के दौरान विधान परिषद में वंशीधर ब्रजवासी ने सवाल उठाते हुए कहा कि तेज आवाज में डीजे बजाने से कई लोगों की हृदयाघात से मौत हो चुकी है। इसके अलावा शादी-विवाह जैसे आयोजनों में गोलियां चलने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। कई मौकों पर डीजे के जरिए अश्लील गानों के प्रसारित किए जाने के बाद मारपीट की स्थिति भी उत्पन्न हो जाती है, जो गंभीर चिंता का विषय है। इस मुद्दे को लेकर कई अन्य सदस्यों ने भी एमएलसी का समर्थन किया। इस दौरान सदस्यों ने वाहनों में भी तेज आवाज में डीजे बजाने पर प्रश्न उठाए। इस प्रश्न के उत्तर में परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट कहा कि बिना अनुमति और लाइसेंस वाले डीजे बजाने पर रोक लगेगी और ऐसी गाड़ियों को जब्त किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 15 दिनों के अंदर बिना अनुमति के डीजे बजाने वालों पर एक अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एमएलसी के गाड़ियों में भी अवैध तरीके से डीजे बजाने को लेकर कहा कि साउंड पॉल्यूशन को लेकर भी परिवहन विभाग विशेष अभियान चलाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 20 लाख की फिरौती मांगने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

मुंबई,19 फरवरी (एजेंसियां) । मुंबई के विलेपार्ले इलाके में एक ज्वेलरी कारोबारी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से धमकाकर 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। लेकिन, पुलिस की सतर्कता और चालाकी से यह साजिश नाकाम हो गई। पुलिस ने कुर्ला के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से चार युवकों को 5 लाख रुपए नकद के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। फरियादी विलेपार्ले पूर्व में मंगल रॉयल ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड नाम से ज्वेलरी का कारोबार करते हैं। 12 फरवरी की रात उन्हें एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप संदेश मिला, जिसमें लिखा था कि 20 लाख रुपए नकद चाहिए, नहीं तो गोली खानी पड़ेगी। संदेश में लॉरेंस बिश्नोई गैंग, कनाडा का नाम लिया गया था। इसके बाद लगातार धमकी भरे संदेश और कॉल आने शुरू हो गए। 14 फरवरी को व्हाट्सएप कॉल पर खुद को गैंग का सदस्य बताने वाले व्यक्ति ने फिर 20 लाख की मांग दो-हराई। कारोबारी ने पैसे न होने की बात कही तो सौदेबाजी शुरू हुई और रकम 5 लाख पर तय हो गई। 15 फरवरी को फिर कॉल आया कि पैसा तैयार रखें। रात में कारोबारी ने संदेश भेजा कि उनके पास सिर्फ 3 लाख हैं। लेकिन, जवाब मिला कि पूरे 5 लाख चाहिए। आ-खिरकार 5 लाख रुपये पर सहमति बनी और अगले दिन पैसे देने का समय तय हुआ।कारोबारी ने तुरंत विलेपार्ले पुलिस को पूरी जानकारी दे दी। पुलिस निरीक्षक श्रीनिवास चेवले के मार्गदर्शन में सादी वर्दी वाली टीमें तैयार की गईं। कारोबारी और उनके परिवार की सुरक्षा का पूरा इंतजाम किया गया।

16 फरवरी की सुबह 10 बजकर 53 मिनट पर संदेश आया कि दो बजे पैसा तैयार रखें। दोपहर में निर्देश मिला कि कुर्ला टर्मिनस पर स्टाफ भेज दें। बार-बार कॉल करके पूछा जा रहा था कि कितना समय लगेगा। कारोबारी ने अपने दो कर्मचारियों को 5 लाख रुपए एक हैंडबैग में देकर स्कूटर से कुर्ला भेजा। उन्हें लोकमान्य तिलक टर्मिनस की पार्किंग में एक रेस्तरां के पास खड़े रहने को कहा गया।शाम 4 बजकर 31 मिनट पर कॉल आया कि उनका आदमी कर्मचारियों को पहचान चुका है। कोड वर्ड 'लालपरी' होगा। थोड़ी देर बाद चार संदिग्ध युवक आए। उन्होंने पहले टोह ली और पासवर्ड पूछकर चले गए। फिर दो युवक लौटे और 'लालपरी' कहकर बैग ले लिया। चारों ऑटो में बैठकर निकलने लगे।

10 मिनट में जिया खान को मिली थी पहली फिल्म निशब्द

बिग बी के साथ रोमांस कर मिली सफलता

पर्दे पर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का सपना हर स्टार का होता है। सेट पर उनके साथ सीन फिल्माने में ही अभिनेताओं की सांसें अटक जाती हैं, लेकिन एक चुलबुली लड़की ने पहली ही फिल्म के जरिए स्क्रीन पर अभिनेता को अपना दीवाना बना दिया। हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड में चंद फिल्में करने वाली जिया खान की। 20 फरवरी को जिया खान की जयंती है, जिन्हें आज भी 'जिया' के किरदार के लिए याद किया जाता है। न्यूयॉर्क में जन्मीं जिया खान को एक्टिंग विरासत में मिली थी, क्योंकि उनकी मां पहले से ही हिंदी सिनेमा का बड़ा नाम थीं। अभिनेत्री की मां का नाम है राबिया अमिन, जिन्होंने 'कर्म युद्ध', 'लाकेट' और 'अंकुश' जैसी फिल्मों में काम कर सफलता हासिल की थी। जिया भी अपनी मां की तरह फिल्मों में अपना भविष्य देखती थीं और राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से डेब्यू करने का मन बना लिया था।

फिल्मों में डेब्यू करना भी जिया के लिए काफी आसान था क्योंकि 10 मिनट की बातचीत में ही उन्हें अमिताभ बच्चन के साथ पहली फिल्म ऑफर हो गई थी। सुनने में ये बात बहुत अजीब लगेगी, लेकिन अपने कॉलेज के होमवर्क के लिए अभिनेत्री अपने पसंदीदा निर्माता और निर्देशक से मिलने के लिए पहुंची थीं, जहां राम गोपाल वर्मा से 10 मिनट की बातचीत ने उनकी झोली में पहली फिल्म डाल दी और वो थी 'निशब्द'।

अमिताभ बच्चन जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम करना जिया के लिए किसी सपने के पूरा होने जैसा था, लेकिन सेट पर उनके साथ सीन को फिल्माने से पहले वह बहुत घबराती थी, लेकिन कैमरा रोल होते ही वे सब कुछ भूलकर बोल्ड सीन्स देने से भी पीछे नहीं हटीं। फिल्म भले ही अपना बजट ही निकाल पाई, लेकिन आलोचना की वजह से जिया को अच्छी-खासी पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके बाद उन्होंने आमिर खान के साथ 'गजनी' और अक्षय कुमार के साथ 'हाउसफुल' भी की, लेकिन जिया की पर्सनल लाइफ करियर पर भी भारी पड़ गई।

जिया को भले ही फिल्मों में सफलता मिली, लेकिन निजी जिंदगी में प्यार में नाकाम रही। दो साल छोटे सूरज पंचोली के साथ प्यार में पड़ी जिया के लिए प्यार के अंत ने सब कुछ खत्म कर दिया। साल 2013 में अपने ही घर में जिया ने खुदकुशी कर ली।

निर्मल पांडे: इंडस्ट्री के इकलौते अभिनेता, जिन्हें मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड, विश्व में बनाई अपनी अलग पहचान

हिंदी सिनेमा और थिएटर की दुनिया के चमकते सितारे निर्मल पांडे ने अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी। उनकी भूमिका चाहे बड़े पर्दे पर हो या छोटे पर्दे पर, वे हर बार अपने किरदार में पूरी तरह उतर जाते थे। उनकी पुण्यतिथि के मौके पर आज हम उनके एक ऐसे पल के बारे में बात करेंगे, जिसने उन्हें विश्व सिनेमा में अनोखा दर्जा दिलाया। साल 1997 में फ्रांस के वैलेंसिएन्स फिल्म फेस्टिवल में निर्मल पांडे को फिल्म 'दायरा' में अपने किन्नर किरदार के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला था। वे इंडस्ट्री के इकलौते ऐसे पुरुष कलाकार थे, जिन्हें 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड दिया गया था। निर्मल पांडे का जन्म 10 अगस्त 1962 को उत्तराखंड के नैनीताल जिले में हुआ था। उनका असली नाम राजकुमार पांडे था। बचपन से ही उनकी रुचि अभिनय में थी। स्कूल और मोहल्ले में होने वाली रामलीला और नाटकों में वह हमेशा भाग लिया करते थे। अल्मोड़ा और नैनीताल में अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने अभिनय के सपनों को पूरा करने के लिए दिल्ली का रुख किया।

दिल्ली आने के बाद निर्मल पांडे ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) से अभिनय की पढ़ाई शुरू की। एनएसडी में उन्होंने थिएटर और अभिनय की बारीकियों को सीखा। इस दौरान उन्होंने नाटकों का निर्देशन भी करना शुरू किया और मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाते रहे।

एनएसडी की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह लंदन चले गए। वहां उन्होंने एक थिएटर ग्रुप के साथ जुड़कर लगभग 125 नाटकों में अभिनय किया। उन्होंने 'हीर-रांझा', 'एंटीगोन', और कई अन्य क्लासिक नाटकों में अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान उनका अभिनय विदेशी दर्शकों को भी बेहद पसंद आया।

फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें पहली बड़ी पहचान शेखर कपूर की फिल्म 'बैंडिट क्वीन' से मिली। इसमें उन्होंने विक्रम मल्लाह का किरदार निभाया, जो फिल्म में फूलन देवी के पति के रूप में दर्शकों के दिलों में बस गया। इसके बाद उनके पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आए, जिनमें 'ट्रेन टू पाकिस्तान', 'इस रात की सुबह नहीं', 'हम तुम पे मरते हैं', 'लैला', 'प्यार किया तो डरना क्या', और 'शिकारी' जैसी फिल्में शामिल हैं।

निर्मल पांडे की खासियत यह थी कि वे किसी भी किरदार में पूरी तरह ढल जाते थे। यही वजह थी कि उन्हें अमोल पालेकर की फिल्म 'दायरा' में किन्नर के रोल के लिए 1997 में फ्रांस के वैलेंसिएन्स फिल्म फेस्टिवल में 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला। फिल्म में उनके साथ सोनाली कुलकर्णी भी मुख्य किरदार में थीं। इसकी कहानी बेहद खास थी, जिसमें लड़की को लड़का बनना था और लड़के को लड़की। जब फिल्म के लिए अवॉर्ड मिला, तो दोनों को किरदार के अनुसार सम्मानित किया गया, यानी निर्मल पांडे को बेस्ट एक्ट्रेस और सोनाली कुलकर्णी को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला।

निर्मल ने फिल्मों के साथ-साथ टीवी पर भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 'हातिम' और 'प्रिंसेस डॉली और उसका मैजिक बैग' जैसे शो में विलेन का किरदार निभाया। इसके अलावा, वे संगीत में भी रुचि रखते थे और 2002 में अपनी म्यूजिक एल्बम 'जज्बा' लॉन्च की।निर्मल पांडे का जीवन संघर्षों से भरा था। हार्ट अटैक के चलते 18 फरवरी 2010 को 47 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स की अगली भव्य फ़ीचर फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन

एस के जी एंटरटेनमेंट और बेंचमार्क स्टोरीटेलर्स ने अपनी आगामी फ़ीचर फ़िल्म की आधिकारिक घोषणा कर दी है, जिसमें पैन-साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री अनूपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी। यह एक सघन मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होगी, जिसका निर्देशन शान करेंगे और निर्माण शिविन नरंग, प्रेरणा अरोड़ा और किरण बल्लापल्ली द्वारा एक अग्रणी स्टूडियो के सहयोग से किया जाएगा। यह फ़िल्म निर्देशक शान के साथ अनूपमा परमेश्वरन की बड़े पर्दे पर वापसी का प्रतीक है। इससे पहले दोनों की लघु फ़िल्म को जबरदस्त सराहना मिली थी। डिजिटल मंच पर मिली उस सफलता के बाद अब यह सहयोग एक पूर्ण रूप से सिनेमाई अनुभव में परिवर्तित हो रहा है, जिसमें व्यापक पैमाना, गहराई और प्रभाव देखने को मिलेगा। फ़िल्म की शूटिंग मई 2026 से शुरू होने वाली है, जबकि शीर्षक की घोषणा बाद में की जाएगी। इस परियोजना की घोषणा अनूपमा परमेश्वरन के जन्मदिन के अवसर पर की गई, जिससे यह पल और भी विशेष बन गया। निर्माताओं ने अभिनेत्री को शुभकामनाएँ देते हुए एक भावनात्मक और सशक्त सिनेमाई यात्रा की झलक भी पेश की।

इस सहयोग पर अपनी बात रखते हुए निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने कहा,इस फ़िल्म में अनूपमा परमेश्वरन के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास है। उनमें सहज आत्मविश्वास, भावनात्मक सच्चाई और पात्रों को गहराई से समझने की दुर्लभ क्षमता है, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों से सीधे जुड़ती है। अलग-अलग भाषाओं में दर्शकों के साथ उनका स्वाभाविक जुड़ाव मैंने हमेशा सराहा है। यह परियोजना उनके अभिनय की ताक़त को नए स्तर पर प्रस्तुत करने का एक आदर्श मंच है। उन्हें इस फ़िल्म का नेतृत्व करते हुए देखकर मैं सचमुच उत्साहित हूँ और इस रचनात्मक यात्रा की शुरुआत का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ।

एस के जी एंटरटेनमेंट ने हाल ही में जटाधारा रिलीज़ की है, जिससे उसके विविध और मज़बूत प्रोडक्शन स्लेट को और मजबूती मिली है। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित निर्माता प्रेरणा अरोड़ा इससे पहले रुस्तम, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पैड मैन और परी जैसी चर्चित फ़िल्मों का निर्माण कर चुकी हैं और निरंतर कंटेंट-प्रधान तथा दर्शक-केंद्रित सिनेमा का समर्थन करती रही हैं।

अनूपमा परमेश्वरन आज दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे पसंदीदा और मांग में रहने वाली अभिनेत्रियों में शामिल हैं। प्रेमम, कार्तिकेय 2, डीजे टिल्लू और राक्षसुडु जैसी फ़िल्मों में उनके अभिनय को व्यापक सराहना मिली है। वे तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में लगातार दर्शकों का दिल जीतती आ रही हैं और पैन-इंडियन पहचान बनाए हुए हैं।

मजबूत शैली, अनुभवी रचनात्मक टीम और केंद्रीय भूमिका में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, अनूपमा परमेश्वरन और प्रेरणा अरोड़ा का यह सहयोग दर्शकों के लिए एक यादगार और रोमांचक सिनेमाई अनुभव लेकर आने के लिए तैयार है।

नित्या मेनन ने बढ़ाया एक और कदम अब प्रोड्यूसर बन जीतेंगी लोगों का दिल

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार को बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है। अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।

वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।

नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'थिरुचित्राम्बलम' (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म 'मिशन मंगल' में नजर आई थीं।

मंगल गोचर कुंभ राशि में, पंचग्रही योग से मिथुन सहित पांच राशियों को नौकरी और व्यापार में होगा लाभ

मंगल का गोचर कुंभ राशि में 23 फरवरी 2026 को होने जा रहा है। ग्रहों के सेनापति के शनि की राशि कुंभ में प्रवेश से सूर्य, बुध, शुक्र, राहु समेत पांच ग्रहों की युति होगी। ऐसे में कुंभ राशि में ग्रहों का पंचायत लगेगी जिसे ज्योतिषीय भाषा में पंचग्रही योग भी कहते हैं। इनमें तीन उग्र ग्रह होंगे जिनकी युति प्रतिकूल मानी जाती है लेकिन यहां सौम्य ग्रह भी युति में शामिल होंगे और इस पर गुरु की शुभ दृष्टि भी रहेगी। ऐसे में शनि की स्वामित्व वाली राशि में मंगल का गोचर मेष सहित 5 राशियों के लिए भाग्यशाली रहेगा। मंगल के इस गोचर के दौरान इन राशियों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता मिल सकती है।

मेष राशि –मेष राशि के 11वें भाव में मंगल का कुंभ राशि में गोचर होगा। करियर के लिहाज से ये अवधि आपके लिए बेहद ही शुभ रहने वाली है। नौकरी में लाभ दिलाने वाले नए अवसर प्राप्त होंगे। अपने अनुभव के बाल पर आपको प्रमोशन और सैलरी में इंक्रीमेंट मिल सकता है। इस दौरान सरकारी नौकरी मिलने की प्रबल संभावना नजर आ रही है। व्यवसाय से जुड़े जातकों को मंगल गोचर के दौरान पर्याप्त लाभ मिलेगा। हालांकि, बचत करने में आपको थोड़ी कठिनाई हो सकती है। जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत रहेंगे। स्वास्थ्य का भी आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

उपाय: रोजाना ओम नम: शिवाय मंत्र का जाप करें।

मिथुन राशि –मंगल का गोचर मिथुन राशि के जातकों के नवम भाव को प्रभावित करेगा। इस दौरान आपको सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के परिणाम देखने को मिलेंगे। नौकरी में लाभ तो होगा, लेकिन उसकी रफ्तार आपके अनुसार नहीं रहेगी। विदेश में नौकरी के असर मिलेंगे। हालांकि, इस अवधि में आपको प्रमोशन अटक सकता है। व्यवसाय में भी आपको सीमित लाभ देखने को मिलेगा। भाग्य का पूरा साथ नहीं मिलने से धन लाभ भी मध्यम ही रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर पैसा खर्च होने की संभावना बन रही है।

उपाय: रोजाना ओम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातकों के लिए मंगल का गोचर लाभदायक रहने वाला है। यह गोचर आपके सातवें भाव में हो रहा है। इस दौरान आपको करियर में अच्छी प्रगति देखने को मिलेगी। आर्थिक स्थिति भी आपकी अच्छी रहेगी। इस अवधि के दौरान आपको विदेश यात्रा का मौका भी मिल सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से संबंधों का आपको करियर में लाभ मिलेगा। व्यवसाय करने वाले सिंह राशि के लोगों को उच्च लाभ प्राप्त होता दिख रहा है। व्यवसाय में विस्तार के लिए समय उत्तम रहेगा। इस गोचर के दौरान रिश्तों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा।

उपाय: रोजाना ओम भास्कराय नम: का जाप करें।

कन्या राशि –कन्या राशि वालों के छठे भाव में मंगल का गोचर होगा। इसके परिणामस्वरूप आपको करियर में शानदार प्रगति देखने को मिलेगी। विदेश यात्रा पर जाने का आपको अवसर मिलेगा। इसके साथ ही सहयोगियों और अधिकारियों से भी आपको सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से आपका रुतबा बढ़ेगा। व्यवसाय से जुड़े जातकों को ठीक-ठाक लाभ होगा। इस दौरान नए लोगों से संपर्क आपके लिए फायदेमंद साबित होंगे। पारिवारिक रिश्ते आपके सुखद रहेंगे। जीवनसाथी के साथ यादगार पल बिताने का मौका मिलेगा। इस अवधि में आपका स्वास्थ्य भी सामान्य रहेगा।

उपाय रोजाना ओम बुधाय नम: मंत्र का जाप करें।

धनु राशि –कुंभ राशि में मंगल का गोचर धनु राशि के जातकों के लिए मिला जुला परिणाम देने वाला रहेगा। आपके तीसरे भाव में हो रहा यह गोचर करियर में सफलता और धन लाभ कराने वाला रहेगा। इस दौरान आपको नौकरी में प्रमोशन और वेतन में वृद्धि के योग बन रहे हैं। मंगल गोचर व्यवसाय करने वाले लोगों के लिए लाभकारी रहने वाला है। आपको उच्च लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। धन कमाने के साथ-साथ धन बताने में भी आप सफल रहेंगे। विदेश से जुड़ा कार्य करने वाले जातकों को विशेष लाभ होगा। घर-परिवार में सब बढ़िया रहेगा। जीवन साथी से भी रिश्ते मजबूत होंगे। हालांकि, बच्चों के स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखना होगा।

उपाय: गुरुवार के दिन भगवान रुद्र के लिए हवन और यज्ञ करें।

सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का संयोग, जानें पंचक-भद्रा का समय

सनातन धर्म में पंचांग के आधार पर दिन का शुभ-अशुभ समय तय किया जाता है। 20 फरवरी को शुक्रवार है, जो कई महत्वपूर्ण योगों का संयोग लेकर आ रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का विशेष संयोग बन रहा है, जो कार्यों की सफलता और शुभ फल देने वाला माना जाता है। हालांकि, पूरे दिन पंचक और भद्रा का प्रभाव भी रहेगा, जिसके कारण कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी हैं। दृक पंचांग के अनुसार, 20 फरवरी को तृतीया तिथि शाम 2 बजकर 38 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर पूरे दिन तृतीया ही मानी जाएगी। नक्षत्र उत्तर भाद्रपद शाम 8 बजकर 7 मिनट तक रहेगा, उसके बाद रेवती नक्षत्र लग जाएगा। योग साध्य शाम 6 बजकर 23 मिनट तक प्रभावी रहेगा। करण गर दोपहर 2 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। सूर्योदय 6 बजकर 55 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 15 मिनट पर होगा। शुभ मुहूर्त की बात करें तो शुक्रवार को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 14 मिनट से 6 बजकर 5 मिनट तक, अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 28 मिनट से 3 बजकर 14 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 12 मिनट से 6 बजकर 38 मिनट तक रहेगा। अमृत काल दोपहर 3 बजकर 28 मिनट से शाम 5 बजकर 1 मिनट तक है।

वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग का संयोग शाम 8 बजकर 7 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। यह समय नए कार्य, पूजा-पाठ, विवाह या अन्य शुभ कार्यों के लिए विशेष रूप से उत्तम है।

अशुभ समयों की बात करें तो राहुकाल सुबह 11 बजकर 10 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक, यमगंड दोपहर 3 बजकर 25 मिनट से 4 बजकर 50 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 8 बजकर 20 मिनट से 9 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। भद्रा रात 1 बजकर 51 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 54 मिनट तक और पंचक पूरे दिन मान्य रहेगा। पंचक और भद्रा के कारण अग्नि कार्य, यात्रा या नई शुरुआत से बचना चाहिए।

शुक्रवार माता लक्ष्मी और शुक्र ग्रह को समर्पित है। इस दिन माता लक्ष्मी की भक्ति भाव से व्रत-पूजन करने से सुख-शांति और धन-धान्य की प्राप्ति होती है।

100 पुत्रों से अच्छा एक पुत्र... आचार्य चाणक्य ने चांद-तारों से क्यों की संतान की तुलना

आचार्य चाणक्य एक महान शिक्षक और अर्थशास्त्री होने के साथ-साथ एक कूटनीतिज्ञ भी थे। चाणक्य अपनी चतुर रणनीतियों की वजह से प्रसिद्ध थे। आचार्य चाणक्य की नीतियों का आज भी अनुसरण किया जाते हैं। अपनी चाणक्य नीति में आचार्य चाणक्य ने जीवन के हर पहलू का बेहद ही बारीकी से समझाया है। आचार्य ने अपने एक श्लोक में पुत्रों की तुलना चांद और तारों से की है। आइए जानते हैं कि आचार्य इसके माध्यम से क्या कहना चाहते हैं।

वरमेको गुणी पुत्रो निर्गुणैश्च शतैरपि।
एकश्चन्द्रस्तमो हन्ति न च तारा: सहस्त्रश:।।

आचार्य चाणक्य का मानना है कि सैकड़ों गुणरहित और मूर्ख पुत्रों के बजाय एक गुणवान और विद्वान पुत्र का होना अच्छा है। उनका कहना है कि जैसे हजारों तारों के मुकाबले एक अकेले चंद्रमा से ही रात प्रकाशित होती है। ठीक उसी प्रकार सैकड़ों मूर्ख पुत्रों की अपेक्षा एक विद्वान और गुणों से युक्त पुत्र से ही पूरे परिवार का कल्याण होता है।

इस श्लोक के माध्यम से आचार्य का कहना है कि रात के समय जिस प्रकार आकाश में हजारों तारे दिखाई देते हैं, लेकिन उनसे रात का अंधकार दूर नहीं होता। रात का अंधेरा सिर्फ चंद्रमा के उगने से ही दूर हो पाता है। आचार्य की दृष्टि में संख्या से अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति का गुण है।

मूर्खश्चिरायुर्जातोऽपि तस्माज्जातमृतो वर:।
मृत: स चाऽल्पदु:खाय यावज्जीवं जडो दहेत् ।।

आचार्य चाणक्य ने लंबी आयु वाले मूर्ख पुत्र की अपेक्षा पैदा होते ही मर जाने वाले पुत्र को अधिक श्रेष्ठ माना है। आचार्य ने अपने श्लोक के माध्य से बताया है कि पैदा होते ही मर जाने वाला पुत्र थोड़े समय के लिए ही दुख का कारण होता है, जबकि लंबी आयु वाला मूर्ख पुत्र मृत्यु तक दुख देता रहता है।

आचार्य का कहना है कि संतान से माता-पिता की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जब जन्म लेते ही संतान की मृत्यु हो जाती है, तो माता-पिता निराशा के अंधकार में डूब जाते हैं। भविष्य में इस मृत संतान को लेकर कोई सुख-दुख की उम्मीद नहीं रहती है। जबकि मूर्ख जीवित पुत्र नित्य-प्रति अपने माता-पिता की आशा के टुकड़े-टुकड़े करता रहता है। इस दुख से पहला दुख ज्यादा ठीक है।

इन तारीखों पर जन्मी लड़कियां होती हैं बहुत बहादुर, मुश्किलों का करती हैं डटकर सामना

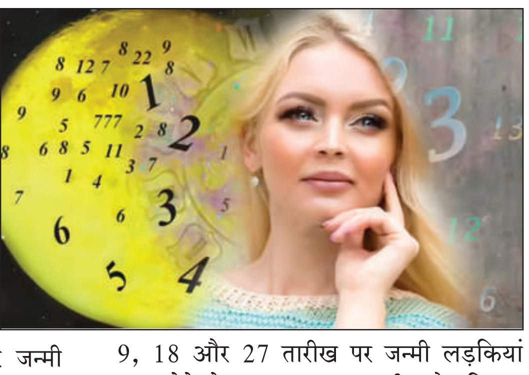

अंक ज्योतिष में जन्मतिथि के कुल योग को जानकर किसी व्यक्ति के जीवन, स्वभाव और भविष्य के बारे में पता लगाया जाता है। अंक ज्योतिष में 1 से लेकर 9 मूलांक तक के बारे में बताया गया है। इनके अपने-अपने स्वामी ग्रह होते हैं। अपनी जन्मतिथि के कुल योग से आप भी अपना मूलांक जान सकते हैं। उदाहरण के लिए किसी भी माह की 27 तारीख पर जन्मे जातकों का मूलांक (2+7= 9) होगा। आज हम कुछ ऐसी तारीखों पर जन्मी लड़कियों के बारे में जानेंगे जो बहुत बहादुर और साहसी होती हैं। साथ ही, ये किसी भी मुश्किल का सामना डटकर करती हैं। आइए विस्तार से जानें इस मूलांक के बारे में...

मूलांक 9 की लड़कियां होती हैं बहुत बहादुर

जिन लड़कियों का जन्म किसी भी महीने की 9, 18 या 27 तारीख को हुआ हो उनका मूलांक 9 होगा। अंक ज्योतिष के अनुसार, अंक 9 की लड़कियां बहुत बहादुर होती हैं। वहीं, अगर ये एक बार किसी काम में लग जाएं तो उसे पूरा जरूर करती हैं और कभी भी हार नहीं मानती हैं। मूलांक 9 की लड़कियां अपनी क्षमता से भी अधिक कार्य कर लेती हैं और साथ ही बेहद अनुशासन प्रिय होती हैं। इसी स्वभाव के चलते ये प्रशंसा प्राप्त करती हैं। अंक 9 के स्वामी ग्रह मंगल होते हैं। जिसे पराक्रम, ऊर्जा, साहस, शक्ति, योद्धा और आत्मविश्वास का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में ये सभी खूबियां मूलांक 9 वाली लड़कियों के भीतर भी देखने को मिल सकती हैं।

हर मुश्किल का डटकर करती हैं सामना

9, 18 और 27 तारीख पर जन्मी लड़कियां बहादुर होने के साथ-साथ साहसी और हिम्मत वाली होती हैं। ये किसी भी मुश्किल से भागती नहीं हैं, इसकी बजाए उसका डटकर सामना करती हैं और समाधान जरूर खोजती हैं। अंक 9 में एक योद्धा के गुण भी देखने को मिल सकते हैं। ये अपना जीवन खुलकर जीना पसंद करती हैं और इन्हें स्वतंत्रता से अधिक लगाव होता है। अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 9 वाले लोग विश्वसनीय होते हैं और इन्हें किसी भी काम में लापरवाही बिल्कुल पसंद नहीं आती है।

जल्दी आता है गुस्सा

अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 9 वाली लड़कियों का स्वभाव थोड़ा गुस्सैल होता है। इन्हें किसी गलत बात पर गुस्सा जल्दी और बहुत तेज आ जाता है। ऐसे में इनके लिए अपना गुस्सा शांत करना थोड़ा मुश्किल होता है। हालांकि, 9, 18 और 27 तारीख पर जन्मी लड़कियां अपने काम को जल्दी पूरा कर लेती हैं। और जीवन में मेहनत और प्रयासों से सफलता प्राप्त करती हैं। ये सुरक्षा कर्मी, सेना व पुलिस जैसे क्षेत्रों में जा सकती हैं।

श्रीकृष्ण की देह त्याग का कारण बना स्वयं उनका पुत्र, एक मजाक ने कर दिया यदुवंश का विनाश

भगवान श्री कृष्ण और जाम्वती के पुत्र सांब का एक मजाक पूरे यदुवंश के लिए भारी पड़ा। विश्वामित्र और नारद सहित अन्य महामुनियों को देखकर यादव कुल के बालकों को शरारत सूझी। तक सांब ने स्त्री का वेश धारण किया और यादव कुल के बालकों ने उन ऋषियों को रोककर पूछा की उसके गर्भ से क्या पैदा होगा। दिव्य ज्ञान से संपन्न उन ऋषियों ने उनके खेल को पकड़ लिया और क्रोधित होकर शाप दिया कि यह एक मूसल को जन्म देगा, जो आगे चलकर समस्त यादवों के नाश का कारण बनेगा और यादवों के संपूर्ण कुल का विनाश हो जाएगा।

सांब के पेट से मूसल का जन्म

उन यादव कुमारों ने ऋषियों के शाप की बात राजा उग्रसेन को बताई। कुछ समय बाद सांब के पेट से एक मूसल पैदा हुआ। उग्रसेन ने उस लोहे के मूसल का चूर्ण बनवाकर समुद्र में फिंकवा दिया। ताकि उस शाप से छुटकारा मिल सके। जहां उस चूर्ण को फेंका गया वहां पर बहुत से सरकंडे उत्पन्न हो गए। लेकिन इसमें एक लोहे का टुकड़ा बच गया था जिसे एक मछली निगल गई। उस मछली को मछुआरों ने पकड़ लिया और उसके पेट से जो मूसल का टुकड़ा निकला उसे जरा नामक शिकारी ने अपने पास रख लिया।

भगवान को द्वारका में दिखे अशुभ संकेत

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारका पुरी में बड़े संकट के आने से पहले होने वाले अशुभ संकेत देखे। इसी समय देवताओं ने वायु को दूत बनाकर भगवान श्र कृष्ण के पास भेजा और स्वलोक लौटने की विनती की। तब भगवान ने कहा कि अब मैंने यादवों के नाश का आरंभ कर दिया है। इन यादवों का संहार हुए बिना अभी तक पृथ्वी का भार हल्का नहीं हुआ है। अब सात रात्रि के भीतर इनका संहार करके पृथ्वी का भार उतार कर मैं स्वधाम लौट आउंगा। जिस प्रकार यह द्वारका की भूमि मैंने समुद्र से मांगी थी इसे उसी प्रकार उसे लौटाकर और यादवों का संहार कर मैं लौट आऊंगा।

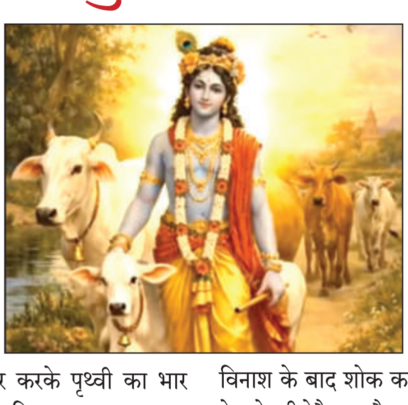

यादव कुल का विनाश

द्वारका में पाप अपने चरम पर पहुंच गया। तब भगवान श्री कृष्ण बलराम के साथ प्रभास क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान भोजन करते समय यादवों में विवाद और हाथापाई होने लगी। तब सभी यादव एक-दूसरे पर शस्त्र प्रहार करने लगे और जब शस्त्र समाप्त हो गए तो पास में उगे हुए लोहे के समान उन सरकंडों को तोड़कर उससे प्रहार करने लगे। जब भगवान श्री कृष्ण ने उन्हें आपस में लड़ने से रोका तो उनकी बात की अवहेलना की। तब भगवान कृष्ण ने कुपित होकर उनके वध करने के लिए एक मुट्ठी सरकंडे उठा लिए। वे मुट्ठीभर सरकंडे लोहे के मूसल के समान हो गए। उन सरकंडों से भगवान सम्पूर्ण आततायी यादवों को मारने लगे। कुछ क्षण के बाद भगवान श्री कृष्ण और उनके सारथी दारुक को छोड़कर और कोई यदुवंशी जीवित नहीं बचा।

भगवन श्रीकृष्ण का देह त्याग

प्रभास क्षेत्र में यादवों के विनाश के बाद शोक करते हुए भगवान वन में एक पीपल पेड़ के नीचेपैर पर पैर रखकर योग निद्रा में विश्राम करने लगे। इसी समय, बचे हुए मूसल के टुकड़े को बाण में लगाकर वहां जरा नामक शिकारी आया। भगवान कृष्ण के अंगुठे को मृग की आंख जानकर उसने दूर से ही बाण चला दिया। लेकिन वहां पहुंचने पर उसने एक चतुर्भुज धारी मनुष्य देखा। यह देखते ही वह भगवान के चरणों में गिरकर अपने अपराध के लिए क्षमा मांगने लगा। तब भगवान ने कहा कि यह सब मेरी ही इच्छा से हुआ है और यही होना भी था। अब तुम भी मुक्ति के अधिकारी हो गए हो। और वहां एक दिव्य विमान प्रकट हुआ और जरा नामक शिकारी परलोक चला गया है। उसके चले जाने पर भगवान श्री कृष्ण ने इस मनुष्य देह का त्याग कर दिया और स्वधाम लौट गए।

यह तीन गुण ही जीवन की उन्नति और अवनति करते हैं तय

ईश्वर की बनाई सृष्टि में सतोगुणी, रजोगुणी, तमोगुणी तीन तरह के व्यक्ति होते हैं। मान लीजिये कि मैंने एक ऐसा कर्म (क्रियमाण कर्म) किया, जिसके फलस्वरूप आगे जाकर मुझे पांच लाख रुपए मिलेंगे, ऐसा मेरा प्रारब्ध (भाग्य) निर्मित हुआ। यह प्रारब्ध रूपी धन जब तक मैं प्राप्त नहीं कर लूंगा, तब तक ये पांच लाख रुपए मेरे पीछे-पीछे घूमते ही रहेंगे। मुझे पांच लाख रुपए मिल जाने पर पूर्व में किए गए मेरे कर्म, प्रारब्ध रूपी फल देकर अपना कार्य पूर्ण करेंगे।

यदि मैं तमोगुणी व्यक्ति हुआ तो – एक दिन रात में बारह बजे एक आदमी मेरे घर आया और कहने लगा कि ये पांच लाख रुपए रिश्वत के रख लो, मेरे पिता की जमीन में से मेरे भाई का हक कम करके ज्यादा जमीन मेरे खाते में दाखिल कर दो।

तमोगुणी होने पर पांच लाख रुपए की रिश्वत लेकर मैं उसे लाभ करवा दूंगा। इस तरह मैं पांच लाख रुपयों की प्राप्ति कराने वाले प्रारब्ध को भोग लूंगा और मेरा पहले वाला क्रियमाण कर्म प्रारब्ध बनकर तथा फल देकर शांत हो जाएगा। पर साथ ही साथ मैं एक नया पाप कर्म भी पैदा कर लूंगा जो आगे जाकर प्रारब्ध रूप में अवश्य ही मेरे सामने आएगा और उसे मुझे भोगना ही पड़ेगा।

यदि मैं तमोगुणी न हुआ तो– मैं पांच लाख रुपयों की रिश्वत लेने से साफ इनकार कर दूंगा, तो भी कर्म सिद्धान्त के अनुसार ये पांच लाख रुपए किसी न किसी प्रकार से मुझे आगे जाकर जरूर मिलेंगे और प्रारब्ध मुझे बिना पांच लाख रुपए का फल दिए बिना शांत नहीं होगा।

यदि मैं रजोगुणी हुआ तो –एक जरूरतमंद व्यक्ति मेरे पास आता है और अपने जिस मकान को मैंने तीस लाख में बेचने का तय किया था उसी के वह पैंतीस लाख मुझे देने का आग्रह करता है।

यदि मैं रजोगुणी हुआ तो– मुझे पांच लाख रुपए अधिक दिलवाकर मेरा क्रियमाण कर्म, प्रारब्ध रूप से मुझे फल भोगवाकर शांत हो जाता है।

यदि मैं रजोगुणी न हुआ तो– मैं वचनबद्धता के अनुसार तीस लाख से अधिक की रकम लेने से इनकार कर दूंगा, उस समय मेरा प्रारब्ध फिर से आगे बढ़ जाएगा। जब तक ये पांच लाख रुपए मुझे प्राप्त नहीं हो जाएंगे तब तक मेरा क्रियमाण कर्म प्रारब्ध के रूप में मेरा पीछा नहीं छोड़ेगा।

यदि मैं सतोगुणी हुआ तो – मैं एक टैक्सी चालक हूं और एक पैसेन्जर अपने करोड़ों के गहने मेरी टैक्सी में भूलकर चला गया, उन्हें लेकर मैं उसके पास लौटाने के लिए गया। उसके बदले में उसने मेरा बड़ा अहसान माना और आग्रहपूर्वक इनाम के रूप में मुझे पांच लाख रुपए दिये।

सतोगुणी व्यक्ति होते हुए प्रेम से प्राप्त हुए पांच लाख को मैंने स्वीकार कर लिया और इस तरह अपने पांच लाख रुपए प्राप्त कराने वाले प्रारब्ध को भी मैंने भोग लिया तथा साथ-साथ थोड़ा पुण्य भी कमा लिया।

संपादकीय

आरडीजी के बहाने

आरडीजी के बहाने हिमाचल विधानसभा का सत्र बहस के नए मुहाने पर खड़ा है और जहां हर विधायक के तर्क और चिंतन, आर्थिक विपन्नता के सूखे पर गश्त कर रहे हैं। कम से कम मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक रोडमैप तो बना दिया, ताकि बहस के हर सिरे पर आरडीजी की व्याख्या हो। यहां से जाहिर तौर पर एक नया सफर शुरू होने जा रहा है। यह बहस शाश्वत विचारों की अहमियत में हिमाचल की परख कर रही है, तो कितने ही मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर दृष्टिपात होना लाजिमी हो जाता है। मसला यह नहीं कि हम सदन में टिप्पणियों के जंगल में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच मुकाबला देखें, बल्कि यहां सामना तो देश की नीतियों से है, जहां सरकारों ने बचकाने से प्रयास में राज्य का अर्थ तंत्र गंवा दिया। यह सत्ता और विपक्ष के बीच कोई दीवार नहीं कि बहस के समवेत स्वर कुछ समय के लिए इसे गिरा दे। यह राज्य और नागरिकों की आर्थिक तरक्कियों के बीच मतभेद की जिरह है, क्योंकि नीतियों ने राज्य को हकीकत के कदमों से दूर रखकर समाज को लाभार्थी बना दिया। अगर कांग्रेस की गारंटियां महज सियासी चोंचलेबाजी मानी जाएं, तो पिछली सरकार ने बिजली बिल में सेंधमारी करके जनता को मुफ्तखोरी सिखा दी। एचआरटीसी की बसों पर महिला टिकट की छूट ने जो सब्जबाग दिखाए, कमोबेश कांग्रेस के महिला वर्ग को पंद्रह सौ रुपए ने आर्थिक ढांचे की बुहारी तय कर ली। अगर प्रदेश में इमारतों के दरख्तों पर पतझड़ न देखी होती, तो राज्य में 600 भवन बेकार न होते। ये खाली भवन कौनसे करामात हैं या विकास के कौनसे जलजले कि जनप्रतिनिधियों ने मकबरे सजा लिए। राज्य के प्रति चिंतन को सशक्त करते, तो विकास के सारे अर्थ, अर्थ तंत्र को विकसित करते। हम उस समय भी लिखते रहे, जब ज्वालामुखी जैसे विधानसभा क्षेत्रों और उनके आसपास जरूरत से ज्यादा कालेज खोल दिए गए। आखिर सौ या उससे कम संख्या में छात्रों के लिए कालेज खोलने का तर्क क्या था। हमारे विकास की शर्तें इतनी मनहूस साबित हुईं कि राजनीतिक शेखियों ने पूरे बजट को दीवारों में चिन दिया। क्या सारे कालेज स्नातकोत्तर होने चाहिएं थे। क्या रेत पर सपनों के महल खड़े करने के लिए तमाम विधायक, मंत्री या सरकारें दोषी नहीं। इतना ही नहीं, अगर सर्वेक्षण करवाएं तो मालूम होगा कि राजनीति में आया कमाई का प्रोफेशन अब हिमाचल के अर्थ तंत्र को रेजगारी बना चुका है। यहां कमाई के निजी साम्राज्य अगर बढ़ रहे हैं, तो भू माफिया के कवर के नीचे न केवल राजनीतिक हस्तियां, अफसरशाही व नौकरशाही जिम्मेदार है, बल्कि व्यवस्था ही हर सत्ता को प्रदेश का 'नीलामघर' बना रही है। सदन में अगर मुख्यमंत्री स्वयं बता रहे हैं कि बेनामी सौदों की खान गगरेट और गगल एयरपोर्ट के पास खुली है, तो ऐसी चुगलियां हर शहर और कस्बे से आ रही हैं। आश्चर्य यह कि अब गांव-गांव बस्तियां बिक रही हैं और दौलत के जनाजे से खड्डें, घाटियां और चोटियां घबरा रही हैं। हिमाचल अगर पर्वतों-घाटियों का प्रदेश है, तो पता करें कि यहां पहाड़ खोदने की मशीनरी कितने शोरूम में बिक रही है। भाजपा विधायक विक्रम ठाकुर के सवालों को सही परिप्रेक्ष्य में लें, तो राजनीतिक नियुक्तियों के चुंबक वाकई प्रदेश का धन बटोर रहे हैं, लेकिन यह धुआं अब हर सरकार छोड़ रही है। फिजूलखर्चियां मिटाने के लिए कुछ खंभे तोडऩे पड़ेंगे, भाषणों के विषय छोडऩे पड़ेंगे और सरकारी ढांचे के बजाय निजी क्षेत्र में निवेश के हाथी जोडऩे पड़ेंगे। अगर पिछली सरकार की इन्वेस्टमेंट मीट के परिणाम घोषित हो जाते या वर्तमान सरकार के इरादे सफर पर निकल आएं, तो आर्थिक बोझ कम होगा। यह सरकारों को तय करना है कि प्रदेश के पांच लाख सरकारी कर्मचारियों के लेन-देन के रिश्तों में बजट में हाहाकार मचाना है या निजी क्षेत्र के पच्चीस लाख लोगों को आर्थिक भागीदार बनाना है। कितने शैक्षणिक संस्थान, अनावश्यक दफ्तर, सरकारी होटल, बस डिपो और राजनीतिक नियुक्तियां बंद करके राज्य का आर्थिक संतुलन फायदेमंद होगा, इस पर भी तो मुकम्मल बहस हो जाए। हाल फिलहाल कांगड़ा सहकारी बैंक की वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) के किस्से बता रहे हैं कि आर्थिक भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी मनहूस हो चुकी हैं। राज्य को सख्त पैगाम देने के लिए बड़ी मछलियों का शिकार जरूरी है, वरना बहस के ठीक सामने प्रदेश के विकास, संपत्ति और विशेषाधिकार प्राप्त एक सक्रिय समुदाय कमोबेश हर सरकार में ओहदेदार साबित होता रहेगा।

अगर कांग्रेस की गारंटियां महज सियासी चोंचलेबाजी मानी जाएं, तो पिछली सरकार ने बिजली बिल में सेंधमारी करके जनता को मुफ्तखोरी सिखा दी। एचआरटीसी की बसों पर महिला टिकट की छूट ने जो सब्जबाग दिखाए, कमोबेश कांग्रेस के महिला वर्ग को पंद्रह सौ रुपए ने आर्थिक ढांचे की बुहारी तय कर ली। अगर प्रदेश में इमारतों के दरख्तों पर पतझड़ न देखी होती, तो राज्य में 600 भवन बेकार न होते। ये खाली भवन कौनसे करामात हैं या विकास के कौनसे जलजले कि जनप्रतिनिधियों ने मकबरे सजा लिए। राज्य के प्रति चिंतन को सशक्त करते, तो विकास के सारे अर्थ, अर्थ तंत्र को विकसित करते। हम उस समय भी लिखते रहे, जब ज्वालामुखी जैसे विधानसभा क्षेत्रों और उनके आसपास जरूरत से ज्यादा कालेज खोल दिए गए। आखिर सौ या उससे कम संख्या में छात्रों के लिए कालेज खोलने का तर्क क्या था। हमारे विकास की शर्तें इतनी मनहूस साबित हुईं कि राजनीतिक शेखियों ने पूरे बजट को दीवारों में चिन दिया। क्या सारे कालेज स्नातकोत्तर होने चाहिएं थे। क्या रेत पर सपनों के महल खड़े करने के लिए तमाम विधायक, मंत्री या सरकारें दोषी नहीं। इतना ही नहीं, अगर सर्वेक्षण करवाएं तो मालूम होगा कि राजनीति में आया कमाई का प्रोफेशन अब हिमाचल के अर्थ तंत्र को रेजगारी बना चुका है।

कुछ अलग

ज्ञान का मौन

अक्सर जीवन के शुरुआती चरण में हम उत्तर इक_ा करते हैं : किताबों से, लोगों से, अनुभवों से। फिर एक दौर आता है जब हम उन उत्तरों को दिखाने लगते हैं। हमारे आसपास के लोगों को जब कोई समस्या पेश आती है, या हमें लगता है कि वो किसी समस्या से दरपेश हैं तो हम फटाफट ज्ञान देने लग जाते हैं। वो उत्तर जो हमने कहीं से पढ़े थे, सुने थे, सीखे थे, हम उन्हें दोहराने लग जाते हैं, जैसे वह हमारे ज्ञान की पहचान वही हो। सच तो यह है कि बहुत कम लोगों के जीवन में, वह मोड़ आता है जहां यह साफ दिखने लगता है कि जिन उत्तरों को हम पकड़े हुए थे, वे प्रश्नों से ज्यादा हमारे डर को ढकने का साधन थे। हमें लगता था कि वे हमारे ज्ञान का प्रमाण हैं। जब हम किसी को वह ज्ञान बांटते थे तो हम यह महसूस करते थे कि सामने वाला हमें ज्ञानी समझ रहा है। यह हमारा ज्ञान कम, हमारे अहंकार की तुष्टि अधिक थी। इसके विपरीत जब हम कहते हैं कि मुझे यह दिखाने की कोई आवश्यकता नहीं है कि मेरे पास हर सवाल का जवाब है, तो असल में हम प्रदर्शन से मुक्त हो रहे हैं, और जब हम यह भी देख लेते हैं कि मेरे पास असल में हर सवाल का जवाब है ही नहीं, तो यह खालीपन नहीं, बल्कि ईमानदारी है। यह वही जगह है जहां से वास्तविक विनम्रता जन्म लेती है।

भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में भूजल स्तर का तीव्र पतन भविष्य की जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है

वैश्विक मीठे जल संकटः उपलब्धता और पहुँच की दोहरी चुनौती

डॉ. प्रियंका सौरभ

आज विश्व जिस सबसे गंभीर संसाधन संकट का सामना कर रहा है, उनमें मीठे जल का संकट अत्यंत गहन और बहुआयामी है। पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत खारा है और केवल लगभग 3 प्रतिशत मीठा जल है, जिसमें से भी बहुत छोटा भाग ही मानव उपयोग के लिए सुलभ है। इसके बावजूद, आज विश्व की 2–3 अरब आबादी वर्ष के किसी न किसी समय जल संकट से जूझती है। यह संकट केवल जल की भौतिक कमी का नहीं, बल्कि जल की घटती उपलब्धता और समान व सुरक्षित पहुँच—दोनों का संयुक्त संकट है, जो पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयामों को एक साथ प्रभावित करता है। पिछले कुछ दशकों में मीठे जल की उपलब्धता में निरंतर गिरावट देखी गई है। इसका एक प्रमुख कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग की बढ़ती माँग ने जलभृतों पर असहनीय दबाव डाला है। हरित क्रांति के बाद सिंचाई के लिए ट्यूबवेल और बोरवेल पर बढ़ती निर्भरता ने प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता को पीछे छोड़ दिया है। भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में भूजल स्तर का तीव्र पतन भविष्य की जल सुरक्षा के लिए गंभीर चेतावनी है। कई क्षेत्रों में जलभृत स्थायी रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता और भी अनिश्चित हो गई है। जल स्रोतों का प्रदूषण मीठे जल संकट का दूसरा बड़ा कारण है। नदियों, झीलों और भूजल में बिना शोधन के छोड़ा गया घरेलू सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, भारी धातुएँ और कृषि रसायन जल को अनुपयोगी बना रहे हैं। विकासशील देशों में यह समस्या और भी गंभीर है, जहाँ शोधन अवसंरचना का अभाव है। परिणामस्वरूप, कई स्थानों पर जल उपलब्ध होते हुए भी पीने योग्य नहीं रह जाता, जिससे स्वास्थ्य संकट उत्पन्न होता है और जल की प्रभावी उपलब्धता घट जाती है। जलवायु परिवर्तन ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण हिमनदों का तीव्र पिघलना, वर्षा के पैटर्न में अनिश्चितता और सूखे-बाढ़ की बढ़ती आवृत्ति देखी जा रही है। हिमालय, आल्प्स और एंडीज़ जैसे क्षेत्रों में हिमनदों का सिकुड़ना दीर्घकाल में नदियों के प्रवाह को अस्थिर कर रहा है। अल्पकाल में यह बाढ़ का कारण बनता है, जबकि दीर्घकाल में स्थायी जल संकट को जन्म देता है। मानसूनी क्षेत्रों में अनियमित वर्षा ने जल भंडारण और कृषि योजना को भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। इसके साथ ही, आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक पुनर्भरण क्षेत्रों का तेजी से क्षरण हुआ है। शहरीकरण, अवैज्ञानिक भूमि उपयोग और रियल एस्टेट विकास ने झीलों, तालाबों, बाढ़ मैदानों और दलदलों को नष्ट कर दिया है। ये पारिस्थितिक तंत्र न केवल जल संग्रह और भूजल पुनर्भरण में सहायक होते हैं, बल्कि बाढ़ और सूखे के प्रभावों को भी संतुलित करते हैं। इनके विनाश से जल चक्र का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। जनसंख्या वृद्धि और उपभोग के बदलते पैटर्न ने भी मीठे जल पर दबाव बढ़ाया है। शहरी जीवनशैली, जल-गहन उद्योग और भोजन की बदलती आदतें—विशेषकर मांसाहारी आहार—ने प्रति व्यक्ति जल पदचिह्न को बढ़ाया है। परिणामस्वरूप, जल की माँग प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कहीं अधिक हो गई है। जहाँ एक ओर जल की उपलब्धता घट रही है, वहीं दूसरी ओर कई क्षेत्रों में जल उपलब्ध होते हुए भी लोगों की पहुँच उससे वंचित है। इसका प्रमुख कारण अपर्याप्त अवसंरचना है। कई देशों में जल संग्रहण, शोधन और वितरण की व्यवस्थाएँ कमजोर हैं। पुराने पाइपलाइन नेटवर्क, उच्च लीकेज और अपर्याप्त भंडारण के कारण बड़ी मात्रा में जल उपभोक्ताओं तक पहुँचने से पहले ही नष्ट हो जाता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में शहरी जल का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा वितरण के दौरान ही नष्ट हो जाता है। इसके अतिरिक्त, जल गुणवत्ता की समस्या भी पहुँच को सीमित करती है। जहाँ जल भौतिक रूप से उपलब्ध है, वहाँ भी प्रदूषण के कारण वह पीने योग्य नहीं रहता। दूषित जल से होने वाली बीमारियाँ आज भी कई देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य की बड़ी चुनौती हैं, जिससे गरीब और हाशियाकृत समुदाय सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। राजनीतिक और कानूनी बाधाएँ भी जल तक पहुँच को सीमित करती हैं। जल एक साझा संसाधन है, जिसके कारण अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय विवाद उत्पन्न होते हैं। नदियों के बँटवारे, संघीय ढाँचे में अधिकारों के टकराव और अंतरराष्ट्रीय नदी समझौतों की जटिलताओं के कारण कई बार जल-समृद्ध क्षेत्रों में भी समान पहुँच संभव नहीं हो पाती। सामाजिक असमानता इस संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। जल संकट का सबसे बड़ा बोझ समाज के कमजोर वर्गों—ग्रामीण गरीबों, शहरी झुग्गी बस्तियों, महिलाओं और बच्चों—पर पड़ता है। कई स्थानों पर सामाजिक भेदभाव, गरीबी और वहन क्षमता की कमी के कारण सुरक्षित जल तक समान पहुँच नहीं मिल पाती, जिससे असमानता और गहरी हो जाती है। कमजोर जल शासन भी समस्या को जटिल बनाता है। जल प्रबंधन से जुड़ी संस्थाओं में समन्वय की कमी, विश्वसनीय डेटा का अभाव और अल्पकालिक नीतियाँ दीर्घकालिक समाधान के मार्ग में बाधा बनती हैं। कई देशों में जल से जुड़े अधिकार और जिम्मेदारियाँ अनेक मंत्रालयों और एजेंसियों में बँटी होती हैं, जिससे एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण विकसित नहीं हो पाता। मौसमी असंतुलन भी जल पहुँच की समस्या को बढ़ाता है। मानसूनी क्षेत्रों में वर्षा कुछ महीनों तक अत्यधिक होती है, जबकि शेष वर्ष जल अभाव बना रहता है। अपर्याप्त भंडारण और प्रबंधन के कारण यह मौसमी जल स्थायी उपलब्धता में परिवर्तित नहीं हो पाता। चेन्नई और केप टाउन जैसे शहर इस विरोधाभास के प्रमुख उदाहरण हैं, जहाँ बाढ़ और सूखा एक ही वर्ष में देखने को मिलते हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें लगातार चेतावनी देती रही हैं कि मीठे जल का संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और वैश्विक शांति से भी गहराई से जुड़ा है। जल की कमी आज संघर्ष, प्रवासन और आजीविका संकट का एक उभरता कारण बन रही है। अंततः, मीठे जल का संकट मानवता के सामने खड़ी सबसे बड़ी साझा चुनौतियों में से एक है। यह स्पष्ट है कि यह समस्या केवल प्राकृतिक सीमाओं की नहीं, बल्कि मानव निर्मित नीतिगत और प्रबंधन विफलताओं की भी है। यदि समय रहते सतत जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, आर्द्रभूमि संरक्षण, समावेशी जल शासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दी जाए, तो इस संकट को अवसर में बदला जा सकता है। जल सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल पर्यावरण संरक्षण का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा से जुड़ा अनिवार्य दायित्व है।

पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत खारा है और केवल लगभग 3 प्रतिशत मीठा जल है, जिसमें से भी बहुत छोटा भाग ही मानव उपयोग के लिए सुलभ है। इसके बावजूद, आज विश्व की 2–3 अरब आबादी वर्ष के किसी न किसी समय जल संकट से जूझती है। यह संकट केवल जल की भौतिक कमी का नहीं, बल्कि जल की घटती उपलब्धता और समान व सुरक्षित पहुँच—दोनों का संयुक्त संकट है, जो पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक आयामों को एक साथ प्रभावित करता है। पिछले कुछ दशकों में मीठे जल की उपलब्धता में निरंतर गिरावट देखी गई है। इसका एक प्रमुख कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग की बढ़ती माँग ने जलभृतों पर असहनीय दबाव डाला है। हरित क्रांति के बाद सिंचाई के लिए ट्यूबवेल और बोरवेल पर बढ़ती निर्भरता ने प्राकृतिक पुनर्भरण की क्षमता को पीछे छोड़ दिया है।

देश दुनिया से

अभिभावकीय चेतना से निखरेगा बचपन

आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक युग में बच्चों का भविष्य केवल उनकी पढ़ाई तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उनके संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण का प्रश्न बन गया है। इस पूरी निर्माण-प्रक्रिया में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण, सबसे निर्णायक और सबसे संवेदनशील हो चुकी है। सच कहा जाए तो बच्चों का भविष्य किसी विद्यालय की इमारत में नहीं, बल्कि माता-पिता के व्यवहार, सोच और संस्कारों की गोद में आकार लेता है। मां-बाप बनना और बच्चे पैदा करना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, परंतु बच्चों के प्रति जिम्मेदारियों को निभाना एक बड़ा जीवन-दायित्व है। यह कोई एक दिन या एक चरण का कार्य नहीं, बल्कि आजीवन चलने वाली साधना है। बच्चे केवल हमारे नाम को आगे बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ईश्वर द्वारा सौंपी गई अमानत हैं, जिनकी सही परवरिश हमारा कर्तव्य भी है और परीक्षा भी। बच्चों की परवरिश का पहला आधार है, स्वस्थ घरेलू वातावरण। घर का माहौल शांत, प्रेमपूर्ण और सुरक्षित होगा तो बच्चे स्वतः ही मानसिक रूप से सुदृढ़ बनेंगे। बच्चों को मानसिक तनाव और पारिवारिक विवाद से बचाने हेतु घर में प्रेम, खुला संवाद और स्थिर वातावरण रखें। दिनचर्या संतुलित बनाएं, खेल-व्यायाम एवं अन्य रुचियों के परिमार्जन हेतु प्रोत्साहित करें, उनके सामने झगड़े से बचें, सुरक्षा का भरोसा दें। इसके साथ ही उचित खानपान और पौष्टिक आहार की व्यवस्था करना माता-पिता की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बच्चों को जंक फूड से दूर रखें। संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और पर्याप्त नींद बच्चों के समग्र विकास की नींव हैं। शारीरिक और मानसिक विकास के बाद आता है बौद्धिक विकास। इसके लिए केवल किताबें ही पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि घर में सकारात्मक चर्चा और स्वस्थ बहस का वातावरण भी उतना ही जरूरी है। जब बच्चे सवाल पूछते हैं, तर्क करते हैं या किसी विषय पर अपनी राय रखते हैं, तो उन्हें डांटने या चुप कराने के बजाय सुनना चाहिए। यही प्रक्रिया उनके सोचने-समझने की क्षमता को विकसित करती है और उन्हें जिज्ञासु, आत्मनिर्भर और रचनात्मक बनाती है। जब बच्चों को यह एहसास होता है कि उनकी भावनाओं की कद्र हो रही है, तब उनमें आत्मविश्वास पनपता है और वे खुलकर अपने मन की बात साझा करने लगते हैं। आज एकल परिवारों की बढ़ती संख्या के कारण बच्चों के पास खेलने-कूदने और संवाद के लिए साथी कम होते जा रहे हैं। ऐसे में माता-पिता की भूमिका और भी बढ़ जाती है। बच्चों को अच्छे संस्कार, नैतिक मूल्य और मर्यादित जीवन की शिक्षा देना अनिवार्य हो गया है। उनकी संगति, आवागमन और गतिविधियों पर सतर्क नजर रखना जरूरी है, ताकि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। मोबाइल फोन और इंटरनेट का बढ़ता दुरुपयोग भी आज एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हाल ही के कुछ घटनाक्रमों और गाजियाबाद में मोबाइल की लत से तनावग्रस्त तीन बहनों द्वारा की गई आत्महत्याओं के आलोक में हिमाचल सरकार द्वारा स्कूलों में 01 मार्च 2026 से मोबाइल लाने पर पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा जैसे कदम इस खतरे की ओर स्पष्ट संकेत देते हैं। बच्चों में दया, करुणा, सहयोग, सम्मान और राष्ट्रभक्ति जैसे गुणों का विकास केवल भाषणों से नहीं, बल्कि माता-पिता के आचरण से होता है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने घर में देखते हैं। यदि घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, संवाद की संस्कृति होती है और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई जाती है, तो वही संस्कार बच्चों में स्वतः उतरते हैं। यदि बच्चा पढ़ाई या किसी विशेष विषय में अपेक्षित सफलता नहीं पा रहा है, तो घबराने या उसे दोष देने की बजाय धैर्य रखना चाहिए। हर बच्चा अलग होता है, उसकी क्षमता और गति भी अलग होती है। ऐसे समय में माता-पिता का साथ, प्रोत्साहन और विश्वास ही बच्चे का सबसे बड़ा सहारा बनता है। 'तुम कर सकते हो' का भाव, यानी 'कैन डू' की भावना, बच्चों के भीतर आत्मविश्वास का बीज बोती है। मां बाप को चाहिए कि वे अपने बच्चों को संघर्ष करना, समस्याओं का सामना करना सिखाएं। बड़े-बुजुर्गों का आदर करना भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह संस्कार यदि बचपन में बच्चों को मिल जाए, तो आगे चलकर यही उनके चरित्र की पहचान बनता है। साथ ही बच्चों के साथ समय बिताना, उनसे खुलकर बात करना, उन्हें धर्मस्थलों और सांस्कृतिक स्थलों से जोडऩा भी उनके नैतिक विकास में सहायक होता है। आज हर माता-पिता यह चाहते हैं कि उनके बच्चे ऊंचे पदों पर पहुंचें, सम्मानजनक जीवन जिएं और आर्थिक रूप से सशक्त बनें। इसके लिए माता-पिता को भी त्याग करना पड़ता है, अपने समय, अपने आराम और कई बार अपनी इच्छाओं का। बच्चों की स्कूल-प्रगति पर नजर रखना, शिक्षकों से संवाद बनाए रखना और बच्चों के व्यवहार में आने वाले बदलावों को समय रहते समझना अत्यंत आवश्यक है। यह भी हमें याद रखना चाहिए कि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि हुनरमंद बनना है। आज सरकार भी कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दे रही है, ताकि बच्चे स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ सकें। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस युग में वही बच्चे आगे बढ़ेंगे, जो अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार सीखेंगे और निरंतर स्वयं को निखारते रहेंगे। अंततः, बच्चों की रुचि को पहचानना और उसी दिशा में उन्हें प्रोत्साहित करना माता-पिता का सबसे बड़ा योगदान हो सकता है। किसी विषय में कमजोरी को लेकर अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय, उसकी प्रतिभा को पहचानना और उसे संवारना ही सच्ची अभिभावकीय भूमिका है। क्योंकि जब बच्चे अपने भीतर विश्वास, संस्कार और कौशल लेकर आगे बढ़ते हैं, तभी वे न केवल अपना, बल्कि अपने माता-पिता और समाज का भविष्य भी उज्ज्वल बनाते हैं।

सच कहा जाए तो बच्चों का भविष्य किसी विद्यालय की इमारत में नहीं, बल्कि माता-पिता के व्यवहार, सोच और संस्कारों की गोद में आकार लेता है। मां-बाप बनना और बच्चे पैदा करना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, परंतु बच्चों के प्रति जिम्मेदारियों को निभाना एक बड़ा जीवन-दायित्व है। यह कोई एक दिन या एक चरण का कार्य नहीं, बल्कि आजीवन चलने वाली साधना है। बच्चे केवल हमारे नाम को आगे बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ईश्वर द्वारा सौंपी गई अमानत हैं, जिनकी सही परवरिश हमारा कर्तव्य भी है और परीक्षा भी। बच्चों की परवरिश का पहला आधार है, स्वस्थ घरेलू वातावरण। घर का माहौल शांत, प्रेमपूर्ण और सुरक्षित होगा तो बच्चे स्वतः ही मानसिक रूप से सुदृढ़ बनेंगे। बच्चों को मानसिक तनाव और पारिवारिक विवाद से बचाने हेतु घर में प्रेम, खुला संवाद और स्थिर वातावरण रखें।

आप का नज़रिया

एआई का महाकुंभ

अब यह समय और दौर 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' (एआई) का है। आगामी तीन सालों में एआई का विस्तार हजार गुना होगा और जिंदगी बिल्कुल बदल जाएगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन, प्रशासन और नीति-निर्माण, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान से लेकर आम आदमी और कर्मचारी तक एआई का दखल होगा और ये क्षेत्र एआई से ही संचालित होंगे। भारत एआई के बड़े और स्थापित देशों की रेस में शामिल नहीं है, लेकिन एआई की प्रतिभाएं देश में 33 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। करीब 69 फीसदी कंपनियां इस साल एआई में निवेश बढ़ाएंगी और 80 फीसदी कंपनियां इस नए हुनर को प्राथमिकता दे रही हैं। करीब 92 फीसदी कर्मचारी एआई का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। भारत में एआई के तीन आधिकारिक सूत्र घोषित किए गए हैं-लोग (पीपल), ग्रह (प्लैनेट), प्रगति (प्रोग्रेस)। यकीनन इनमें नैतिकता और मानवता का भाव अधिक है। लिहाजा राजधानी दिल्ली में एआई का जो पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन सजा है, उसका महत्व 'महाकुंभ' सरीखा है। इस महाकुंभ में 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 135 देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। 20 फरवरी तक 3250 से अधिक वक्ता बोलेंगे और करीब 500 सत्र आयोजित किए जाएंगे। किसी नई प्रौद्योगिकी पर विमर्श और चिंतन-मनन के लिए यह सर्वोच्च मंच है, लिहाजा 'महाकुंभ' जैसा महत्व है। सभी हिस्सेदार, भागीदार व्यक्ति या देश एआई के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे और एक पथ तय करेंगे कि एआई किस तरह मानवोपयोगी साबित हो सकती है। इतनी व्यापक चर्चा तब भी नहीं हुई, जब कम्प्यूटर हमारे बीच आया था और देश भय, खौफ में थे कि यह मानव का विकल्प साबित हो सकता है। ऐसा नहीं हुआ और आज कम्प्यूटर हमारे कामकाज का बुनियादी हथियार है। बहरहाल ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया (सोल), फ्रांस (पेरिस) के बाद एआई का यह शिखर सम्मेलन भारत की राजधानी दिल्ली में जारी है। करीब 3 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है। दरअसल बुनियादी चिंता एआई चिप्स, रोजगार और परिवर्तन के बाद की दुनिया को लेकर है। भारत में एआई को 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' से जोड़ा जा रहा है, क्योंकि इससे मुंह के कैंसर की 86 फीसदी तक सटीक पहचान हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में आईआईटी, मद्रास 100 से अधिक भारतीय बोलियों (अवधी, ब्रज, हरियाणवी) पर काम कर रहा है। मकसद है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली-भाषा में ही शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके। आईआईटी, रोपड़ ने एआई आधारित ऑटोमैटिक 'मौसम स्टेशन' तैयार किया है। इन्हें हजारों खेतों-गांवों में लगाया जा सकता है। करीब 15,000 रुपए की कीमत वाला यह उपकरण सिंचाई, फसल योजना और कीट-नियंत्रण आदि की सटीक सलाह देगा। बिहार और उप्र में इसका पायलट प्रोजेक्ट सफल रहा है। एआई के क्षेत्र में हमने 5 बड़े कदम उठाए हैं, जो निर्णायक साबित हो रहे हैं। सर्वम एआई, परम-2, ज्ञानी, सॉकेट और गान-ये पांच बड़े प्रयास किए गए हैं। इनके जरिए हमारी सभ्यता, संस्कृति, इतिहास के प्राचीन अतीत को भी खंगाला जा सकता है और हम देख भी सकते हैं। फिर भी अमरीका और चीन की तुलना में भारत में एआई अभी 'शिशु अवस्था' में है। इसकी उन्नत और विकसित चिप, जिसे जीपीयू कहते हैं, बेहद महंगी है। एक चिप की कीमत 30,000 डॉलर से अधिक बताई जाती है। बीती अक्तूबर तक भारत ने 38,000 से अधिक चिप्स तैनात की हैं। पिछले साल जिन डाटा केंद्रों में ये चिप्स लगाई गई हैं, उन्होंने ग्रिड से 1.4 गीगावाट बिजली चूस ली है। यह पीक मांग के दौरान राजधानी दिल्ली की एक चौथाई बिजली के बराबर है। 2030 तक ये केंद्र 8 गीगावाट बिजली खर्च कर सकते हैं, जो राजधानी के लोड से अधिक हो सकती है। क्या हमारे पास इतनी सरप्लस बिजली है। एक गीगावाट 1000 मेगावाट बिजली के बराबर होता है। अमरीका चिप्स के बाजार का बादशाह है। उसने चीन की गति को धीमा करके रखा है, लेकिन चीन थमा नहीं है। उसने 150 अरब डॉलर का निवेश चिप-निर्माण में कर रखा है। भारत अभी 2.80 करोड़ चिप्स ही बना पा रहा है।

आगामी तीन सालों में एआई का विस्तार हजार गुना होगा और जिंदगी बिल्कुल बदल जाएगी। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, परिवहन, प्रशासन और नीति-निर्माण, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान से लेकर आम आदमी और कर्मचारी तक एआई का दखल होगा और ये क्षेत्र एआई से ही संचालित होंगे। भारत एआई के बड़े और स्थापित देशों की रेस में शामिल नहीं है, लेकिन एआई की प्रतिभाएं देश में 33 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। करीब 69 फीसदी कंपनियां इस साल एआई में निवेश बढ़ाएंगी और 80 फीसदी कंपनियां इस नए हुनर को प्राथमिकता दे रही हैं। करीब 92 फीसदी कर्मचारी एआई का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। भारत में एआई के तीन आधिकारिक सूत्र घोषित किए गए हैं-लोग (पीपल), ग्रह (प्लैनेट), प्रगति (प्रोग्रेस)। यकीनन इनमें नैतिकता और मानवता का भाव अधिक है। लिहाजा राजधानी दिल्ली में एआई का जो पांच दिवसीय शिखर सम्मेलन सजा है, उसका महत्व 'महाकुंभ' सरीखा है। इस महाकुंभ में 100 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सीईओ, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 135 देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। 20 फरवरी तक 3250 से अधिक वक्ता बोलेंगे और करीब 500 सत्र आयोजित किए जाएंगे।

दृष्टि कोण

चन्दन वृक्ष की खोड़हर में काष्ठ रूप में विराजित टांगीनाथ बाबा

गुमला जिले के डुमरी प्रखंड अंतर्गत झारखण्ड व छतीसगढ़ की सीमावर्ती लुचुतपाट की पहाड़ी श्रृंखला में स्थित टांगीनाथ धाम झारखण्ड का एक अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक, पर्यटक और ऐतिहासिक स्थल है। इस स्थल पर भगवान शिव चन्दन वृक्ष की खोड़हर में काष्ठ रूप में विराजित, सदियों से पूजित हैं, लेकिन इसकी मुख्य विशेषताओं में जमीन से चार सौ मीटर ऊंची लुचुतपाट की पहाड़ी में विष्णु अवतार भगवान परशुराम का अस्त्र फरसा अर्थात टांगी का गड़ा होना है। जमीन के ऊपर इस फरसे की ऊंचाई लगभग 4-5 फीट दिखती है, लेकिन यह जमीन के अंदर कितना गहरा गड़ा है, यह आज भी अज्ञात है। मान्यता है कि त्रेतायुग में भगवान परशुराम ने त्रिशूल सदृश्य दिखाई देने वाले अपने प्रमुख अस्त्र परशु अर्थात फरसा को जमीन में गाड़कर यहीं पर घोर तपस्या की थी। स्थानीय भाषा में फरसा को टांगी कहे जाने के कारण झारखण्ड के इस स्थान का नाम टांगीनाथ पड़ा। यहां विराजित शिव को टांगीनाथ बाबा और इस स्थल को टांगीनाथ धाम के नाम से जाना जाता है। टांगीनाथ धाम में गड़ा हुआ फरसा एक अद्भुत लौह स्तंभ के रूप में सदियों से खुले आसमान के नीचे होने के बावजूद भी इसमें कभी जंग नहीं लगा है, जो आज भी एक रहस्य बना हुआ है। प्राचीन समय से ही यह शिव उपासना का केंद्र रहा है। यहां प्राचीन काल के सैकड़ों शिवलिंग और कलात्मक प्रतिमाएं इधर- उधर बिखरी हुई हैं। इसे भगवान शिव और शक्ति की साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। प्रमुख उत्सव के रूप में यहां महाशिवरात्रि और सावन के महीने में भव्य मेलों का आयोजन होता है, जिसमें झारखण्ड के अलावा बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा आदि पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। भक्तों का मानना है कि इस पवित्र स्थान के दर्शन मात्र से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और संकटों का नाश होता है। टांगीनाथ धाम की प्राचीन कथा मुख्य रूप से भगवान परशुराम के प्रायश्चित और भगवान शिव की भक्ति से जुड़ी है। इसके पीछे अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। परशुराम का क्रोध और

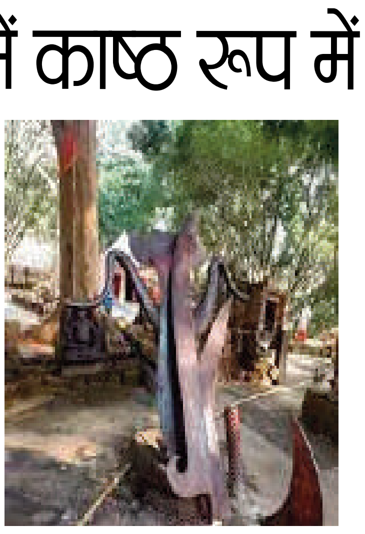

प्रायश्चित से संबंधित प्रचलित कथा के अनुसार जब भगवान श्रीराम ने राजा जनक के दरबार में शिव धनुष तोड़ा, तो परशुराम अत्यंत क्रोधित होकर वहां पहुंचे। लक्ष्मण से विवाद होने के बाद जब उन्हें ज्ञात हुआ कि राम स्वयं भगवान विष्णु के अवतार हैं, तो उन्हें अपनी भूल और क्रोध पर गहरी आत्मग्लानि हुई। प्रायश्चित करने के लिए वे डुमरी के इन पहाड़ों पर चले आए और अपना परशु (फरसा) जमीन में गाड़कर भगवान शिव की घोर तपस्या में लीन हो गए। एक स्थानीय लोककथा लोहार समुदाय और इस त्रिशूल के शाप से संबंधित है। कथा के अनुसार एक बार एक लोहार ने इस गड़े हुए फरसे को काटने की कोशिश की थी। प्रयास के दौरान उस व्यक्ति की अकाल मृत्यु हो गई। माना जाता है कि इसी घटना के कारण टांगीनाथ धाम के 12 किलोमीटर के दायरे में आज भी लोहार समुदाय के लोग निवास नहीं करते हैं। टांगीनाथ धाम की एक अन्य कथा शनि देव और शिव के प्रहार से संबंधित है। मान्यतानुसार महादेव ने एक बार शनि देव के किसी अपराध पर क्रोधित होकर उन पर अपना त्रिशूल (परशु) फेंका था। वह त्रिशूल इसी पहाड़ी पर आकर धंस गया, जिसका ऊपरी हिस्सा आज भी फरसे के रूप में दिखाई देता है। स्थानीय लोककथाओं के अनुसार भगवान शिव इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और एकांत से इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने यहीं निवास करने का निर्णय लिया। जब एक भक्त उनकी बातों को या उनके दिव्य रूप के रहस्य को जान लिया, तब महादेव उस रहस्य को सुरक्षित रखने और अपनी लीला को विराम देने के लिए समीप स्थित एक चन्दन के वृक्ष के खोखले भाग (खोड़हर) में विलीन, अंतर्ध्यान हो गये। टांगीनाथ धाम से संबंधित एक कथा मझगांव और स्वर्ण मृग की कहानी से भी जुडी हुई बताई जाती है। स्थानीय बैगा (पुजारी) परंपरा में कही जाने वाली इस कहानी के अनुसार टांगीनाथ बाबा ने एक बार स्वर्ण मृग का रूप धारण किया था। शिकारियों द्वारा पीछा किए जाने पर वे इस पहाड़ी पर अंतर्ध्यान हो गए और एक खेरवार (बैगा) समुदाय के भक्त की लगन से प्रसन्न होकर वहीं वास करने लगे। शिव जी ने उस भक्त की लगन से प्रसन्न होकर उसे वरदान दिया कि भविष्य में उसी के वंशज यहां पूजा-अर्चना करेंगे। यही कारण है कि यहां ब्राह्मणों के बजाय खेरवार समुदाय (बैगा आदिवासी पुजारी) के लोग पूजा संपन्न करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्त्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन–देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहें। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन–देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 फरवरी 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 02:40 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 08:08 तक
योग : साध्य सायं 06:22 तक
करण : गर दोपहर 02:40 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:19 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:40, सूर्यास्त 06:26 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:33, सूर्यास्त 06:18 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 06:11 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 08:09 से , भद्रा रात्रि 01:52 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शिक्षा, स्वास्थ्य और सफाई को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्तों के साथ मिलकर करें काम : नायब सैनी

चंडीगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत कबीर कुटीर निवास स्थान पर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिलों में सफाई, कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था, शिकायत निवारण सिस्टम को मजबूत करने और प्रशासनिक क्षमता में सुधार करनरे पर फोकस किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम के परियोजना निदेशक डॉ. यशपाल भी मौजूद रहे। सुशासन सहयोगियों ने मुख्यमंत्री को जिलों में जमीनी स्तर पर आने वाली मुख्य चुनौतियां और अपने–अपने जिलों में किए जा रहे नए तरीकों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने कचरा अलग–अलग करने, नालों की सफाई, सीवरेज दुरूस्त करने, मैनपावर की कमी और लोगों में जागरूकता की कमी से जुड़े मुद्दों पर बात की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग में शामिल हुए निगम आयुक्तों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अपने–अपने इलाकों में साफ सफाई के साथ कचरा प्रबंधन को मज़बूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नालों और सीवर लाइनों की नियमित रूप से सफाई करने और सीवरेज में आने वाली रुकावटों को तुरंत दूर करने तथा सफाई से जुड़े सभी लम्बित कामों को तेज़ी से पूरा करने की आवश्यकताओं पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम आयुक्त संबंधित ज़िलों में सीवरेज से जुड़ी सभी शिकायतों के लिए नोडल ऑफ़िसर के रूप में काम करेंगे और उन्हें जनस्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि उनका जल्दी समाधान किया जा सके। जनता या शिकायत पोर्टल से मिली किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए और समयबद्ध ढंग से शिकायतों का निवारण किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सफ़ाई और स्वच्छता पैरामीटर में औसत आधार पर कार्य कर रहे ज़िलों के निगम आयुक्तों के साथ वन–टू–वन बातचीत की और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुधार के उपाय करने और स्वच्छता पैमाने के साथ अपनी रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि ज़मीनी स्तर पर दिखने वाले ऐसे सुधारों के परिणाम भी दिखने चाहिए जिनका आंकलन किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक क्षमता के महत्व को दोहराते हुए अधिकारियों को कार्य के समय आने वाली रुकावटों से बचाव के लिए ज़िला स्तर पर पर्याप्त स्टाफ को सही ढंग से तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी फ़ाइल बिना वजह पेंडिंग नहीं रहनी चाहिए और सभी मामलों का आसान प्रक्रिया से तुरंत निपटाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की भागीदारी और व्यवहार में बदलाव को मज़बूत बनाने के लिए सूचना एवं जागरूकता गतिविधियों को तेज़ किया जाए। उन्होंने सुशासन सहयोगियों को कचरा हॉटस्पॉट स्थानों की पहचान करने और ऐसे इलाकों में स्वच्छता के स्लोगन और जागरूकता संदेश लिखने के साथ–साथ विशेष सफ़ाई अभियान चलाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने नशे की आदत से बचाव के लिए अहम कदम उठाते हुए हर ज़िला अस्पताल में 10 बेड का नशा मुक्ति (डी–एडिक्शन) वार्ड बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सुशासन सहयोगि इस पहल की प्रगति पर बारीकी से नज़र रखें और ज़मीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों की पहचान कर उनका समय पर क्रियान्वयन करने में मदद के लिए तथ्यों और सबूतों पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

उन्होंने कहा कि सुशासन सहयोगी विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य और सफ़ाई जैसे आवश्यक क्षेत्रों में उपायुक्तों के साथ मिलकर काम करें ताकि पॉलिसी को बेहतर ढंग से लागू कर सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके।

मीटिंग के दौरान सुशासन सहयोगियों ने ज़िले के हिसाब से प्रोग्रेस रिपोर्ट पेश की और चार हफ़्ते का लक्ष्य निर्धारित कर विस्तृत एक्शन प्लान बारे अवगत करवाया।

इसके अलावा उन्होंने सफ़ाई सेवाओं और नागरिक मुद्दों की स्थानीय स्तर पर मॉनिटरिंग के लिए वार्ड कमेटियों का गठन करने और उनके प्रशिक्षण में तेज़ी लाने का प्रस्ताव रखा। यह कमेटियाँ जन भागीदारी से शिकायतों की समय पर रिपोर्टिंग करने और ज़मीनी स्तर पर सफ़ाई करने वाले प्रयासों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी। बैठक में आयुक्त एवं सचिव, जनस्वास्थ्य मोहम्मद शाईन, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, महानिदेशक शहरी स्थानीय निकाय अशोक कुमार मीणा, महानिदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मकरंद पांडुरंग सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कांग्रेस विधायक दल ने बजट सत्र के लिए कसी कमर, भूपेंद्र हुड्डा की अध्यक्षता में बनी रणनीति

चंडीगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के आगामी बजट सत्र के लिए कांग्रेस विधायकों ने कमर कस ली है। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में आज कांग्रेस विधायक दल की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र भी मौजूद रहे। इसमें विधानसभा के बजट सत्र के दौरान उठाए जाने वाले तमाम मुद्दों पर विस्तार से तीन घंटे चर्चा कर रणनीति बनाई गई। बैठक के बाद हुड्डा ने पत्रकारों को बताया कि कांग्रेस विधानसभा में आम जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर बीजेपी सरकार से जवाब मांगेगी। कांग्रेस विधायक बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, फिरौती वसूली, नशा, पलायन, टोल वसूली, खेल व खिलाड़ी, धान घोटाला,परिवार पहचान पत्र, खाद के बढ़ते रेट, अमेरिका से ट्रेड डील, बुजुर्गों की पेंशन काटने, गरीबों के राशन कार्ड काटने, HPSC भर्तियों में धांधली, हरियाणा की नौकरियां बाहरियों को देने, किसानों के बकाया मुआवजे, जलभराव, एसवाईएल, चंडीगढ़, विपक्ष के विधायक पर दर्ज केस, अवैध माइनिंग, भ्रष्टाचार, प्रदेश की आर्थिक बदहाली और बढ़ती महंगाई, विभिन्न विभागो में हुए घोटालो समेत तमाम मुद्दों को उठाएंगे। कांग्रेस विधायकों ने स्थगन और ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिए हैं। अपने–अपने हलकों के लिए भी विधायकों ने तमाम प्रश्न लगाए हुए हैं। हुड्डा ने बताया कि 24 तारीख को कांग्रेस विधायक तमाम मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और मार्च निकालते हुए विधानसभा में जाएंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र ने बताया कि 25 तारीख को कांग्रेस के तमाम विधायक, वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता मनरेगा में बदलाव के खिलाफ विधानसभा घेराव करेंगे।

मनरेगा मुद्दे को लेकर 25 फरवरी को विधानसभा का घेराव करेगी हरियाणा कांग्रेस : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मौजूदा सरकार द्वारा मनरेगा में किए गए बदलाव को लेकर कांग्रेस काफी आक्रोशित नजर आ रही है। इसको लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर और प्रदेश स्तर पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी प्रकरण को लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अगवाई में कांग्रेस पार्टी 25 फरवरी 2026 को हरियाणा विधानसभा का धमाकेदार और अटल घेराव करेगी। जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह घेराव केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की भाजपा सरकार की उस कुटिल साजिश के खिलाफ है, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को समाप्त करने पर तुली हुई है। यह 'मनरेगा बचाओ संग्राम' का निर्णायक दौर है। राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश अनुसार इस विधानसभा घेराव प्रदर्शन में प्रदेश प्रभारी बी.के. हरिप्रसाद, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद कुमारी सैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा दीपेंद्र सिंह हुड्डा, सह–प्रभारी जितेंद्र बघेल, प्रफुल्ल गुड्ढे, सभी सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष एवं हजारों समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि भाजपा की जन–विरोधी नीतियों के खिलाफ आग़ाज़ होगा।

उन्होंने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि मनरेगा के नाम पर ग्रामीण श्रमिकों को ठगा जा रहा है – काम के नाम पर खाली पेट का आलम, भुगतान में महीनों की लंबी देरी, और राज्य सरकार की उदासीनता ने लाखों गरीब परिवारों को भुखमरी की कगार पर धकेल दिया है। केंद्र की यह साजिश मनरेगा को कमजोर करने की है, जो गरीबों, मजदूरों और किसानों के शोषण का अप्रत्यक्ष प्रमाण–पत्र है। भाजपा की गांव–विरोधी, गरीब–द्रोही और मजदूर–शत्रु मानसिकता अब बेनकाब हो चुकी है – वे लोकतंत्र को कुचलने और अमीरों की जेब भरने के लिए ग्रामीण भारत को तबाह करने पर उतारू हैं।

पूर्व विधायक हुडला और तहसीलदार के बीच तीखी झड़प, वेतन न मिलने पर धरने पर बैठे नेता

दौसा/मंडावर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में नौकरशाही और जनप्रतिनिधियों के बीच टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है। महुआ के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला और मंडावर तहसीलदार प्रकाश मीणा के बीच हुई गर्मागर्म बहस ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। वायरल वीडियो में पूर्व विधायक हुडला कड़े लहजे में अधिकारी को चेतावनी देते हुए कह रहे हैं, जो लूट मचा रखी है, मुंह से खाया है तो नाक से निकाल दूंगा।

विवाद की मुख्य जड़ मंडावर नगर पालिका के सफाई कर्मियों का पिछले चार महीनों से बकाया वेतन बताया जा रहा है। मंडावर नगर पालिका का अतिरिक्त प्रभार फिलहाल तहसीलदार प्रकाश मीणा के पास है। वेतन न मिलने से परेशान महिला सफाई कर्मियों ने भी मौके पर जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि पिछले चार महीनों से उनके घरों में चूल्हा जलना तक मुश्किल हो गया है।

पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला ने मौके पर ही नगर पालिका के सफाई ठेकेदार को बुलाने की मांग की थी। जब ठेकेदार मौके पर नहीं पहुँचा, तो हुडला आक्रोशित होकर जमीन पर ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दौसा विधायक और तहसीलदार के बीच का पुराना विवाद पहले से ही विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के पास लंबित है। एक के बाद एक सामने आ रहे इन मामलों ने प्रशासनिक शिष्टाचार और जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश में आगामी पंचायत और निकाय चुनावों से पहले इस तरह के टकराव राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

मानपुर और डीएचटी टीम ने अंतरराज्यीय तस्कर को दबोचा, 19 किलो से अधिक गांजा बरामद

दौसा/मानपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मानपुर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम दौसा ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है। मुखबिर की सूचना पर एनएच–21 के पास दबिश थानाधिकारी सतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस और डीएसटी टीम को देर रात्रि मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक तस्कर मादक पदार्थ की बड़ी खेप लेकर जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने एनएच–21 (लीखली मोड़) के पास घेराबंदी की। यहाँ से पुलिस ने गणेश शर्मा पुत्र पप्पीलाल शर्मा (निवासी लीखली) को डिटेन किया।

तलाशी के दौरान आरोपी के पास से तीन पिट्ठू बैग बरामद हुए। जब इन बैगों की जांच की गई, तो उनमें 19 किलो 118 ग्राम गांजा मिला। बरामद मादक पदार्थ की बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया है।इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में मानपुर पुलिस और डीएसटी के प्रभारी एएसआई प्रदीप राव, हेड कांस्टेबल लोकेश, राजेंद्र कुमार शर्मा, घनश्याम, बालकेश, विशम्भर दयाल, बलवीर, मुकेश और राकेश की विशेष भूमिका रही। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है कि वह यह खेप कहाँ से लाया था और जिले में किन–किन लोगों को इसकी सप्लाई करने वाला था।

डंपर के गुप्त केबिन से भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त बरामद, 5 तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर रेंज आईजी टीम की बड़ी कार्रवाई

पिण्डवाड़ा (सिरोही), 19 फरवरी (एजेंसियां)। जोधपुर रेंज महानिरीक्षक राजेश मीना के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रेंज स्पेशल टीम ने पिण्डवाड़ा थाना क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मंदसौर से डंपर में छुपाकर लाया जा रहा भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त जब्त किया है। इस मामले में तस्करी सिंडिकेट से जुड़े 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार किए जाने की सूचना है।

डंपर में बनाया गया था विशेष गुप्त केबिन तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए डंपर के भीतर एक विशेष गुप्त स्थान बना रखा था। यह खेप मध्य प्रदेश के मंदसौर से लाई जा रही थी। मुखबिर की सटीक सूचना पर जोधपुर रेंज आईजी की स्पेशल टीम और पिण्डवाड़ा थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त डंपर और एस्कॉर्ट कर रही एक स्विफ्ट कार को भी जब्त कर लिया है। यह पूरी कार्रवाई रेंज स्पेशल टीम के प्रभारी उप निरीक्षक देवा राम के नेतृत्व में की गई।

इस दौरान पिण्डवाड़ा थानाधिकारी महेंद्र सीरवी और उनकी टीम ने आर.एस.टी के साथ मिलकर जाल बिछाया और तस्करी के इस बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया।

पुलिस ने मौके से तस्करी में शामिल पांच लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पिण्डवाड़ा पुलिस द्वारा मौके पर डोडा पोस्त के वजन और जब्ती की कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना में आवेदनों के क्रम में हो बजट का आवंटन : हनुमान बेनीवाल

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमों व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने उद्योग विभाग की संसदीय स्थाई समिति की बैठक में भाग लिया ,बैठक में भारी उद्योग व एमएसएमई मंत्रालय के सचिवों तथा अधिकारियों ने आगामी सत्र में विभाग की अनुदान मांगो के संदर्भ में होने वाले विषयों पर समिति के समक्ष बात रखी । सांसद ने बैठक में कई प्रश्नों को उठाया ,उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा 30 लाख सफल पंजीकरण का लक्ष्य पूर्ण कर लेने का उल्लेख किया गया है, जबकि उपलब्ध जानकारी के अनुसार कुल मिलाकर 2 करोड़ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। ऐसी स्थिति में शेष आवेदनों के संबंध में मंत्रालय की भावी कार्ययोजना के ब्यौरे को लेकर सवाल पूछा वहीं सांसद ने कहा कि जब चालू वर्ष में इस योजना हेतु बजटीय आवंटन घटाकर 3,800 करोड़ कर दिया गया है जो यह दर्शाता कि मंत्रालय पारंपरिक कारीगरों के

सशक्तिकरण का दावा कर रहा है, जबकि दूसरी ओर अत्यधिक संख्या में प्राप्त आवेदनों के बावजूद केवल लक्षित पंजीकरण संख्या की प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित का रहा है ऐसे में सांसद ने इस विसंगति को कैसे स्पष्ट करते हुए सभी पात्र आवेदकों को चरणबद्ध अथवा अन्य किसी माध्यम से लाभान्वित करने हेतु ठोस कदम उठाने का सुझाव दिया वहीं एमएसएमई पर बोलते हुए कहा कि गत वर्ष लगाए गए उच्च टैरिफ के कारण क्षेत्र, विशेषकर निर्यात आधारित इकाइयाँ, गंभीर रूप से प्रभावित हुईं। ऐसी स्थिति में अपेक्षा थी कि कौशल विकास, विपणन प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण संबंधी योजनाओं के बजट में वृद्धि की जाएगी किन्तु चालू वर्ष में इन मदों के लिए आवंटन लगभग पूर्व वर्ष के समान (लगभग स्थिर) रखा गया है। तिरूपति में मंदिर प्रतिष्ठा में सम्मिलित हुए सांसद नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल गुरुवार शाम को आंध्रप्रदेश के तिरुपति में कल रात्रि में आंध्रप्रदेश राज्य के तिरुपति में श्री समस्त जाट समाज,ट्रस्ट द्वारा आयोजित त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर व वीर तेजाजी महाराज के मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए ,बेनीवाल का हवाई अड्डे से लेकर कार्यक्रम स्थल तक भव्य स्वागत हुआ,उन्होंने संबोधन में कहा कि यह गर्व की बात है कि प्रवासी राजस्थान के बंधुओं ने यहां आकर हमारी संस्कृति का परचम लहराया है ।

गर्मियों में पेयजल की कमी न हो इसके लिए उपाय करें : हरिता

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के.हरिता ने कहा कि गर्मियों में पेयजल की कमी न हो इसके लिए उपाय किये जाने चाहिए. उन्होंने गुरुवार को एकीकृत समाहरणालय भवन स्थित अपने कक्ष में गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति को लेकर मिशन भागीरथ, आरडब्ल्यूएस और इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलक्टर ने सुझाव दिया कि गर्मियों में पेयजल की समस्या से बचने के लिए शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए। सिरपुर यू, लिंगपुर और तिरयानी मंडलों के सुदूर आदिवासी गांवों में उचित जल आपूर्ति प्रदान करने के लिए पाइपलाइनों और पंप घरों की मरम्मत की जानी है और एक महीने के भीतर पूरा करने और उपयोग में लाने का आदेश दिया गया है। केरामेरी मंडल के धनुरा में डब्ल्यूपीटी प्वाइंट का निर्माण कार्य अप्रैल तक पूरा कर लोगों को साफ पानी उपलब्ध कराया जाए। यह पाइप ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के तत्वावधान में हर घर तक पानी पहुंचाने के कार्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि लाइन, ओवरहेड टैंक, हैण्डपम्प तथा बोरवेल उपलब्ध कराये जायें।

संबंधित अधिकारियों को सलाह दी जाती है कि वे लोगों को समय पर पीने का पानी उपलब्ध कराएं और किसी भी समस्या से बचने के लिए उपाय करें। इस बैठक में मिशन भागीरथ ग्रिड के ईई राकेश, आरडब्ल्यू ईई सिद्दीकी व अन्य शामिल हुए।

गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पिछड़े जिलों को और अधिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी : सुब्रमण्यम

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम ने कहा कि नीति आयोग के माध्यम से गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पिछड़े जिलों को अधिक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। गेट्स फाउंडेशन के सीईओ बिल गेट्स ने अन्य सचिवों के साथ गुरुवार को नई दिल्ली में नीति आयोग मुख्यालय से वस्तुतः नीति तारा योजना लॉन्च की। इस अवसर पर नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि संपूर्ण अभियान के तहत देश के 340 से अधिक जिलों में शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, महिला एवं बाल कल्याण, आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में महिलाओं के लिए रिवॉल्विंग फंड नीति आयोग द्वारा उठाया जाएगा. उन्होंने कहा कि स्कूलों में बुनियादी ढांचा, लड़कियों के लिए विशेष शौचालयों का निर्माण, आंगनबाड़ियों में सुविधाओं का निर्माण, पौष्टिक भोजन, सैम मॉम कार्यक्रमों का आयोजन, ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तपेदिक जैसी बीमारियों का उन्मूलन और कृषि क्षेत्र का विकास जैसे कार्यक्रम नीति आयोग द्वारा किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि गेट्स फाउंडेशन के साथ मिलकर और अधिक बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

जिला कलेक्टर के. हरिता ने जिला केंद्र में एकीकृत जिला समाहरणालय भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से भाग लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कदम उठाये जायेंगे।मुख्य योजना अधिकारी वासुदेव रेड्डी, जिला प्रबंधक गौतम राजू और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती मनाई गई

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुवार को वानकिडी मंडल के जेतवन बुद्ध विहार में छत्रपति महाराज की भव्य रूप से मनाई गई। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा, अंबेडकर संगम के नेताओं, जाति के बुजुर्गों और महिलाओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. इस कार्यक्रम में वानकिडी के सरपंच चुनारकर सतीश, भारतीय बौद्ध महासभा के जिला अध्यक्ष अशोक माहुलकर और समता सैनिक दल के जिला अध्यक्ष दुर्गम संदीप ने इस अवसर पर बात की और कहा कि बहुत से लोगों को छत्रपति के वास्तविक इतिहास को जानने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में अंबेडकर संघम के अध्यक्ष दुर्गम दुर्गाजी, महासचिव विजय, अरे संघम नेता तुमड़े महाराज, पटेल मनोहर, वार्ड सदस्य थुरसुबाई, नंदेव, जाबुरे गणेश, अंबेडकर संघम नेता, महिलाएं, समता सैनिक दल के सदस्यों ने भाग लिया।

गांवों के विकास में सरपंचों की भूमिका महत्वपूर्ण : कलेक्टर

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के.हरिता ने कहा कि गांवों के विकास में सरपंचों की भूमिका महत्वपूर्ण है। गुरुवार को जिले के खगज नगर शहर के अल्पसंख्यक कल्याण विद्यालय में पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आसिफाबाद, केरामेरी और तिरयानी मंडल के नए सरपंच शामिल हुए। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि गांवों के विकास में सरपंचों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें गांव के प्रथम नागरिक के रूप में यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि योग्य लोगों को सरकार द्वारा शुरू की गई कई कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच

मिले। उन्होंने कहा कि गांवों में सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटें लगवाने और हाउस टैक्स की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि चल रहे विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर विभिन्न विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि गर्मियों में पेयजल की समस्या न हो, इसके लिए कार्रवाई की जाये, गांवों में कल्याणकारी योजनाओं और पंचायत राज कानूनों को समझा जाये।

बाद में राजकीय डिग्री कॉलेज का दौरा किया और अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। संबंधित इंजीनियरिंग अधिकारियों से कार्य की प्रगति के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा कि कार्य में तेजी लायी जाये ताकि ग्रीष्म ऋतु में कार्य पूर्ण हो सके ताकि अगले शैक्षणिक वर्ष में इसका उपयोग किया जा सके। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अधिकारी बिक्षापति, मंडल पंचायत अधिकारी उमर हुसैन, हरि प्रसाद, रिसोर्स पर्सन, सरपंच, सरकारी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य, इंजीनियरिंग अधिकारी, संबंधित अधिकारी आदि ने भाग लिया।

स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन के लिए स्पोर्ट्स स्कूल के स्टूडेंट्स

कुमरामभीम/आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट हेडक्वार्टर के ट्राइबल आदर्श गर्ल्स स्पोर्ट्स स्कूल के स्टूडेंट्स और खिलाड़ी गुरुवार को एक स्पेशल गाड़ी से उच् कप-2025 स्टेट लेवल स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन के दूसरे एडिशन के लिए रवाना हुए, जिसे तेलंगाना स्टेट गवर्नमेंट ऑर्गनाइज़ कर रही है। कुल 42 स्टूडेंट्स एथलेटिक्स (9), हैंडबॉल (20), और खो-खो (13) में अपना टैलेंट दिखाएंगे। स्कूल प्रिंसिपल लिम्बा राव और फिजिकल एजुकेशन टीचर मीना रेड्डी ने कहा कि स्टूडेंट्स ने डिसिप्लिन के साथ ट्रेनिंग की है और कॉम्पिटिशन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उच् कप जैसे प्रेस्टीजियस प्लेटफॉर्म में हिस्सा लेना स्कूल के लिए गर्व की बात है।पिछले तीन सालों से स्पोर्ट्स स्कूल के स्टूडेंट्स एथलेटिक्स, हैंडबॉल और खो-खो स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन में गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम बढ़ा रहे हैं और इस बार भी, डिस्ट्रिक्ट ट्राइबल वेलफेयर डिपार्टमेंट की डिप्टी डायरेक्टर रमा देवी ने उम्मीद जताई कि यह सिलसिला जारी रहेगा। असिस्टेंट मेडिकल ऑफिसर उद्धव, ट्राइबल वेलफेयर डेवलपमेंट ऑफिसर शकुंतला, एडिशनल ट्राइबल डेवलपमेंट ऑफिसर चिरंजीवी, डिस्ट्रिक्ट यूथ एंड स्पोर्ट्स ऑफिसर अशफाक अहमद, ट्राइबल वेलफेयर स्पोर्ट्स ऑफिसर शेख, टीचर जंगू, दूसरे अधिकारियों, स्कूल स्टाफ और कोच विद्या सागर, अरविंद, तिरुमल ने स्टूडेंट्स को बधाई दी।

शिवानंद स्वामीजी ने शिव भक्तों को शिव दीक्षा दी

मदनूर, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव में स्थानीय जनता के सहयोग से महादेव मंदिर का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद इस पावन अवसर पर कुछ दिन पहिले को स्थानीय भक्तों ने बड़ी श्रद्धा के साथ लिंग स्थापना एवं कलशारोहण का भव्य समारोह आयोजित किया।

इस पावन अवसर पर अखंड शिवनाम सप्ताह अंतर्गत हर रोज शिव कीर्तन शिव जागरण के साथ गुरुवार के दिन तपोरत्न सदगुरु 108 शिवानंद शिवाचार्य स्वामीजी ने स्थानिक भक्तों को मंदिर परिसर में शिवदीक्षा दी व उन्हें भक्ति मार्ग पर चलने का आशीर्वचन दिया इस समय शिव भक्तों ने स्वामीजी के दर्शन किया।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ उठाना चाहिए : अशोक

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री को विश्वकर्मा योजना का लाभ उठाना चाहिए यह कहना है जिला उद्योग पदाधिकारी एम.अशोक का। जिला केन्द्र स्थित जिला उद्योग केन्द्र में आयोजित जागरूकता सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर जिला उद्योग केन्द्र के अधिकारी एम.एस. एम. ई. कौशल विकास, वित्तीय सहायता, टूल किट, प्रोत्साहन, डिजिटल और मार्केटिंग, समर्थन आदि पर विस्तार से बताया गया। पारंपरिक व्यवसायों के लोगों, मूर्तिकारों, छोटे और मध्यम उद्यमियों को योजना के लाभों के बारे में बताया गया।

उन्होंने कहा कि ऋण सुविधा उपलब्ध कराकर व्यवसाय विकास को बढ़ावा दिया जायेगा तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर आर्थिक विकास किया जाये। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के राज्य नेतृत्व राजेंद्र, डी. सी. प्रबंधक निखिल, सहायक प्रबंधक खलीक एवं अन्य उपस्थित थे।

भाजपा द्वारा तैईबाजार कीमतों में कमी करने की मांग को

मदनूर, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव संदीप को गुरुवार के दिन भाजपा के नेतृत्व में भाजपा कार्यक्रताओ ने एक अर्ज देते हुए बताया कि आने वाले 26, 27 वर्ष में मदनूर ग्राम पंचायत में तैबज़ार की कीमतों में कमी की मांग करते हुए एक याचिका सौंपी। किसानों, सब्जी दुकानदारों और व्यापारियों ने कहा कि तैबज़ार की ऊंची कीमतों के कारण वे मदनूर साप्ताहिक व हर रोज के बाजार में आने से व्यापारी हिचक रहे हैं। अधिक दाम से तईबाजार वसूल करने से मदनूर व्यापार स्वस्थान में कोही ग्राहक नहीं है उन्होंने कीमतों में कमी की मांग करते हुए बताया कि स्थानिक किसानों के साथ माल वाहन करने वाले ऑटो को तैयबाजार से दूर रखे इस समय पार्टी अध्यक्ष थेप्पा तुकाराम, सक्करला बाल किशन, नरेश, अजय तम्मेवर, यादव राव और अंजैया के साथ अन्य उपस्थित थे।

भूभारती के आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किया जाए : हरिता

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलक्टर के.हरिता ने कहा कि भूभारती में भूमि संबंधी प्राप्त आवेदनों का शीघ्रता से निस्तारण किया जाए। बुधवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिला अपर समाहर्ता (राजस्व) डेविड के साथ समाहरणालय भवन परिसर स्थित अनुभागों के पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की गयी. इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि तहसीलदार से प्राप्त पत्रावलियों की गहनता से जांच की जाए तथा भारती पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा पत्रावलियों को अस्वीकृत करने के कारणों को विस्तार से दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक प्रसारण में विभिन्न मुद्दों पर प्राप्त होने वाले आवेदनों की फील्ड स्तर पर निगरानी की जाये ताकि उनका त्वरित निराकरण किया जा सके तथा करुण्य नियुक्तियों के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये. उन्होंने कहा कि तालाबों, नहरों और विभिन्न विकास कार्यों के लिए अधिग्रहीत भूमि का त्वरित मुआवजा देने के लिए कदम उठाए जाएं और अदालती मामलों पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी का सालाना ब्रह्मोत्सव 28 फरवरी तक मनाया जायेगा

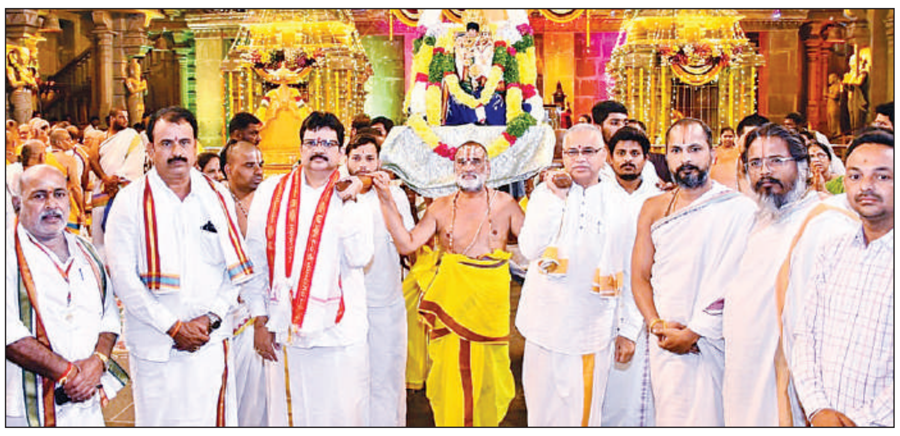

यदागिरिगुट्टा, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी का सालाना ब्रह्मोत्सव 18-02-2026 से 28-02-2026 तक बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। ब्रह्मोत्सव के हिस्से के तौर पर, आज, गुरुवार, 19-02-2026 को सुबह श्री पंचरत्रागम शास्त्र के अनुसार अग्नि प्रतिष्ठा, ध्वजारोहण और कार्यक्रम हुए। मंदिर के मुख्य पुजारियों, उप-पुजारियों, यज्ञाचार्यों, वेदपंडितों, अर्चकवृंदों और परायणिकाओं ने ये समारोह बड़े धूमधाम से किए। एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जे. भवानी शंकर (IAS), मंदिर के खानदानी ट्रस्टी बी. नरसिंह मूर्ति, श्री एम. हनुमंत राव, (IAS) यदाद्री भुवनगिरी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, डिप्टी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, सुपरवाइजर, कर्मचारी और भक्तों ने हिस्सा लिया और श्री स्वामी के दर्शन किए। *ध्वजारोहण की खासियत: ब्रह्मोत्सव के दौरान, श्री स्वामी का आशीर्वाद पाने के लिए, श्री स्वामी के मंदिर के झंडे पर गरुड़ को बनाया जाता है, उनकी पूजा की जाती है और मेलातालों के बीच सभी तरह के रीति-रिवाजों से सजाया जाता है। यह समारोह मंदिर में त्योहार की शुरुआत के संकेत के तौर पर होता है, जिसमें कहा जाता है कि भगवान का दिव्य शरीर वेद है और वैदिक रूप गरुड़मंथ है। यह समारोह सभी देवताओं से इस समारोह में शामिल होने और भगवान के आशीर्वाद से इसे करने का अनुरोध करने की प्रक्रिया है। बच्चे पैदा करने और भगवान का आशीर्वाद पाने के साधन के रूप में गरुड़ प्रसाद लेने वाले भक्त इसका सीधा सबूत हैं। *शाम के प्रोग्राम आज, शाम को, रोज़ाना की पूजा के बाद, श्री स्वामी मंदिर में हवन शुरू होगा। देवताओं का आह्वान और रस्में मंदिर के मुख्य पुजारी, उप-मुख्य पुजारी, यज्ञाचार्य, वेद, पुरातन ग्रुप और परायणिक करेंगे। इन रस्मों में मंदिर के अधिकारी, कर्मचारी और भक्त हिस्सा लेंगे। भेरी पूजा की खासियत : आवाज़ ब्रह्म है। भेरी का मतलब है परंपरा के अनुसार किसी वाद्य यंत्र से निकलने वाली आवाज़। यह रस्म अलग-अलग रागों की ताल के बीच मंत्र वाले श्लोक पढ़कर और भेरी बजाकर की जाएगी। यह रस्म इस विश्वास के साथ की जाती है कि जब तक तुरही की आवाज़ सुनाई देगी, सभी तरह की बीमारियाँ ठीक हो जाएँगी और सेहत और मन की खुशी मिलेगी। यह रस्म इस विश्वास के साथ की जाती है कि इस भेरी पूजा से भगवान खुश होंगे और आपको आशीर्वाद देंगे, जो दुनिया की भलाई का कारण है। देवताहवनम की खासियत* ब्रह्मोत्सव के दौरान करोड़ों भक्तों को आशीर्वाद देने वाले भगवान जिस तरह करोड़ों देवों को आशीर्वाद देते हैं, वह इस देवताहवनम में देखा जा सकता है। इस समारोह की खासियत यह है कि मंत्रों के ज़रिए 33 करोड़ देवताओं को बुलाया जाता है। हवनम की खासियत: ब्रह्म देवताओं को चढ़ाए जाने वाले हविष को उनसे जुड़े मंत्रों के साथ हवनम कहा जाता है। यह हवनम, जिससे दुनिया में शांति और दुनिया का भला होता है, खास तौर पर ब्रह्मोत्सव के दौरान त्योहार खत्म होने तक किया जाता है। फ्री मेडिकल कैंप: श्री स्वामी के ब्रह्मोत्सवम के हिस्से के तौर पर, मेडिकवर हॉस्पिटल्स, हाईटेक सिटी, हैदराबाद की तरफ से 18-02-2026 से 28-02-2026 तक पहाड़ी पर हेड ऑफिस में एक फ्री मेडिकल कैंप लगाया जाएगा।

कलेक्टर से ईरन्ना गुट्टा क्रशर की परमिशन कैंसिल करने की अपील

जनगमा, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। गांववालों ने गुरुवार को डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर शेख रिजवान बाशा को एक अर्जी दी, जिसमें जनगामा जिले के रघुनाथ पल्ली मंडल के कोमला गांव में मौजूद ईरन्ना गुट्टा क्रशर की परमिशन तुरंत कैंसल करने की मांग की गई। इस पर कलेक्टर ने डिस्ट्रिक्ट माइनिंग डिपार्टमेंट के विजय कुमार को फील्ड लेवल पर पूरी जांच करके रिपोर्ट देने का आदेश दिया। बाद में, कोमला गांव के सरपंच वल्ला अशोक और पूर्व सरपंच बोल्लापल्ली मंजुला मधुसूदन ने कहा कि क्रशर ऑपरेटरों ने साल 2023 में उस समय के तहसीलदार से गैर-कानूनी तरीके से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (छजउ) हासिल किया, जिसमें कोमला गांव की पिछली सरकार की जानकारी नहीं थी, कम से कम ग्राम सभा का कोई प्रस्ताव तो था नहीं। पेनपहाड़ स्कूल ने स्टूडेंट्स को टीचर बनाया बताया गया कि उस समय की सरपंच बोल्लापल्ली मंजुला, जो गवर्निंग बॉडी हैं, ने पिछले तहसीलदार द्वारा जारी 'NOC' की तारीख से पहले, 17 जून 2019 को ग्राम सभा में एक प्रस्ताव पास किया था कि गांव की सीमा के अंदर पोट्टी गुट्टा और एरन्ना गुट्टा में ग्रेनाइट खदान और क्रशर के संबंध में कोई खुदाई नहीं की जानी चाहिए। इसी तरह, उन्होंने मांग की कि क्रशर ऑपरेटरों को गैर-कानूनी तरीके से जारी NOC तुरंत रद्द की जाए और डिपार्टमेंटल जांच की जाए और पिछले तहसीलदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, जिन्होंने गांव की गवर्निंग बॉडी की जानकारी के बिना इसे जारी किया था। इस प्रोग्राम में गांव के डिप्टी सरपंच नर्रा अशोक, वार्ड मेंबर नीला संपत, वेलिशला लावण्या, बंदा माहेश्वरी, बंदी प्रेम कुमार, कोरिपेल्ली श्रीनिवास रेड्डी, बंदा प्रवीण तल्लापल्ली कुमारस्वामी, कन्नारापु प्रभाकर, बोल्लापल्ली अशोक, येल्लैया और अन्य लोग शामिल हुए।

मी सेवा आवेदनों की जांच की जानी चाहिए : डेविड

आसिफाबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) एम.डेविड गुरुवार को, मंडल गिरदावर और ग्राम प्रशासन अधिकारी जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में मी सेवा मोबाइल सत्यापन ऐप के प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर जिले के अपर समाहर्ता ने कहा कि मीसेवा के माध्यम से प्राप्त आय प्रमाण पत्र आवेदनों की गहनता से जांच की जाये. मी सेवा मोबाइल वेरिफिकेशन ऐप इस महीने की 25 तारीख से लागू हो जाएगा और सिस्टम में आने वाले बदलावों के हिसाब से तैयार हो जाएगा. उन्होंने कहा कि ग्राम प्रशासन के अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन ठीक से करें और शासन-प्रशासन में पारदर्शिता से कार्य करें।

मिशेल मार्श की गलती की सजा तो नहीं भुगत रही ऑस्ट्रेलियाई टीम

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। 2021 की विजेता आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा और टीम सुपर आठ तक भी नहीं पहुंच पायी। आस्ट्रेलियाई टीम के नाम सबसे अधिक 10 बार आईसीसी ट्राफी जीती हैं। उसने 6 एकदिवसीय विश्वकप के लिए 2 बार चैंपियंस ट्राफी, 1 बार टी20 वर्ल्ड कप और 1 बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप ट्राफी भी जीती है। इसके बाद भी उसकी खराब हालात के पीछे दो कारण हो सकते हैं। पहला ये कि पैट कमिंस, जोश हेजलववुड सहित कई स्टार खिलाड़ी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं दूसरे ये कि टीम को ट्राफी का अपमान भारी पड़ गया। साल 2023 एकदिवसीय विश्वकप खिताब जीतने के बाद उसके बल्लेबाज मिशेल मार्श ने आईसीसी ट्राफी पर पैर रखकर उसका अपमान किया था और माना जा रहा है कि उसके कारण ही टीम उसके बाद से ही अब तक कोई ट्राफी नहीं जीती है।

तब कमिंस की कप्तानी में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय टीम को हराकर आस्ट्रेलिया ने खिताब जीता था। इसके बाद से ही वह चार बार 2024 में टी20 विश्वकप, 2025 में चैंपियंस ट्राफी, 2025 में ही डब्ल्यूटीसी फाइनल और अब 2026 में एक बार फिर टी20 विश्वकप से बाहर हो गयी है। यहां तक की जिम्बाब्वे जैसी कमजोर टीम भी उससे हराने में सफल रही हे।

2023 एकदिवसीय विश्वकप कप खिताब जीतने के बाद आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी घमंड में भर गये थे। जीत की खुशी में मार्श इतने जुनूनी हो गये कि वह ट्राफी का सम्मान भी नहीं रख पाये। मार्श की एक तस्वीर भी उस समय सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थी, जिसमें उनके एक हाथ में बीयर की बोतल दिखाई दे रही थी, वहीं दोनों पैर ट्राफी के ऊपर रखे हुए थे।

नोर्त्जे बन सकते हैं टी20 विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज, मलिंगा का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे टी20 विश्वकप के अपने अगले मैच में सबसे अधिक 38 विकेट का श्रीलंकाई दिग्गज लसित मलिंगा रिकार्ड तोड़ सकते हैं। नोर्त्जे अभी 37 विकेट के साथ ही टी20 विश्वकप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। ऐसे में उनके पास 22 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले सुपर-8 मैच में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकार्ड बनाने का अवसर है। यूएई के खिलाफ मैच में दो विकेट हासिल करते ही वह टी20 विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस दौरान उन्होंने न्यूजीलैंड के दिग्गज टिम साउथी को पीछे छोड़ा। इस मुकाबले में नोर्त्जे ने जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। इससे उनके कुल विकेट 37 हो गये हैं। इसके साथ ही वह टिम साउथी के 36 विकेट के रिकार्ड से आगे निकल गये हैं। नोर्त्जे आम तौर पर बड़े टूर्नामैंटों में काफी सफल रहे हैं। उनकी गेंदबाजी की गति, उछाल और डेथ ओवरों में नियंत्रण उन्हें एक घातक गेंदबाज बनाता है। वहीं अब उनके निशाने पर श्रीलंका के महान लसिथ मलिंगा का रिकार्ड है। मलिंगा के नाम 38 विकेट दर्ज हैं। नोर्त्जे के पास अगले मैच में यह रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। मलिंगा अपनी सटीक यार्कर के लिए जाने जाते हैं और एक मैच विजेता गेंदबाज रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

यूईएफए चैंपियंस लीग प्लेआफः बोडो/ग्लिम्ट ने इंटर मिलान 3-1 से हराया

नई दिल्ली। यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के प्लेआफ मुकाबलों में नार्वे के छोटे क्लब बोडो/ग्लिम्ट ने बड़ा उलटफेर करते हुए बुधवार को पिछले वर्ष के उपविजेता इंटर मिलान को 3-1 से हरा दिया । इस जीत के साथ बोडो/ग्लिम्ट ने अगले सप्ताह मिलान में होने वाले दूसरे चरण से पहले दो गोल की अहम बढ़त हासिल कर ली है। घरेलू मैदान पर खेले गए मुकाबले में सोंड्रे फेट ने 20वें मिनट में कास्पर होग की बैकहील पास पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इंटर मिलान की ओर से फ्रांसेस्को पियो एस्पोसिटो ने हाफ टाइम से पहले बराबरी का गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ में बोडो/ग्लिम्ट ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। 61वें मिनट में होग ने जेन्स पेटर हाउगे के लिए गोल का मौका तैयार किया और फिर तीन मिनट बाद स्वयं भी गोल दाग दिया। इंटर मिलान, जो पिछले तीन सत्रों में दो बार फाइनल में पहुंचा था, अब अगले दौर में जगह बनाने के लिए कठिन चुनौती का सामना करेगा। एक अन्य मुकाबले में न्यूकैसल ने अजरबैजान के कराबाग को 6-1 से करारी शिकस्त दी। एंथनी गार्डन ने पहले हाफ में चार गोल दागे और 33 मिनट के भीतर हैट्रिक पूरी की। बाकू के तोफिक बाखरामोव स्टेडियम में खेले गए इस मैच में न्यूकैसल हाफ टाइम तक 5-0 से आगे था। मैलिक थियाव और जैकब मर्फी ने भी गोल किए, जबकि कराबाग की ओर से एल्विन जाफरगुलियेव ने एकमात्र गोल दागा। दूसरे चरण से पहले न्यूकैसल अंतिम-16 में पहुंचने की मजबूत स्थिति में है।

टी20 विश्व कप 2026: दुबे-चक्रवर्ती चमके, भारत ने नीदरलैंड्स को 17 रन से हराया

अहमदाबाद। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया का विजयी अभियान जारी है। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने नीदरलैंड्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की और अजेय रहने का सिलसिला कायम रखा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 193/6 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 34 रन बनाए, जबकि ने उपयोगी 31 रन जोड़े। हार्दिक पांड्या ने भी 30 रनों का योगदान दिया, लेकिन असली तूफान शिवम दुबे के बल्ले से आया। दुबे ने 31 गेंदों में 66 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे। 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की शुरुआत धीमी रही। शुरुआती 8 ओवरों में रनगति लगभग 6 रही। इसके बाद कालिन एकरमैन और बास डी लीडे ने 49 रनों की तेज साझेदारी कर मैच में जान फूंकी। एकरमैन ने 23 और डी लीडे ने 33 रन बनाए। 15.5 ओवर में स्कोर 125/6 होने के बाद मुकाबला भारत की ओर झुक गया।

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग-2 के क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

रियाद। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के क्लब अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग-2 फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अल नासर ने तुर्कमेनिस्तान के क्लब आर्कादाग को 1-0 से हराकर दो मुकाबलों के कुल योग में 2-0 से जीत दर्ज की। 41 वर्षीय रोनाल्डो इस मुकाबले में टीम का हिस्सा नहीं थे और स्टैंड्स से मैच देखते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें सऊदी प्रो लीग और एएफसी चैंपियंस लीग-2 के आगामी अहम मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए आराम दिया गया है। दिसंबर 2022 में रियाद स्थित अल नासर से जुड़ने के बाद वह अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीत पाए हैं। क्वार्टरफाइनल में अल नासर का सामना संयुक्त अरब अमीरात के क्लब अल वस्ल से होगा। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 3 मार्च को खेला जाएगा। वहीं, शीर्ष स्तरीय एएफसी चैंपियंस लीग एलीट टूर्नामेंट में पूर्वी क्षेत्र से जापान के तीन और दक्षिण कोरिया के दो क्लब अंतिम-16 चरण में पहुंचे हैं। मलेशिया का जोहोर दारुल ताज़िम और थाईलैंड का बुरिराम यूनाइटेड भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे, जबकि आस्ट्रेलिया का मेलबर्न सिटी 2016 के बाद अंतिम-16 में जगह बनाने वाली दूसरी आस्ट्रेलियाई टीम बना।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

जिम्बाब्वे ने किया श्रीलंका का शिकार

कोलंबो, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के बीच टी20 वर्ल्ड कप का मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले को जिम्बाब्वे की टीम ने अपने नाम कर लिया। जिम्बाब्वे ने इस जीत के साथ ही टूर्नामेंट का दूसरा बड़ा उलटफेर किया है। उनकी टीम ने ग्रुप में टॉप पर फिनिश किया और श्रीलंका के अलावा ऑस्ट्रेलिया जैसे मजबूत टीम को भी रौंदा। जिम्बाब्वे के लिए यह किसी ड्रीम वर्ल्ड कप से कम नहीं रहा है। उन्होंने हर किसी को हैरान करते हुए सुपर 8 में अपनी जगह बनाई और एक मजबूत टीम के तौर पर खुद को साबित किया है। जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को इस मुकाबले में 6 विकेट से रौंदा है।

कैसा रहा मैच का हाल

जिम्बाब्वे के स्पिनरों के खिलाफ धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई लेकिन टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में मेजबान टीम ने सात विकेट पर 178 रन बनाये। पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही । सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई ।

जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा , क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने।

इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाए और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने। जिसके कारण उनकी टीम इस स्कोर तक पहुंच सकी।

जिम्बाब्वे ने किया बड़ा उलटफेर

श्रीलंका ने जिम्बाब्वे को इस मुकाबले में जीत के लिए 179 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में ब्रायन बेनेट (63) और कप्तान सिकंदर रजा (45) की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

जिम्बाब्वे को अपना अगला मुकाबला सुपर 8 राउंड में वेस्टइंडीज, भारत और साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलना है। इस मैच में मिली जीत के लिए कारण उनका मनोबल काफी ऊंचा होगा। ऐसे में जिम्बाब्वे को कोई भी टीम हलके में लेने की भूल नहीं करेगी।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

अफगानिस्तान ने कनाडा को हराया

चेन्नई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने आखिरी मुकाबले में अफगानिस्तान की टीम ने कनाडा को 82 रन से हराकर टूर्नामेंट का अंत शानदार अंदाज में किया। इस टूर्नामेंट से पहले ही दोनों टीमें बाहर हो चुकी थीं और ये मैच मात्र औपचारिकता था। इस मैच में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 4 खोकर 200 रन बनाए थे। जवाब में कनाडा की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 118 ही रन बना पाई।

अफगानिस्तान की टीम ने कनाडा के बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका ही नहीं दिया। खासकर मोहम्मद नबी ने कमाल की गेंदबाजी की और 4 ओवर में 7 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वहीं दो विकेट कप्तान राशिद खान ने लिए। कनाडा के लिए हर्ष ठाकेर ने 30 रन बनाए। वहीं 28 रन साद बिन जफर ने बनाए।

अफगानिस्तान ने इब्राहिम जदरान (नाबाद 95 रन, 56 गेंद) की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत बृहस्पतिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के औपचारिक ग्रुप डी मैच में कनाडा के खिलाफ चार विकेट पर 200 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। दोनों टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं लेकिन जीत के साथ घर लौटना चाहती हैं। पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगानिस्तान ने शानदार प्रदर्शन किया। उसके लिए जदरान के अलावा सेदिकुल्लाह अटल ने 44 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने 30 रन का योगदान दिया।

जदरान को एक जीवनदान मिला जिसके बाद उन्होंने कनाडा के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए अपनी पारी में सात चौके और पांच छक्के लगाए। गुरबाज ने संभलकर शुरुआत की, लेकिन दूसरे ओवर में विकेटकीपर श्रेयस मोवा ने तेज गेंदबाज डिलन हेलिगर की गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया। गुरबाज ने पिच को समझने के बाद शानदार शॉट्स खेले, लेकिन छठे ओवर में जसकरण ने उन्हें डीप प्वाइंट पर कैच कराकर पवेलियन भेज दिया।

डब्लयूटीए टेनिस चैम्पियनशिप

दूबई में डब्लयूटीए टेनिस चैम्पियनशिप में बेल्जियम की एलीसी मार्टिन पर जीत के बाद उत्साहित अमेरिका की कोको गाफ।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 के लिए सीपी प्लस को बनाया नया टाइटल स्पॉन्सर

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

पिछले सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंची पंजाब किंग्स फ्रेंचाइज़ी अब इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में नए जोश और महत्वाकांक्षा के साथ उतरने जा रही है। टीम ने वैश्विक सुरक्षा और निगरानी ब्रांड सीपी प्लस के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत सीपी प्लस आईपीएल 2026 के लिए पंजाब किंग्स का टाइटल स्पान्सर बनेगा, जिससे टीम की ब्रांड पहचान और व्यावसायिक दायरा और मजबूत होगा। विश्वास, सुरक्षा और तकनीक के बढ़ते महत्व के दौर में यह साझेदारी भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को दर्शाती है। दोनों ब्रांड प्रदर्शन, विश्वसनीयता और नवाचार के मूल्यों से जुड़े हैं और देशभर के दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव रखते हैं। सीपी प्लस वीडियो निगरानी, बायोमेट्रिक एक्सेस कंट्रोल, होम आटोमेशन और एंटरप्राइज सुरक्षा प्रणालियों सहित उन्नत समाधानों की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। नवाचार और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के चलते यह ब्रांड घरों, व्यवसायों और सार्वजनिक अवसंरचना में सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए जाना जाता है।

इस साझेदारी के तहत पंजाब किंग्स और सीपी प्लस पूरे सत्र में डिजिटल अभियानों, मैदान पर विशेष गतिविधियों और प्रशंसक-केंद्रित पहलों की शुरुआत करेंगे। साथ ही स्टेडियम और डिजिटल प्लेटफार्म पर तकनीक आधारित इंटीग्रेशन के माध्यम से मैच अनुभव को और अधिक रोचक व इंटरैक्टिव बनाने की योजना है। सीपी प्लस के प्रबंध निदेशक आदित्य खेमका ने कहा कि क्रिकेट देश को जोड़ने वाला खेल है और पंजाब किंग्स के साथ यह साझेदारी उनके लिए विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि उच्च प्रदर्शन वाले खेल और उनकी कंपनी की कार्यशैली में अनुशासन, सटीकता और दबाव में निरंतर प्रदर्शन जैसी समानताएं हैं।

पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश मेनन ने इस साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि यह साझा दृष्टिकोण पर आधारित है और दोनों ब्रांडों के लिए मूल्य सृजित करेगी। वहीं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सौरभ अरोड़ा ने कहा कि सीपी प्लस एक भरोसेमंद ब्रांड है, जो आईपीएल दर्शकों से स्वाभाविक रूप से जुड़ता है।

जम्मू कश्मीर के आकिब ने रणजी में धमाकेदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया के लिए दावेदारी पेश की

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने रणजी ट्राफी में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की है। आकिब ने बंगाल के खिलाफ सेमीफाइनल में पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। उन्होंने इस घरेलू सत्र में अब तक 9 मैचों में रिकार्ड 55 विकेट लिए हैं। ये पूरे देश के लाल-गेंद क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट हैं। ये लगातार दूसरा रणजी सत्र है जब आकिब ने 40 से ज्यादा विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी को साबित किया है।

यहां तक कि बंगाल के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी उनसे पिछड़ गये। जिस प्रकार से उन्होंने प्रदर्शन किया है। उससे अब चयन समिति पर तंज कसा जाने लगा है कि शमी की वापसी नहीं करना चाहते तो नबी को ही नये गेंदबाज के तौर पर टीम में अवसर दे दें। शमी की घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी राष्ट्रीय टीम में वापसी नहीं होती देखते हुए प्रशंसकों ने ये बात कही है। रणजी ट्राफी के सेमीफाइनल में जहां शमी ने 8 विकेट लिए, वहीं नबी ने कुल 9 विकेट लेने के साथ ही नौवें नंबर पर 42 रन बनाकर साबित किया है कि वह जरुरत पड़ने पर रन भी बना सकते हैं। आकिब ने इस सत्र में अब तक कुल 55 विकेट लिए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 12.72 रहा है। उन्होंने सत्र में छह बार पांच विकेट लिए हैं। आकिब नबी ने इस सीजन में जम्मू-कश्मीर के ही पूर्व भारतीय क्रिकेटर परवेज रसूल का एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट का रिकार्ड तोड़ा है। ; दलीप ट्राफी में उन्होंने 4 गेंदों में 4 विकेट लेकर लिए हैं। उनकी स्विंग को खेलना बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा है। इसी कारण उन्हें आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा था। वहीं अब देखना है कि चयनकर्ता कब इस गेंदबाज को टीम इंडिया में जगह देते हैं।

अभय प्रशाल में राज्य मास्टर्स टेबल टेनिस स्पर्धा 21 फरवरी से

इंदौर। मध्य प्रदेश वेटरन्स टेबल टेनिस कमेटी द्वारा किशन चंद मेघनानी स्मृति राज्य मास्टर्स टेबल टेनिस स्पर्धा का भव्य आयोजन 21 फरवरी से स्थानीय अभय प्रशाल में किया जा रहा है। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रदेश के 15 से अधिक जिलों के लगभग 150 दिग्गज खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। समिति के सचिव गौरव पटेल ने बताया कि स्पर्धा में आयु वर्ग के आधार पर कड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे। पुरुष वर्ग में 40, 45, 50, 55, 60, 65 और 70 वर्ष से अधिक की श्रेणियों में एकल, युगल और मिश्रित युगल मैच खेले जाएंगे। वहीं, महिला वर्ग में 40 वर्ष से अधिक आयु की एकल स्पर्धा आयोजित की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए यह प्रतियोगिता कुल 9 टेबलों पर आयोजित की जा रही है। खेल प्रेमियों के लिए पूरी स्पर्धा का सीधा प्रसारण स्पोर्टवोट प्लेटफार्म पर उपलब्ध रहेगा। अनुभवी निर्णायकों का दल संभालेगा कमान प्रतियोगिता की निष्पक्षता और सुचारू संचालन के लिए अंतरराष्ट्रीय निर्णायक रामचंद्र मौर्य को मुख्य निर्णायक और नवीन सोनी को उप-मुख्य निर्णायक नियुक्त किया गया है। इनके नेतृत्व में 12 अनुभवी निर्णायकों का दल मैचों का संचालन करेगा। इस राज्य स्तरीय स्पर्धा में प्रदेश के कई पूर्व राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी हिस्सा ले रहे हैं, जिससे मुकाबलों के अत्यंत रोमांचक होने की संभावना है।

चिप कंपनी क्वालकाम भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डालर निवेश करेगी

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दिग्गज अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकाम ने सभी प्रकार के भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डालर निवेश करने का ऐलान कर दिया है। क्वालकाम कंपनी ने कहा कि इसके जरिए उनकी कोशिश भारत में बढ़ती टेक्नोलाजी और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इसमें प्रमुख फोकस आटोमौटिव के लिए एआई, आईओटी, रोबोटिक्स और मोबाइल टेक्नोलाजी पर होगा। क्वालकाम के प्रेसिडेंट और सीईओ क्रिस्टियानो एमोन ने कहा, क्वालकाम अपने नए स्ट्रेटेजिक एआई वेंचर फंड के माध्यम से उन कंपनियों में निवेश कर रहा है जो भारत में एआई के अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही हैं। अमोन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां इंटेलिजेंस सीधे उन उपकरणों और प्रणालियों में अंतर्निहित होगी जिन पर लोग प्रतिदिन निर्भर रहते हैं, चाहे वे स्मार्टफोन और पीसी, कारें, औद्योगिक मशीनें और रोबोट आदि हों। इससे अधिक समृद्ध और सार्थक अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव संपूर्ण उद्योगों को नया रूप देगा।

अमोन ने कहा कि भारत में सभी क्षेत्रों में एआई इनोवेशन को बढ़ावा देने में स्टार्टअप इकोसिस्टम की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी ने बताया कि यह वेंचर फंड भारत के तकनीकी परिदृश्य के प्रति क्वालकाम की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता रेखांकित करता है और यह वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक एआई को आगे बढ़ाने में कंपनी के नेतृत्व के अनुरूप है।

दरअसल क्वालकाम का लक्ष्य उभरती कंपनियों को परिवर्तनकारी, बाजार में अग्रणी समाधान विकसित करने में मदद करना है, इसके लिए वह संस्थापकों को अपनी गहन तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक उद्योग नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करके नवाचार को गति प्रदान करती है। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि क्वालकाम 2007 से भारत के स्टार्टअप समुदाय में निवेश कर रहा है और उसने मैपमाईइंडिया (डिजिटल मानचित्र और नेविगेशन समाधान प्रदाता), आइडियाफोर्ज (ड्रोन प्रौद्योगिकी में अग्रणी) आदि जैसी 40 से अधिक कंपनियों का समर्थन किया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत बना ग्लोबल साउथ के एआई विस्तार का केंद्रए निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और कौशल विकास पर दिग्गज कंपनियों का फोकस

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट समिट के तीसरे दिन भारत ने खुद को वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के केंद्र में स्थापित करने की दिशा में मजबूत संदेश दिया। वैश्विक टेक कंपनियों ने निवेश, सीमापार कनेक्टिविटी और क्षमता निर्माण से जुड़ी बड़ी घोषणाएं कीं, जिनका फोकस ग्लोबल साउथ रहा। सबसे बड़ी घोषणा माइक्रोसाफ्ट की ओर से आई। कंपनी के वाइस चेयरमैन और अध्यक्ष ब्रेड स्मिथ ने कहा कि माइक्रोसाफ्ट इस दशक के अंत तक ग्लोबल साउथ में एआई बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण के लिए 50 अरब डालर निवेश की राह पर है। उन्होंने बताया कि सीईओ सत्य नडेला पहले ही भारत में 17 अरब डालर निवेश की घोषणा कर चुके हैं। स्मिथ ने डेटा सेंटर, कनेक्टिविटी और बिजली ढांचे को प्राथमिकता देने की बात कही। इसी क्रम में गूगल ने भारत-अमेरिका कनेक्ट पहल की घोषणा की। इसके तहत नया सब-सी केबल मार्ग अमेरिका, भारत और दक्षिणी गोलार्ध के क्षेत्रों के बीच एआई कनेक्टिविटी मजबूत करेगा। गूगल के सीईओ सुंदर पिचई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कौशल विकास पर जोर दिया। कंपनी ने एआई फंक्शन सर्टिफिकेट प्रोग्राम शुरू करने तथा वाधवानी एआई के साथ छात्रों तक पहुंच बढ़ाने की घोषणा की।

इनफिनिक्स नई नोट 60 सीरीज लान्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में इनफिनिक्स नई नोट 60 सीरीज लान्च करने की तैयारी में है। सीरीज के टाप माडल इनफिनिक्स नोट 60 अल्ट्रा को भारत की कार्लकेयर सर्विस साइट, गीकबेंच और टीयूवी सर्टिफिकेशन पर देखा गया, जिससे इसके फीचर्स लगभग कंफर्म हो गए हैं। गीकबेंच पर दिखे माडल नंबर एक्स 6877 ने 1,665 का सिंगल-कोर और 6,821 का मल्टी-कोर स्कोर हासिल किया है। लिस्टिंग के मुताबिक, इसमें आक्टा-कोर प्रोसेसर होगा 3.25जीएचझेड का एक कोर, 3.00जीएचझेड के तीन कोर और 2.10जीएचझेड के चार कोर। सोर्स कोड के अनुसार, इसमें माली-जी720 एमसी7 जीपीयू दिया जाएगा। अनुमान है कि यह चिपसेट मीडियाटेक डायमेंसिटी 8400 हो सकता है। डिवाइस एंड्राएड 16 पर एक्सओएस 16.2.0 के साथ चलता दिखा है और 12जीबी रैम वेरिएंट की पुष्टि भी हुई है। टीयूवी सर्टिफिकेशन में नोट 60 अल्ट्रा के लिए 6,840 एमएएच की बड़ी बैटरी का खुलासा हुआ है, जो नोट 60 और नोट 60 प्रो से ज्यादा क्षमता वाली होगी। कार्लकेयर साइट पहले ही इसके 12जीबी प्लस 256जीबी और 12जीबी प्लस 512जीबी स्टोरेज वेरिएंट की जानकारी दे चुकी है। सीरीज के दूसरे माडल, इनफिनिक्स नोट 60 प्रो के रेंडर कुछ दिन पहले सामने आए थे, जिनमें बड़े एज-टू-एज कैमरा प्लेटफार्म में ट्रिपल-कैमरा सेटअप और रियर मैट्रिक्स डिस्प्ले देखा गया था। यह डिस्प्ले मिनी-एलईडीएस से बना है, जो समय और मौसम जैसी जानकारी दिखा सकता है। इनफिनिक्स नोट 60 प्रो एक मिड-रेंज फोन होगा, जिसमें स्नैपड्रेगन 7एस जेन 4 प्रोसेसर दिया जाएगा यही चिपसेट हाल ही में लान्च हुए रेडमी नोट 14 प्रो प्लस में भी है। कैमरा सेटअप में 50 एमपी नाइट मास्टर सेंसर की पुष्टि हुई है।

विमान हादसों के बाद कटघरे में वीएसआर वेंचर्स, यूरोपीय सुरक्षा एजेंसी निलंबित कर चुकी है कंपनी का टीसीओ

नई दिल्ली । बारामती एयरस्ट्रिप के पास हुए घातक विमान हादसे के बाद विमानन कंपनी वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। इस हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। अब उनके छोटे बेटे जय पवार ने दुर्घटना के पीछे संभावित गंभीर चूक की गहन जांच की मांग की है और कंपनी पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की है। जय पवार ने कहा कि किसी भी विमान का ब्लैक बाक्स आसानी से नष्ट नहीं होता, इसलिए इसकी स्थिति और डेटा की जांच बेहद जरूरी है। उन्होंने इस पूरे मामले में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। सुरक्षा जांच में घेरे में वीएसआर वेंचर्स दरअसल, वीएसआर वेंचर्स पहले भी सुरक्षा जांच के घेरे में आ चुकी है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के अनुसार, 14 सितंबर 2023 को वीएसआर वेंचर्स द्वारा संचालित एक लीयरजेट 45 विमान मुंबई एयरपोर्ट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

चार नई इलेक्ट्रिक एसयूवी जल्द होगी लान्च

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)।

अगले कुछ हफ्तों में मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और टोयोटा जैसी बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां चार नई इलेक्ट्रिक एसयूवी लान्च करने जा रही हैं। सभी माडलों की लान्च डेट तय हो चुकी है और इनमें नए डिजाइन, स्मार्ट फीचर्स और बेहतर रेंज मिलने की उम्मीद है। ईवी की लोकप्रियता को देखते हुए कंपनियां ऐसी इलेक्ट्रिक कारें पेश कर रही हैं, जो पेट्रोल-डीजल के मुकाबले ज्यादा किफायती और पर्यावरण के अनुकूल हों। इन्हीं में से एक है टाटा की पंच ईवी, जिसे दो साल पहले पेश किया गया था और अब इसे अपडेटेड लुक में 20 फरवरी से बिक्री के लिए उतारा जा रहा है।

नया माडल पहले से ज्यादा माडर्न और स्लीक है, हालांकि बैटरी और मोटर में बदलाव नहीं किया गया है। इसके बाद कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी सियेरा ईवी का इलेक्ट्रिक वर्जन भी लान्च करने वाली है। इसका डिजाइन टाटा की बाकी एसयूवी से अलग होगा और सामने क्लोज्ड पैनल मिलेगा। उम्मीद है कि यह रियर व्हील और आल व्हील ड्राइव दोनों विकल्पों में आएगी। मार्च में इसके लान्च की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। मारुति भी अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा बाजार में लाने की तैयारी में है। यह दो वैरिएंट में आएगी और एक बार चार्ज होने पर 440 से 543 किलोमीटर तक चलने का दावा किया जा रहा है। इसमें वेंटिलेटेड सीट, बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल कंसोल और स्लाइडिंग रियर सीट जैसे प्रीमियम फीचर्स मिलेंगे। कंपनी फरवरी के अंत तक इसकी कीमतों की घोषणा कर सकती है। वहीं टोयोटा अर्बन क्रूजर ईबेला भी इसी अवधि में लान्च हो सकती है। अंदर से यह ई-विटारा जैसी ही है, लेकिन इसका फ्रंट डिजाइन ज्यादा प्रीमियम रखा गया है। बैटरी और मोटर सेटअप वही होगा जो मारुति की इलेक्ट्रिक एसयूवी में मिलेगा। बता दें कि भारतीय आटोमोबाइल मार्केट में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है और आने वाला मार्च महीना ईवी खरीदारों के लिए बेहद खास साबित होने वाला है।

नई रेनो डस्टर मार्च में होगी लॉन्च, बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली। भारत में बहुप्रतीक्षित नई रेनाल्ट डस्टर अब प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध हो गई है। इस कार को ग्राहक मात्र रुपए 21,000 की टोकन राशि देकर बुक कर सकते हैं। कंपनी की इसे मार्च में बाजार में उतारने की तैयारी है। इस बार डस्टर पूरी तरह नए, हाई-टेक और प्रीमियम अवतार में आ रही है, जो इसे मिड-साइज एसयवूी सेगमेंट में और ज्यादा प्रतिस्पर्धी बना देगी। नई डस्टर का बाहरी डिजाइन पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा फ्यूचरिस्टिक और मजबूत है। इसमें फुल एलईडी हेडलैंप और एलईडी टेललैंप सेटअप, 18-इंच डायमंड-कट अलाय व्हील्स, बड़े स्किड प्लेट्स, व्हील आर्च क्लैडिंग और 212 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इसकी 25.7 डिग्री अप्रोच और 29.2डिग्री डिपार्चर एंगल इसे आफ-रोडिंग के लिए भी सक्षम बनाते हैं। साथ ही 50 किलो क्षमता वाली रूफ रेल्स इसे एडवेंचर ट्रिप्स के लिए भी उपयुक्त बनाती हैं। इंटीरियर की बात करें तो इसका केबिन हाई-टेक फीचर्स से लैस है। इसमें 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, गूगल बिल्ट-इन सपोर्ट, गूगल प्ले से ऐप डाउनलोड की सुविधा, 4 यूएसबी टाइप-सी पोर्ट, वायरलेस चार्जर, पावर टेलगेट और 518 लीटर का बूट स्पेस मिलता है। आराम के लिए ड्यूल-जोन आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 6-वे पावर एडजस्टेबल फ्रंट सीट्स, वेंटिलेटेड सीट्स, पीएम 2.5 एयर फिल्टर और इलेक्ट्रिक पैनोरमिक सनरूफ भी दिए गए हैं। सुरक्षा के मामले में भी यह एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावा पेश करती है। नई डस्टर में 1.0-लीटर और 1.3-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन विकल्प मिलेंगे। इनके साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड वेट-क्लच डीसीटी आटोमैटिक गियरबाक्स उपलब्ध होगा। दिवाली के आसपास कंपनी 1.8-लीटर इंजन आधारित हाइब्रिड वर्जन भी पेश कर सकती है इसमें 17 एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) शामिल हैं, जिनमें लेन कीपिंग असिस्ट, लेन डिपार्चर वार्निंग, ब्लाइंड स्पाट वार्निंग, ट्रैफिक साइन रिकग्निशन, ड्राइवर ड्रोसिनेस अलर्ट, 360-डिग्री कैमरा और मल्टीपल पार्किंग सेंसर शामिल हैं।

कैवियार ने लान्च किए तीन लिमिटेड एडिशन डिज़ाइन

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। लग्ज़री कस्टमाइजेशन ब्रांड कैवियार ने अपने कलेक्शन में एक नई वैलेंटाइन-थीम वाली सीरीज़ शामिल की है। कंपनी ने आईफोन 17 प्रो और प्रो मेक्स माडल के लिए गार्डन आफ ईडन नाम से तीन लिमिटेड-एडिशन डिज़ाइन पेश किए हैं। इनकी कीमत 10,000 डालर (लगभग 9 लाख रुपये) से शुरू होती है और हर माडल के केवल 14 यूनिट ही दुनिया भर में उपलब्ध होंगे। हर खरीदारी के साथ कंपनी एक वैलेंटाइन थीम वाला सोने का सिक्का भी दे रही है।

गार्डन आफ ईडन लाइनअप में तीन डिज़ाइन चार्मिंग लोटस, गोल्डफिश और विंग्स आफ लव शामिल हैं। इन माडलों की बाडी को 24कं गोल्ड, ज्वेलरी इनेमल, नक्काशी, हीरे और नीलम जैसे प्रीमियम मटेरियल से तैयार किया गया है। सभी वेरिएंट आईफोन 17 प्रो और प्रो मेक्स के लिए 1टीबी तक स्टोरेज कान्फिगरेशन में उपलब्ध हैं। चार्मिंग लोटस का डिज़ाइन कमल के फूल से प्रेरित है, जिसका भारत, चीन और प्राचीन मिस्र की संस्कृति में विशेष महत्व माना गया है।

भारतीय परंपरा में कमल आध्यात्मिक स्पष्टता का प्रतीक है, जबकि चीन में यह प्रेम और तालमेल को दर्शाता है। इस वेरिएंट की शुरुआती कीमत 19,630 डालर (करीब 17.77 लाख रुपये) है, जो इसे इस सीरीज़ का सबसे महंगा माडल बनाती है।

गोल्डफिश माडल में सोने की परत वाली घुमावदार मछलियों की आकृति बनाई गई है, जिन पर नीलम जड़े हैं। बौद्ध संस्कृति में दो मछलियों को एकता और सामंजस्य का प्रतीक माना जाता है, जबकि चीन में इन्हें खुशहाली और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। इसकी कीमत 10,490 डालर (करीब 9.50 लाख रुपये) से शुरू होती है। विंग्स आफ लव में उड़ती अबाबील पक्षियों की नक्काशी है, जिन्हें यूरोप और एशियाई परंपराओं में वफादारी का प्रतीक माना जाता है और प्राचीन यूनान में इन्हें प्रेम की देवी एफ्रोडाइट से जोड़ा जाता था। इस माडल की शुरुआती कीमत 10,340 डालर है। बता दें कि कैवियार कंपनी बेशकीमती रत्नों से सजे आईफोन और एक्सेसरीज बनाने के लिए दुनिया भर में मशहूर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रमज़ान में चार...

जिस तरह रमजान में मुसलमानों को आजादी से अल्लाह की खिदमत/रोजा आदि धर्म निभाने की पूरी छूट है, उसी तरह नवरात्रि के पूजा/उपवास, ढोल-डांडिया, होली के रंग/ गुलाल, पिचकारी, दिवाली के दीप/पटाखे, संक्रांति की पतंगबाजी, रामनवमी की शोभायात्रा आदि में कोई बाधा खडी न करें। कुछ जरूरी नियम/कायदे बनाये जा सकते है, लेकिन परिपाटी के अनुसार दीपावली के दिन यदि कोई दुकानदार पूजा के बाद रातभर दुकान खुली रखना चाहता है तो उसे जबरन बंद करवाना अनुचित है। नवरात्रि के नौ दिन उपवास रखकर माता रानी के गरबे और डांडिया का रिवाज़ है, उसे रोकना कहाँ तक जायज है? होली के दिन ढूंढ़ के लिए घर-घर टोलियाँ जाती है, उन्हें भगाना सर्वथा गलत है। शांति व्यवस्था बनाये रखते हुए यदि कोई अपना त्यौहार मनाता है तो सरकार को उसकी भावनाओं की कद्र करनी चाहिए। चाहे कोई भी धार्मिक त्यौहार /पर्व हो और किसी भी धर्म का क्यों न हो, सरकार का काम उसे सुचारु रूप से संपन्न करवाने में बिना भेदभाव के हरसंभव सहयोग देना होना चाहिए।

24/7 पर ...

सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।

इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रत्येक स्टोर या प्रतिष्ठान को 10,000 रुपये का वार्षिक शुल्क देना था। साथ ही, प्रबंधन को सरकार द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी रिकॉर्ड बनाए रखने और रिटर्न जमा करने के निर्देश दिए गए थे। यह भी स्पष्ट किया गया था कि इन सभी प्रतिष्ठानों को पुलिस अधिनियम और लागू नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे। पता नहीं वो फरमान इस समय किस फाइल में धूल फांक रहा है, यदि सचमुच इसे लागू किया जाता तो राज्य की अर्थव्यवस्था में मील का पत्थर साबित होता।

मिलावटी...

उन्होंने कहा कि यह प्रकाशन जानबूझकर और शरारतपूर्ण तरीके से बिना किसी सत्यापन के केवल सनसनी फैलाने के लिए किया गया है।

सीबीआई जांच और विवाद की पृष्ठभूमि

तिरुपति लड्डू विवाद 2024 में तब शुरू हुआ था जब चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पवित्र लड्डू बनाने में घटिया घी का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें कथित तौर पर जानवरों की चर्बी शामिल थी।

पिछले महीने, सीबीआई ने इस मामले में अपनी अंतिम चार्जशीट दाखिल की, जिसमें कहा गया कि 2019 से 2024 के बीच इस्तेमाल किए गए घी में बीफ टैलो या लार्ड (जानवरों की चर्बी) नहीं मिली। हालांकि, एजेंसी ने भ्रष्टाचार की पुष्टि करते हुए कहा कि मिलावट जानवरों की चर्बी की नहीं बल्कि पाम ऑयल और अन्य रसायनों के मिश्रण की थी। सीबीआई ने यह भी जोड़ा कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के कर्मचारियों ने निजी कंपनियों के साथ मिलकर संस्थान के साथ धोखाधड़ी की है।

एआई से हम...

असीमित है, इसलिए, एआई के लिए हमें नैतिक व्यवाहार और तौर तरीकों का दायरा भी असीमित बनाना होगा। एआई कंपनियों के सामने बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, मुनाफे के साथ-साथ उद्देश पर भी फोकस हो, ऐसी नैतिक प्रतिबद्धता की बहुत आवश्यकता है। व्यक्तिगत स्तर पर एआई हमारी लर्निंग, इंटेलिजेंस और इमोशंस को प्रभावित कर रही है।

श्री मोदी ने इस संबंध में तीन सुझाव भी दिये। पहला डेटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए एआई ट्रेनिंग के लिए एक डेटा फ्रेमवर्क बने। उन्होंने कहा कि अगर डेटा सुरक्षित, संतुलित, विश्वसनीय नहीं होगा, तो परिणाम भी भरोसेमंद नहीं होगा। इसलिए, वैश्विक विशवसनीय डेटा फ्रेमवर्क जरूरी है।

दूसरा एआई प्लेटफार्म अपने सुरक्षा संबंधी नियम बहुत स्पष्ट और पारदर्शी रखें इससे जवाबदेही भी स्पष्ट होगी और व्यवसाय में नैतिक आचरण को भी बढावा मिलेगा। तीसरा एआई शोध में स्पष्ट मानव मूल्य और मार्गदर्शन की जरूरत है। उन्होंने कहा एआई शक्तिशाली है लेकिन दिशा हमेशा मानव ही तय करेगा।

उन्होंने कहा कि एआई की वैश्विक यात्रा में आकांक्षी भारत की बड़ी भूमिका है, और अपने इस दायित्व को समझते हुए भारत आज बड़े कदम उठा रहा है। भारत के एआई मिशन के माध्यम से आज देश में 38,000 जीपीयू हैं, और अगले 6 महीनों में हम 24,000 जीपीयू और लगाने जा रहे हैं।

5,000 करोड़ के...

मूसी जन आंदोलन जैसे नागरिक संगठनों और प्रभावित परिवारों का आरोप है कि सरकार बिना किसी स्पष्ट विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के घरों को तोड़ने की तैयारी कर रही है।

निशाने पर 500 घर

बापू घाट और आसपास के नदी तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 500 परिवारों को डर है कि सौंदर्यीकरण के नाम पर उनके दशकों पुराने आशियाने उजाड़ दिए जाएंगे।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे बिजली बिल, टैक्स और पंजीकरण शुल्क भरते आए हैं, फिर उनके घरों को अतिक्रमण बताकर कैसे हटाया जा सकता है?

पुनरुद्धार या रियल एस्टेट? : विपक्ष

बीआरएस और अन्य विपक्षी दलों ने इस परियोजना को रियल एस्टेट उद्यम करार दिया है। विपक्षी नेताओं का तर्क है कि जहाँ नदी को साफ करने और प्रदूषण रोकने पर ध्यान देना चाहिए, वहां सरकार हजारों करोड़ रुपये मूर्तियों और कंक्रीट के निर्माण पर खर्च कर रही है। वहीं, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का कहना है कि यह परियोजना हैदराबाद को न्यूयॉर्क और लंदन जैसे वैश्विक शहरों की श्रेणी में खड़ा करेगी और मूसी नदी के किनारे एक नाइटलाइफ़ इकोनॉमी विकसित होगी।

सरकार ने आश्वासन दिया है कि विस्थापित होने वाले परिवारों को राजीव स्वगृह योजना के तहत डबल बेडरूम मकान और उचित मुआवजा दिया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, भूमि अधिग्रहण का पहला चरण (9.2 किमी का हिस्सा) शुरू हो चुका है। सरकार का लक्ष्य फरवरी के अंतिम सप्ताह तक इस परियोजना का शिलान्यास करना है, जबकि प्रदर्शनकारियों ने कानूनी लड़ाई और तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिधानि द्वारा राष्ट्रीय एससी-एसटी हब के सहयोग से

विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय एससी-एसटी हब (एनएसए-सएच), हैदराबाद के सहयोग से एक विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विक्रेता विकास को प्रोत्साहित करना, आपूर्ति श्रृंखला में एससी/एसटी उद्यमियों की भागीदारी को सुदृढ़ करना तथा एमएसएमई के साथ सहयोग को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा श्री के. मुकेश द्वारा गणमान्य अतिथियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुआ। स्वागत भाषण देते हुए श्री एस. सुरेश, एनएसएसएचओ प्रमुख (तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश), ने एससी/एसटी उद्यमियों को सशक्त बनाने तथा उन्हें मुख्यधारा के औद्योगिक पारितंत्र से जोड़ने में राष्ट्रीय एससी-एसटी हब की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात श्री सुभदीप घोष, एजीएम (प्रभारी, क्रय), मिधानि ने क्रय प्रक्रियाओं, विक्रेता पंजीकरण प्रणाली तथा संभावित विक्रेताओं के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से जानकारी दी। मिधानि की मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्रीमती स्पूर्ति रेड्डी, आईआरएस ने विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पारदर्शिता, नैतिक क्रय प्रक्रियाओं तथा अनुपालन के महत्व पर बल दिया। तदुपरांत श्री पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), मिधानि ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए समावेशी विक्रेता विकास एवं एमएसएमई के साथ सुदृढ़ सहभागिता के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

मुख्य वक्तव्य श्री वी. सुरेश बाबू, आंचलिक महाप्रबंधक (तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश) द्वारा दिया गया, जिसमें उन्होंने एससी/एसटी उद्यमियों हेतु उपलब्ध नीतिगत पहलों एवं संस्थागत सहयोग की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, श्री एस. सुरेश द्वारा एनएसआईसी वीडियो एवं तकनीकी प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात श्री एस. नितेश, वरिष्ठ प्रबंधक (क्रय), मिधानि ने तकनीकी आवश्यकताओं एवं गुणवत्ता मानकों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

टीआरईडीएस वित्तीय सुविधा पर सत्र श्री नागेंद्र गौड़ द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें एमएसएमई के लिए उपलब्ध वित्तीय समाधान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अधिकारियों से सीधे संवाद किया। धन्यवाद ज्ञापन श्री दीप्तिमय मोहंती द्वारा प्रस्तुत किया गया।यह विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम एमएसएमई पारितंत्र को सुदृढ़ करने, समावेशी औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा एससी/एसटी उद्यमियों के सशक्तिकरण हेतु भारत सरकार की पहलों के समर्थन में मिधानि की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती

घाँसी बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया उत्सव

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती के शुभ अवसर पर घाँसी बाजार चौराहे पर भाजपा घाँसी बाजार डिवीजन के कार्यकर्ताओं ने भव्य रूप से उत्सव मनाया।

शहर भर में शिव जयंती के भव्य आयोजनों की कड़ी में यह कार्यक्रम विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जहां वीर शिवाजी की वीरता और स्वराज्य स्थापना के योगदान को नमन किया गया।

कार्यक्रम में घाँसी बाजार भाजपा डिवीजन के अध्यक्ष नितेश ने नेतृत्व किया। साथ ही रामनिवास बंसल, जीतू, नरेश अवस्थी, पवन मिश्रा, टिंकू, कालेश, रमेश लाला, दीपक अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल सिंह, प्रकाश तिवारी, किरण तायल सहित अन्य प्रमुख भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू परिषद - बजरंग दल द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर भव्य बाइक रैली आयोजित

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के पावन अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के बैनर तले दि. 19 फरवरी को एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शहर में हिंदुत्व, राष्ट्रभक्ति और वीर शिवाजी के आदर्शों को प्रसारित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनी।कार्यक्रम का शुभारंभ अरविंद नगर, दोमलगुड़ा से प्रातः 9:30 बजे हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व हिन्दू परिषद के विद्यानगर जिला अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल ने की। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती पूजा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुई। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने शिवाजी महाराज के आदर्शोंशौर्य, स्वराज्य रक्षा और धर्म रक्षाको अपनाने का दृढ़ संकल्प लिया।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम एवं राष्ट्रभक्ति को स्मरण करते हुए युवाओं से उनके जीवन-मूल्यों पर चलने और देश की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। जय भवानी! वीर शिवाजी! के जोशीले उद्घोष के साथ बाइक रैली का शुभारंभ हुआ।रैली में बड़ी संख्या में युवा एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। बाइक रैली ने पूरे क्षेत्र में उत्साह और देशभक्ति का वातावरण बना दिया। रैली ने शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए शिवाजी महाराज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया।कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के सभी आयोजकों, सहभागियों एवं समर्थकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

सेवा, समर्पण और संस्कार का संगम : जगतनारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के समीप गौशाला के सामने जारी नियमित अन्नदान एवं गौ सेवा कार्यक्रम में श्रद्धा और सेवा भाव के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगतनारायण अग्रवाल ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के कार्यों का वर्णन शब्दों में करना संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा हमारी संस्कृति और आस्था से जुड़ी हुई है। राधे-राधे ग्रुप जिस प्रकार निरंतर जरूरतमंदों को अन्नदान कर रहा है और साथ ही गौशाला में सेवा का कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

जगतनारायण अग्रवाल ने आगे कहा कि सेवा से ही समाज में एकता, प्रेम और सद्भावना का वातावरण बनता है। जब हम निस्वार्थ भाव से किसी के लिए कुछ करते हैं, तभी सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा होती है।

इस अवसर पर जगतनारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, राजेश सर योगा, अरुण विजयवर्गीय, गोविंदराम पचेरिया, अनिल भाई, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र-104 ने मनाई छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा नारायणगुडा स्थित श्रीधर गडाले के निवास स्थान पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने उत्साह के साथ भाग लिया और महाराज की वीरता एवं स्वराज्य स्थापना के योगदान को याद किया।अवसर पर भावसार विजन इण्डिया के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें-प्रवीण पतंगे (डिप्टी गर्वनर), अश्विनी पतंगे (अध्यक्षा), घनश्याम पतंगे (मंत्री), तुलसी बगाडे, ज्योति गडाले, अर्चना सुत्रावे, हेमा परनकर, शिल्पा पतंगे, श्रीनिवास बगाडे एवं बालकिशन सुत्रावे शामिल थे।

विशेष आमंत्रित श्रीधर लोखण्डे ने अध्यक्ष अश्विनी पतंगे को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी भावसार बंधुओं को बटर मिल्क का वितरण किया, जिससे कार्यक्रम में और अधिक उत्साह का संचार हुआ।

कार्यक्रम में फैन्सी ड्रेस का विशेष आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों और युवाओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज एवं उस युग की वेशभूषा में सजकर भाग लिया। यह प्रतियोगिता कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बनी और सभी ने इसे पूरे जोश के साथ मनाया।

अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की कार्यकारिणी समिति की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा की कार्यकारिणी समिति की मासिक मीटिंग शाखा अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी फोगला के निवास स्थान पर आयोजित हुई। शाखा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

शाखा द्वारा श्री श्याम मित्र मंडल, अत्तापुर और श्री श्याम सत्संग समिति अत्तापुर द्वारा आयोजित श्याम निशान शोभा यात्रा का स्वागत 27 फरवरी 2026 को सुबह 6 बजे से बैंक ऑफ बड़ौदा, मल्ल्या टावर के समीप किया जाएगा। यात्रा में बाबा श्याम की पूजा-अर्चना तथा निशान धारकों का स्वागत पुष्प-दल और जलपान द्वारा किया जाएगा। इस आयोजन के लिए गोविंद राज अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया गया है।

शाखा द्वारा चलाए जा रहे मेंबरशिप ड्राइव के कार्य को जारी रखने का निर्णय लिया गया। होली के पश्चात इसमें और तेजी लाने की आशा व्यक्त की गई। बैठक में आगामी गतिविधियों के अंतर्गत होली से संबंधित एक कार्यक्रम आयोजित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। इसकी संभावना तलाशने, रूपरेखा तैयार करने तथा क्रियान्वयन की जिम्मेदारी श्रीमती नंदा अग्रवाल और निधि अग्रवाल को सौंपी गई।

खाटू श्याम परिवार अत्तापुर द्वारा 27, 28 फरवरी तथा 1 मार्च 2026 को अत्तापुर में श्रद्धेय श्री पवन गुरु जी के मुखारविंद से होने वाली श्याम कथा के आयोजन में शाखा द्वारा कथावाचक श्रद्धेय श्री पवन गुरु जी का स्वागत-सम्मान करने की सहमति बनी।

इस मीटिंग में शाखा अध्यक्ष सत्यनारायण जी फोगला, नंदा अग्रवाल, निधि अग्रवाल, प्रीति पोद्दार, अशोक जालान, राम अवतार गुप्ता, संजय गोयल, सुनील कुमार संघी, मनोज गोयल, श्याम अग्रवाल, गोविंद राज अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 161वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर 22 को

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा यादव सेवा संघम तेलंगाना के सहयोग से 161वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 22 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक दमईगुडा, नागाराम रोड स्थित साईं सिद्धार्थ हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स अस्पताल बेगमपेट द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप तथा सामान्य चिकित्सा की सेवाएं प्रदान की जाएंगी। नेत्रों की जांच एलसीएच साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की जाएगी। नेत्र जांच के पश्चात योग्य मरीजों को निशुल्क चश्मों का वितरण किया जाएगा तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था भी रहेगी।

जनरल फिजिशियन की सेवाएं डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मिनल खैरिया सुंगधी (डॉ. अखिल्स क्लिनिक, पुरणदास रणछोडदास) द्वारा दी जाएंगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत द्वारा की जाएगी।

अवसर पर श्री भगवान विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा निशुल्क जांच के बाद योग्य व्यक्तियों को एड्स एवं एप्लायंसेज जैसे कृत्रिम अंग, हेड किट्स, कैलिपर्स, हैंड्स आदि प्रदान किए जाएंगे। शिविर में आवश्यक रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की भी सेवा उपलब्ध रहेगी।

शिविर में आने वाले रोगियों से अनुरोध है कि वे अपने चिकित्सा के पूर्व रिकॉर्ड साथ लाएं ताकि उचित परामर्श दिया जा सके। नाम पंजीकरण शिविर स्थल पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा, जबकि शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, आलाडी रमेश यादव, अलाडी अनिल यादव, अलाडी शरद यादव से संपर्क किया जा सकता है।

कार्टून कॉर्नर

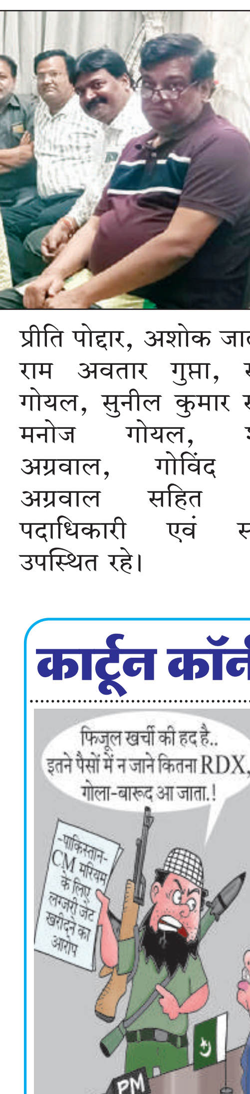

लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 : भाषा प्राध्यापकों का चयन

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा के तत्वावधान में लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2026 के लिए चार विश्वविद्यालयों के चार विशिष्ट प्राध्यापकों का चयन किया गया है। ये पुरस्कार तेलुगु, हिंदी, उर्दू और अंग्रेज़ी भाषाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किए जाएंगे।

यह पुरस्कार समारोह 21 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे, नांपल्ली स्थित इंदिरा प्रियदर्शिनी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन के सेमिनार हॉल में इंटरनेशनल मदर लैंग्वेज डे (अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस) के अवसर पर आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर भाषाओं के प्रति समर्पण और उत्कृष्टता को सम्मानित किया जाएगा।

फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि निम्नलिखित प्राध्यापकों का चयन किया गया है0

यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, गच्चीबौली से तेलुगु विभागाध्यक्ष प्रो. पिल्लालामर्री रामुलु – तेलुगु भाषा के लिए।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी से संबद्ध इंदिरा प्रियदर्शिनी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वुमेन की प्राचार्या प्रो. चंद्रा मुखर्जी – हिंदी भाषा के लिए।

इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेस यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ लिटरेसी स्टडीज़ के डीन प्रो. सोनबा साल्वे – अंग्रेज़ी भाषा के लिए।मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. मोसर्रत जहां – उर्दू भाषा के लिए।

इस सेमिनार में नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के पूर्व रजिस्ट्रार तथा वर्तमान में तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन के चेयरमैन प्रो. वी. बालकिस्ता रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, संबोधित करेंगे तथा चयनित प्राध्यापकों को पुरस्कार प्रदान करेंगे।

इसके अतिरिक्त, नेशनल एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन डेवलपमेंट काउंसिल के एडवाइजर एवं प्रख्यात एजुकेशनिस्ट लायन डॉ. कोमटिरेड्डी गोपाल रेड्डी तथा लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण के डायरेक्टर लायन प्रेमचंद मुनोत जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में भाग लेकर अपने विचार व्यक्त करेंगे।यह कार्यक्रम भाषाई विविधता और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

फुलेरा दूज पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को फुलेरा दूज के अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान किया गया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल,संजय गोयल,किरण गोयल,जय प्रकाश सारडा,गौरव गोयल,ई जगन चंपापेट,प्रीतिका अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती : गोशामहल में मनाया गया भव्य उत्सव

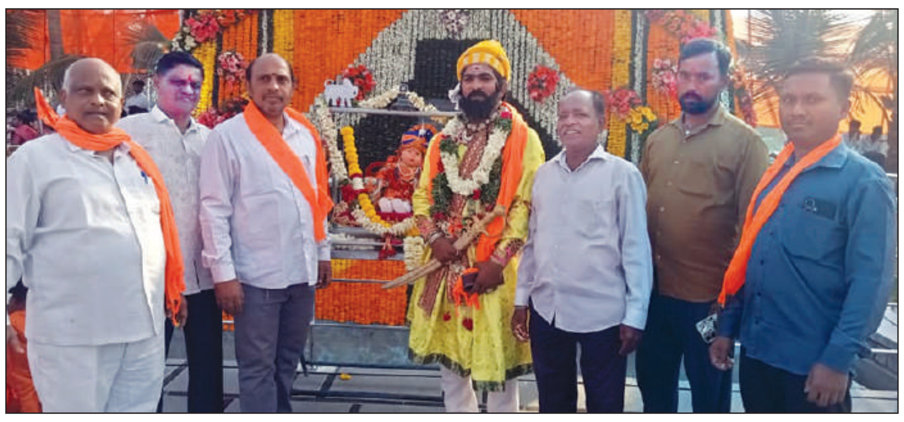

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के शुभ अवसर पर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शिवाजी ब्रिज, गौलीगुडा में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति को फूलों से सजाया गया। सभी जनता शिवाजी महाराज की गाथा वेशभूषा के साथ उपस्थित हुई और भजनों के साथ फूलों से सजी हुई भव्य मूर्तियों को इस देश भर में एक त्योहार की तरह मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित भव्य शोभायात्रा में तेलुगु देशम पार्टी के गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के एडहॉक कमेटी सदस्यों केडी दिनेश ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्षोल्लास से यह त्योहार मनाया जाएगा। कार्यक्रम में टीडीपी के एडहॉक कमेटी सदस्य के. डी. दिनेश, जी. सत्यनारायण, सोमशेखर कुर्मा, सुरेंद्र सिंह बैजू, बालाजी, सहदेव, जगदीश सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

भव्य भजन संध्या: अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा ने श्याम फाल्गुन महोत्सव को बनाया यादगार

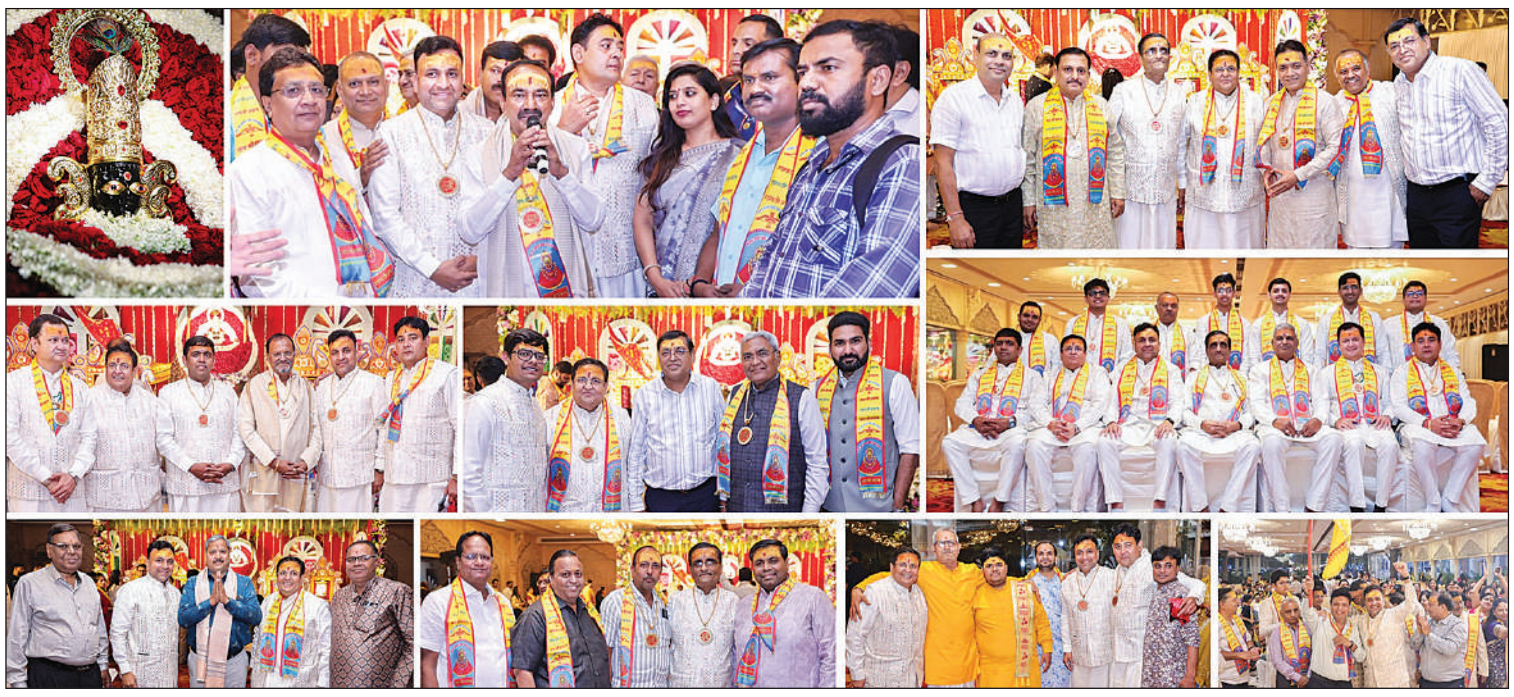

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्याम फाल्गुन महोत्सव 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा के सभी सदस्यों ने उत्साह, ऊर्जा और भक्ति भाव के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री श्याम बाबा एवं महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात निशान यात्रा निकाली गई और भक्तिमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य गायक पंकज ओझा और संदीप चंडक ने अपनी मधुर स्वर लहरियों से सभी भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का समापन श्री श्याम बाबा को भोग अर्पित कर आरती के साथ किया गया। यह भव्य आयोजन हम दो श्याम प्रेमी ग्रुप, ग्रेटर हैदराबाद के सहयोग से संपन्न हुआ।

सांसद ईटेला राजेंद्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वे अपने सहयोगियों के साथ कार्यक्रम में पधारे और कुछ समय तक भक्ति भाव में सहभागिता की। उनकी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक गरिमा प्रदान की।

तेलंगाना अग्रवाल समाज के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं अन्य शाखाओं के सदस्य भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अग्रवाल समाज सेंट्रल शाखा से उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल और सचिव श्री विकास केशन उपस्थित रहे।

समाज के प्रमुख समाजसेवी अरुण डकोटिया, दिलीप पसारी, प्रमोद केडिया, सुरेश अग्रवाल तथा पहाड़ी श्याम मंदिर के पुजारी ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।शाखा की ओर से प्रसिद्ध वेलनेस कोच लक्ष्मण शर्मा (हर्बल लाइफ वेलनेस सेंटर) के मार्गदर्शन में निः शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिससे समाज के सदस्यों को अतिरिक्त लाभ प्राप्त हुआ।

अग्रवंशी सिकंदराबाद शाखा के पदाधिकारियों(अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री अभिषेक अग्रवाल, सचिव अरुण अग्रवाल, संयुक्त सचिव कपिल गर्ग, कोषाध्यक्ष ए. अरुण अग्रवाल, सलाहकार अशोक चोकानी, केंद्रीय समिति (के.एस.) सदस्य श्री सुनील चोकानी एवं शशि सिंघल, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश साबल्का, रवि गोयनका, राजेंद्र अग्रवाल, श्रीमती सीमा अग्रवाल, सचिन गोयल, कुशल अग्रवाल, शुभ अग्रवाल, रोहित चोकानी, श्री श्याम चोकानी, अंकित जालान एवं श्याम शरण चोकानी)ने इस भजन संध्या को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी सदस्यों, कलाकारों, अतिथियों और सहयोगी संगठनों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

वीर शिवाजी सेना के अध्यक्ष नितिन नंदकर के नेतृत्व में 396वीं शिवाजी महाराज जयंती मनाते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, दिनेश ठाकुर, रंजीत ठाकुर, महेंद्र बालाजी, लोकेश इंदौरिया, सौरभ इंदौरिया एवं अन्य।

मंगल मुखी हनुमान मंदिर के पास शिवाजी महाराज जी की 396वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर डांडगे शंकर, विलास राव एवं अन्य उपस्थित थे।

फाल्गुन मास में भक्ति की लहर

7वीं विशाल श्री श्याम निशान शोभा यात्रा 22 को

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आगामी रविवार, 22 फरवरी को प्रातः 7:30 बजे से '7वीं विशाल श्री श्याम निशान शोभा यात्रा' का आयोजन किया जाएगा। यह शोभा यात्रा सिकन्दराबाद, आर.पी. रोड से प्रारंभ होकर पहाड़ी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स तक जाएगी।

आयोजक श्री मनोज सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष की यात्रा में अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आकर्षण शामिल रहेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत इंदौर से राधा रानी नरेश द्वारा बाबा श्याम के शीश का दिव्य आगमन होगा। इसके अतिरिक्त फूलों एवं गुलाल की होली, सूरजगढ़ का पावन निशान, पारंपरिक चंग धमाल तथा केसर-चंदन इत्र की सुगंधित वर्षा भी यात्रा का विशेष आकर्षण रहेंगी।

उन्होंने बताया कि शोभा यात्रा में सम्मिलित होना पूर्णतः निःशुल्क है। जो श्रद्धालु इच्छापूर्ति निशान सेवा करना चाहते हैं, उनके लिए 301 रुपये प्रति निशान सेवा राशि निर्धारित की गई है।

आयोजन समिति ने सभी श्याम भक्तों, धार्मिक संस्थाओं एवं नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

हरीबौली में छत्रपती शिवाजी महाराज जयंती समारोह संपन्न हुआ। समारोह में भाजपा गोलकोण्डा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंदर, दिनेश केडाला, सूर्यकांत बंग, राहुल जाधव, सतीश, विजय हत्ते जी एवं अन्य उपस्थित थे।

तीन दिवसीय फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी कल से

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी शनिवार दि. 21 से 23 फरवरी तक हाईटेक सिटी स्थित एचआईसीसी नोवाटेल में आयोजित की जाएगी।

हाईलाइफ की यह प्रदर्शनी ग्रीष्मकालीन फैशन तथा वेडिंग स्पेशल के रूप में फैशन प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र रहेगी। फैशन, ग्लैमर तथा उत्सवों के लिए अपनी पसंद की चीजें खरीदने के लिए उत्तम विकल्प उपलब्ध होंगे।

रचनात्मक फैशन परिधान, दुल्हनों के परिधान, एक्सेसरीज, आभूषण, लक्जरी वस्तुएँ तथा घरेलू साज-सज्जा की वस्तुओं के कलेक्शन प्रदर्शनी में पेश किये जाएँगे। आयोजकों के अनुसार, इस बार पारंपरिक एवं पाश्चात्य शैली के परिधानों के साथ कई नये डिज़ाइनर प्रदर्शनी में हिस्सा लेंगे।

जुमेरात बाजार चौराह के पास वीर शिवाजी महाराज जयंती जुलूस के स्वागत में स्थापित मंच पर बीआरएस नेता एच. कुमार का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी संजू कुमार, श्रीनिवास, रवि कुमार, बाकेश, रंजीत कुमार, दिनेश सिंह एवं अन्य।

महिला सशक्तिकरण को समर्पित खेल आयोजन 7 मार्च से

महिला दिवस पर बीकानेर में होंगे आउटडोर, इंडोर खेलों के मुकाबले

बीकानेर, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। लघु उद्योग भारती बीकानेर की ओर से महिला दिवस के अवसर पर 7 व 8 मार्च को खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें महिलाओं को खेलों से जोड़ने और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने का विशेष प्रयास किया जाएगा। यहां होटल राजमहल में आयोजित एक प्रेस वार्ता में अध्यक्ष राजेश गोयल, कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र अग्रवाल, महिला इकाई अध्यक्ष राखी चौरडिया, आयोजन खेल प्रभारी आशु मलिक, विशेष सहयोगी पूजा डागा, जोधपुर प्रांतीय अध्यक्ष बालकिशन परिहार तथा सचिव राकेश जाजू ने आयोजन की जानकारी दी। अध्यक्ष राजेश गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन में खो-खो, सतोलिया, रस्साकसी और क्रिकेट जैसे आउटडोर खेलों के साथ पहला दूज, म्यूजिकल चेयर, आंख मिचोली, पोशाम भई और पोशांबा जैसे इंडोर खेल भी आयोजित किए जाएंगे। प्रांतीय अध्यक्ष बालकिशन परिहार ने बताया कि यह आयोजन रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र की रोड नंबर 5 स्थित राधे कृष्णा पैलेस में आयोजित होगा। यह कार्यक्रम महिलाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, ताकि उन्हें खेलों से जोड़ा जा सके और नई पीढ़ी को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिले। महिला इकाई अध्यक्ष राखी चौरडिया ने बताया कि दोनों दिनों में चार-चार इंडोर और आउटडोर खेल खेले जाएंगे तथा इसमें बीकानेर की सभी महिला स्वयंसेवी संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है, जिनमें रोटरी, भारत विकास परिषद, जीतो सहित अन्य संस्थाएं शामिल हैं। आयोजन खेल प्रभारी आशु मलिक ने बताया कि आउटडोर खेलों के लिए आठ-आठ सदस्यीय टीम बनाई गई है और इंडोर खेलों में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रति खेल प्रतिदिन 100 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे तथा सभी प्रतिभागियों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

लघु उद्योग भारती के सचिव राकेश जाजू ने बताया कि यह प्रतियोगिता 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए होगी, जबकि छोटे बच्चे खेलों का आनंद ले सकेंगे। अब तक आउटडोर खेलों में 12 टीमों की प्रविष्टि तथा 50 से अधिक प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हो चुका है। लघु उद्योग भारती संगठन में वर्तमान में 166 सदस्य हैं, जो बीकानेर के उद्योग और व्यापार के विकास के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर अस्पताल के पास केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता एवं जयप्रकाश सारडा आदि उपस्थित थे।

क्रिएटर्स ऑफ टुमारो – बिल्डाथॉन 2026 का ग्रैंड फिनाले कल

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधा टीएमटी ने तेलंगाना भर के सिविल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए अपनी तरह का पहला नवाचार मंच, क्रिएटर्स ऑफ टुमारो – बिल्डाथॉन 2026 शुरू किया है। राज्य के 30 से अधिक प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेजों की भागीदारी के साथ यह प्रतियोगिता अब अपने सबसे रोमांचक चरण में पहुँच गई है। इस भव्य कार्यक्रम का ग्रैंड फिनाले 21 फरवरी, 2026 को हैदराबाद के शिल्पकला वेदिका में आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद जिले की कलेक्टर श्रीमती हरिचंदना दासारी ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अपनी सहमति दी है। युवा इंजीनियरिंग प्रतिभाओं के सम्मान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल इस बात को रेखांकित करती है कि सिविल इंजीनियरिंग किसी भी राष्ट्र के विकास की रीढ़ है। सिविल इंजीनियर सड़क, पुल, बांध, भवन और जल प्रणालियों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे का डिजाइन और निर्माण करते हैं, जिसके बिना व्यापार, जल सुरक्षा और आर्थिक विकास संभव नहीं है। इसी संदर्भ में, राधा टीएमटी ने अगली पीढ़ी के राष्ट्र-निर्माताओं को प्रेरित करने के लिए बिल्डाथॉ की शुरुआत की है।

इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय हरित भविष्य के लिए हरित और टिकाऊ निर्माण है। इसका उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक ज्ञान और उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के बीच के अंतर को कम करना है। चयन प्रक्रिया के कई चरणों के बाद, जिनमें 90-सेकंड के आइडिया पिच और तकनीकी प्रस्तुतियां शामिल थीं, शीर्ष 7 फाइनलिस्ट टीमों का चयन किया गया है। ये टीमें ग्रैंड फिनाले में अपने वर्किंग मॉडल प्रदर्शित करेंगी।

यह आयोजन छात्रों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के दिग्गजों का एक अनूठा संगम होगा। प्रतियोगिता में विजेताओं के लिए 5,00,000 रुपये से अधिक के नकद पुरस्कार रखे गए हैं। इसके साथ ही छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर, उद्योग-मान्यता प्राप्त प्रमाणन, फैक्ट्री विज़िट, आईएसओ प्रशिक्षण और प्रमुख निर्माण विशेषज्ञों के साथ सीधे संवाद करने का मौका मिलेगा। राधा टीएमटी इस पहल के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार सिविल इंजीनियरों को निखारने और भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में जिम्मेदारी से योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिवाजी महाराज जयंती पर भव्य बाइक रैली निकाली गई

बजरंग सेना प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव सम्मानित

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती 2026 के शुभ अवसर पर भारतीय मराठा महासंघ तेलंगाना द्वारा एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव को उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए सम्मानित किया गयासमारोह की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की आरती और श्रीनिवास गर्गे एवं एन.आर. लक्ष्मण राव द्वारा माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने शिवाजी महाराज की विरासत, उनके साहस और दूरदर्शी नेतृत्व को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतिमा पूजन के पश्चात विट्ठलवाड़ी से पुरानापुल तक एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। पुरानापुल पहुँचकर यह रैली मुख्य शोभायात्रा में शामिल हो गई, जिसमें सदस्यों और समर्थकों ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया। पूरी रैली के दौरान युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था।

इस गौरवशाली कार्यक्रम में भारतीय मराठा महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीनिवास गर्गे, प्रदेश अध्यक्ष सुदेश पाटिल, उपाध्यक्ष श्रीधर लोखंडे, सचिव चंद्रशेखर देशपांडे और कोषाध्यक्ष मनोज मोगालगिद्दी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला मोर्चा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पूनम नोमुलवार, उपाध्यक्ष सुनीता बिरादर, सचिव अश्विनी पतंगे के साथ-साथ हैदराबाद युवा अध्यक्ष दत्तात्रेय बेन्ने, विवेक दादा पाटिल, दत्ता पाटिल और अन्य टीम सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का समापन छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों को आत्मसात करने के आह्वान के साथ हुआ। उपस्थित नेताओं ने समाज में एकता, वीरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बनाए रखने पर जोर दिया, जो महाराज के जीवन का मूल मंत्र था।

शिवाजी महाराज जयंती पर अमीरपेट में भव्य शोभा यात्रा आयोजित

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमीरपेट क्षेत्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर आयोजित भव्य शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समाजसेवी शामिल हुए। इस उत्सवपूर्ण शोभा यात्रा में सनतनगर के विधायक श्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने गरिमामय उपस्थिति दर्ज की और शिवाजी महाराज के आदर्शों को नमन किया।

शोभा यात्रा में विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव के श्रीमती शेषु कुमारी, उत्तम सिंह राजपुरोहित, गुलाब सिंह राजपरोहित, सरदार दर्शन सिंह एवं अन्य प्रमुख नागरिक एवं समाज-सेवी उपस्थित थे।

सभी ने उत्साहपूर्ण ढंग से भाग लिया और छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, स्वराज्य स्थापना तथा धर्म रक्षा के योगदान को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

गडवाल में भीषण बस दुर्घटना: 20 घायल, चार की हालत गंभीर

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जोगुलम्बा गडवाल जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 20 यात्री घायल हो गए। घायलों में से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।यह दुर्घटना तड़के उंडावल्ली मंडल के इटिक्याला पाडु स्टेज के निकट हुई। यात्रियों में दहशत फैल गई जब बस अचानक सड़क से उतरकर किनारे एक गड्ढे में जा गिरी और पलट गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना संभवतः चालक के कथित तौर पर सो जाने के कारण हुई, जिससे बस का नियंत्रण पूरी तरह खो गया।

आपातकालीन बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। घायल यात्रियों को 108 एम्बुलेंस तथा राजमार्ग आपातकालीन वाहनों की मदद से पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल चार यात्रियों को विशेष उपचार के लिए रेफर किया गया है।

दुर्घटना के कारण व्यस्त एनएच-44 राजमार्ग पर यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे यात्रियों को लंबी देरी का सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई कर स्थिति नियंत्रित की और यातायात को बहाल कर दिया।जोगुलम्बा गडवाल में हुई इस आरटीसी बस दुर्घटना ने लंबी दूरी के मार्गों पर सड़क सुरक्षा, चालकों की थकान तथा उचित आराम की व्यवस्था को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच शुरू कर दी है।अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

साइंटिफिक पशुपालन से किसानों की आर्थिक मज़बूती : डॉ. केसी वीरन्ना

बीदर, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगर किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन जैसे साइडलाइन काम भी करें तो वे आर्थिक रूप से मज़बूत बन सकते हैं। कर्नाटक वेटरनरी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. के.सी. वीरन्ना ने कहा कि चूंकि कर्नाटक एक ऐसा राज्य है जो पशुपालन को सपोर्ट करता है। इसलिए किसानों को साइंटिफिक पशुपालन में एक्टिव रूप से शामिल होना चाहिए और ज़्यादा इनकम कमानी चाहिए।वे वेटनरी मेडिकल कॉलेज के लाइवस्टॉक और देवनी ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर के साथ मिलकर नई दिल्ली की शेड्यूल्ड कास्ट सब-स्कीम के तहत किसानों और पशुपालन के बेनिफिशियरों के लिए आयोजित साइंटिफिक पोल्ट्री फार्मिंग पर दो दिन के ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन पर बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि उन्हें साइंटिफिक पशुपालन और पोल्ट्री फार्मिंग के लिए टेक्नीशियन से सही सलाह और गाइडेंस लेनी चाहिए और ज़्यादा फायदे उठाने चाहिए।वेटरनरी कॉलेज के डीन डॉ. एम.के. तांदले ने कहा कि अगर किसान सब्र और भरोसे के साथ पशुपालन अपनाते हैं, तो डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी ज़रूर मुमकिन है। इससे किसान समुदाय आत्महत्या से दूर रहेगा।लाइवस्टॉक एंड एनिमल ब्रीडिंग एंड रिसर्च इन्फॉर्मेशन सेंटर के हेड डॉ. प्रकाश कुमार राठौड़ ने प्रोजेक्ट के तहत अलग-अलग एक्टिविटी और प्रोग्राम के बारे में बात की और समझाया। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसे प्रोजेक्ट का फायदा उठाना चाहिए। वेटरनरी यूनिवर्सिटी के सब्जेक्ट एक्सपर्ट ने चिकन ब्रीडिंग, कम लागत वाला चिकन फीड प्रोडक्शन, हेल्थ केयर, शेड मैनेजमेंट और मार्केटिंग सिस्टम जैसे कई टॉपिक पर जानकारी दी।

तेलंगाना इंटरमीडिएट हॉल टिकट 2026 जारी छात्रों को कॉलेज से तुरंत प्राप्त करने की सलाह

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए हॉल टिकट जारी कर दिए गए हैं। लगभग 9.9 लाख उम्मीदवार इस वर्ष की वार्षिक परीक्षाओं में शामिल होने वाले हैं। छात्र अपने संबंधित कॉलेजों से हॉल टिकट प्राप्त कर सकते हैं और उसमें अंकित सभी विवरणों को सावधानीपूर्वक सत्यापित कर सकते हैं।

छात्रों के लिए यह एक महत्वपूर्ण खुशखबरी है कि तेलंगाना इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 के हॉल टिकट राज्य भर में प्रथम और द्वितीय वर्ष के सभी उम्मीदवारों के लिए जारी कर दिए गए हैं। इस घोषणा से वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों छात्रों को बड़ी राहत मिली है।

छात्रों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा से पहले अपने हॉल टिकट प्राप्त करने और सभी विवरणों (नाम, रोल नंबर, परीक्षा केंद्र, विषय आदि) को सत्यापित करने के लिए अपने संबंधित कॉलेज के प्रधानाचार्यों से तुरंत संपर्क करें।

इस वर्ष लगभग 9.9 लाख छात्र तेलंगाना इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षा 2026 में शामिल होंगे, जिससे यह राज्य के सबसे बड़े शैक्षणिक आयोजनों में से एक बन जाएगा।

प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाने के लिए तेलंगाना इंटरमीडिएट हॉल टिकट 2026 पर क्यूआर कोड मुद्रित किए गए हैं। छात्र इस कोड को स्कैन करके अपने परीक्षा केंद्रों का सटीक स्थान तुरंत पता कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त, छात्रों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर हॉल टिकट डाउनलोड करने का लिंक भी भेजा जाएगा, जिससे वे आसानी से अपने विवरण की जांच कर सकेंगे।तेलंगाना इंटरमीडिएट हॉल टिकट 2026 का जारी होना वार्षिक परीक्षाओं से पहले एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारी छात्रों से आग्रह कर रहे हैं कि वे जल्द से जल्द हॉल टिकट प्राप्त कर लें और अपने परीक्षा केंद्र के विवरण की पुष्टि कर लें।

लगभग 9.9 लाख उम्मीदवार परीक्षा में बैठने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में तेलंगाना इंटरमीडिएट हॉल टिकट 2026 के जारी होने से राज्य भर में आगामी परीक्षाओं की तैयारियों का अंतिम चरण शुरू हो गया है।छात्रों से अपील है कि वे किसी भी असंगति की स्थिति में तुरंत अपने कॉलेज या बोर्ड कार्यालय से संपर्क करें ताकि परीक्षा से पहले सभी औपचारिकताएं पूरी हो सकें।

शैखपेट में जय भवानी वीर शिवाजी एसोसिएशन द्वारा स्थापित शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भाजपा नेता गोविंद नारायण राठी एवं लक्ष्मण यादव।

Daily शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, JC-733067L Sub RANJIT SINHA of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana, hereby state that my son's name has been Changed from SRI RISHIKESH SINHA to RISHIKESH SINHA

CHANGE OF NAME
I, CHANDRA KANTA Spouse of Service No. 14296552H Hony Nb/Sub (Retd) NARBIR SINGH, Resident of H.No.8-7-68/A, Flat No.102, Sri Srinivasa Nivas, HAL Colony, Old Bowenpally, Tirumalagiri, Hyderabad-500011, Telangana have changed my name from CHANDRA KANTA to KANTHADEVI CHAUHAN vide affidavit dt:19-02-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, BADAKALA KESAMMA mother of Service No. 15718690W L/Nk BADAKALA SUNDARARAO, Residing at 3-29, Palle Street, Vill and PO:Edupuram, Teh: Ichapuram, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532312 have changed my name and DOB from BADAKALA KESHAMMA, DOB:12-10-1971 to BADAKALA KESAMMA, DOB:05-08-1975 vide affidavit dt:19-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SONAL GAURAN SHAH W/o Gaurang Nemji Shah, R/o:6-3-1186/6, Durgalaxmi Labh Apts, B.S Maqtha, Greenlands, Begumpet, Hyderabad,TG-16. Has Changed my name as SONAL GAURANG SHAH

CHANGE OF NAME & DOB
I, BADAKALA VASUYYA father of Service No. 15718690W L/Nk BADAKALA SUNDARARAO, Residing at 3-29, Palle Street, Vill and PO:Edupuram, Teh:Ichapuram, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532312 have changed my name and DOB from BADAKALA VASUDEV, DOB:03-05-1964 to BADAKALA VASUYYA, DOB:01-01-1965 vide affidavit dt:19-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.14848607F Hav/PA RAJ A, Residing at H.No.2/298-4, Vill: Kadanganeri, PO:Kidanganeri, Teh:Alangulam, Dist:Tirunelveli, Tamil Nadu-627854 hereby declare that my daughter name is to be changed from ISWARYA to R AISHWARYA vide affidavit dt:19-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

दिल्ली में कांग्रेस की अहम बैठक

राहुल गांधी ने तेलंगाना के कृषि मॉडल और 'यंग इंडिया स्कूलों' की सराहना की

नई दिल्ली/हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आज नई दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा तेलंगाना में पार्टी को और मजबूत करना और पिछले दो वर्षों में प्रजा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों की समीक्षा करना था।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बैठक के दौरान राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों का ब्यौरा पेश किया। बैठक में हाल ही में संपन्न हुए ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस को मिली शानदार सफलता पर भी विस्तृत चर्चा हुई। पार्टी नेतृत्व ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

कृषि क्षेत्र में नंबर 1 बना तेलंगाना, राहुल गांधी ने जताई खुशी

बैठक के दौरान राहुल गांधी ने विशेष रूप से तेलंगाना के किसानों की उपलब्धियों और राज्य में धान उत्पादन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना आज देश में धान उत्पादन में शीर्ष स्थान पर है। राहुल गांधी ने कृषि क्षेत्र में किए गए सुधारों की सराहना की और यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूलों की प्रगति के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इन योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस उच्च स्तरीय बैठक में तेलंगाना राज्य प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का और राज्य मंत्रिमंडल के कई अन्य सदस्य भी शामिल हुए। शीर्ष नेतृत्व ने तेलंगाना सरकार के दो साल के शासनकाल पर संतोष व्यक्त किया और आगामी चुनावों तथा संगठनात्मक विस्तार के लिए दिशा-निर्देश जारी किए।

हैदराबाद मातृ-शिशु आत्महत्या मामला

रेलवे ट्रैक पर मौत के मामले में जीआरपी पुलिस ने पूरी की जांच

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद शहर में एक माँ और उसके दो बच्चों द्वारा की गई सनसनीखेज आत्महत्या के मामले में नया मोड़ आया है। यह घटना चेरलापल्ली रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर घटित हुई थी, जहाँ विजयशांति रेड्डी ने अपने बेटे और बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दे दी थी। शुरुआत में वित्तीय कठिनाइयों और पारिवारिक विवादों के संदेह के बाद, सिकंदराबाद जीआरपी पुलिस ने अब इस मामले की गहन जांच पूरी कर ली है।परिजनों ने जीआरपी पुलिस को दिए अपने बयानों में स्पष्ट किया है कि उन्हें इस मामले में किसी पर कोई संदेह नहीं है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, सुसाइड नोट और बैंक लेन-देन की बारीकी से जांच करने के बाद पुष्टि की है कि इन तीनों की आत्महत्या में किसी बाहरी व्यक्ति की संलिप्तता नहीं थी। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने व्हाट्सएप चैट भी रिकवर किए हैं और फोरेंसिक विश्लेषण की प्रक्रिया पूरी कर ली है। ट्रेन के लोको पायलट ने भी अपने बयान में पुष्टि की कि ट्रैक पर केवल तीन लोग ही मौजूद थे और कोई संदिग्ध स्थिति नहीं देखी गई।

मानसिक तनाव और अकेलापन बना बड़ी वजह

परिजनों ने गवाही दी है कि मृतका का कोई वित्तीय या व्यक्तिगत विवाद नहीं था। हालांकि, पुलिस का अनुमान है कि वह पिछले दो महीनों से अत्यधिक मानसिक तनाव से गुजर रही थीं। जांच अधिकारियों का मत है कि इस कठोर निर्णय के पीछे अकेलापन ही मुख्य कारण रहा है।

जीआरपी पुलिस ने अपनी जांच के दौरान खुलासा किया कि माँ ने यह आत्मघाती कदम इस सोच के साथ उठाया था कि यदि वह चली गई, तो उसके पीछे बच्चे अकेले और बेसहारा हो जाएंगे। इसी चिंता और मानसिक दबाव के चलते उन्होंने बच्चों को भी अपने साथ ले जाने का निर्णय लिया। पुलिस ने अब इस मामले की सभी कड़ियों को जोड़ते हुए जांच को अंतिम रूप दे दिया है।

केवाईसी धोखाधड़ी : जीएसटी इंटेलिजेंस ने 13,000 करोड़ के स्कैम सिंडिकेट में

'एडसम एडवाइजरी' के पंकज कुमार को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एडसम एडवाइजरी सर्विस लिमिटेड के संस्थापक और निदेशक पंकज कुमार को 13,000 करोड़ रुपये के विशाल घोटाले में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एक बड़े ऑनलाइन गेमिंग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करती है। गौर करने वाली बात यह है कि आरोपी की कंपनी खुद फ्रॉड डिटेक्शन (धोखाधड़ी की पहचान) और डिजिटल केवाईसी सत्यापन जैसी सेवाएं प्रदान करती थी। जांच के दौरान मिले सबूतों से 13,000 करोड़ रुपये के एक संगठित सिंडिकेट का पता चला है। यह सिंडिकेट भुगतान एग्रीगेटर, पेमेंट गेटवे और थर्ड-पार्टी टेक्नोलॉजी सेवा प्रदाताओं सहित संबंधित फिनटेक कंपनियों की मदद से अवैध ऑनलाइन गेमिंग वेबसाइटें संचालित कर रहा था। पंकज कुमार को इस सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में पहचाना गया है, जो आरबीआई द्वारा विनियमित संस्थाओं (पेमेंट गेटवे और बैंकिंग एग्रीगेटर) की ओर से मर्चेंट्स और शेल संस्थाओं के फर्जी केवाईसी सत्यापन के लिए जिम्मेदार था।

एक ऐसी कंपनी का निदेशक होने के नाते जो केवाईसी प्रक्रिया के लिए उत्तरदायी थी, पंकज कुमार ग्राहकों की ओनरशिप और कंट्रोल स्ट्रक्चर के आधार पर रिस्क प्रोफाइलिंग करने में विफल रहे। इसके बजाय, उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग से पैसे के लेन-देन के लिए आवश्यक यूपीआई एकीकरण हेतु फर्जी शेल संस्थाओं को ऑनबोर्ड करने में मदद की। वह इस ऑनलाइन गेमिंग सिंडिकेट द्वारा उत्पन्न अपराध की कमाई के लाभार्थियों में से एक हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2025 में भारत में ऑनलाइन गेमिंग का कुल मूल्यांकन लगभग 23 बिलियन डॉलर (दो लाख करोड़ रुपये) के करीब) है। डीजीजीआई हैदराबाद ने ऑनलाइन गेमिंग सिंडिकेट्स के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। इस कार्रवाई के तहत संबंधित फिनटेक कंपनियों पर नकेल कसी गई है और अब तक लगभग 100 करोड़ रुपये के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। विभाग अन्य मास्टरमाइंड्स की तलाश कर रहा है और मामले में आगे की जांच जारी है।

ब्रह्माकुमारीज़ शिव ध्वजारोहण: वाशिंगटन डीसी की बीके जेन्ना ने की शिरकत

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महाशिवरात्रि पर्व के बाद आज ब्रह्माकुमारीज़ हिमायतनगर शाखा में शिव ध्वजारोहण का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ वॉशिंगटन डी.सी. सेवा केंद्र की प्रभारी ब्रह्माकुमारी जेन्ना बहन और पूर्व कॉरपोरेटर महालक्ष्मी ने गरिमामय भागीदारी की।

हिमायतनगर ब्रह्माकुमारीज़ शाखा की प्रभारी बी.के. अंजलि और बी.के. जेन्ना ने मिलकर शिव ध्वज फहराया। दोनों ने उपस्थित सभी को ईश्वरीय संकल्प की प्रतिज्ञा कराई और आत्मिक शक्ति प्राप्त करने का संदेश दिया।

तत्पश्चात बी.के. जेन्ना बहन ने कहा, आज मनुष्य आत्माओं को सुख और शांति की अत्यधिक आवश्यकता है। हम सभी का कर्तव्य बनता है कि ईश्वरीय ज्ञान और योग के माध्यम से इस सुख-शांति का अनुभव हर किसी को कराएं।

उन्होंने विश्व शांति और आत्मिक उत्थान पर बल देते हुए सभी को प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में बी.के. अंजलि ने सभी का हार्दिक स्वागत किया और महाशिवरात्रि के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। डिवीजन पूर्व कॉरपोरेटर महालक्ष्मी ने कहा कि वे ब्रह्माकुमारीज़ संस्था से लंबे समय से जुड़ी हुई हैं। संस्था से जुड़ने के बाद उनके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने बताया कि उनके बात करने के ढंग में सौम्यता आई है और इस केंद्र पर आने से उन्हें हमेशा परमात्मा के आशीर्वाद का अनुभव होता है।कार्यक्रम में अमेरिका से आईं इंदु, राश्मिता के साथ-साथ शाखा की सदस्य बी.के. सुजाता, अरुण, कमलेश, अश्विनी और उषा ने भी सक्रिय भाग लिया।

हैदराबाद-विजयवाड़ा अब सिर्फ 2.5 घंटे में

10,391 करोड़ रुपये का NH-65 सिक्स-लेन प्रोजेक्ट फास्ट-ट्रैक पर

हैदराबाद, 19 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद और विजयवाड़ा के बीच होने वाली लंबी और भीड़भाड़ वाली सड़क यात्रा अब पूरी तरह बदलने वाली है। तेलंगाना सरकार ने 10,391 करोड़ रुपये की लागत वाली छक-65 सिक्स-लेन विस्तार परियोजना को फास्ट-ट्रैक पर डाल दिया है। यह परियोजना तेलंगाना और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाले 231 किलोमीटर लंबे हिस्से को कवर करेगी, जो इस क्षेत्र के सबसे व्यस्त अंतर-राज्यीय गलियारों में से एक है।

साल 2025 में, केंद्रीय कैबिनेट ने मौजूदा चार-लेन छक-65 को छह-लेन राजमार्ग में बदलने की मंजूरी दी थी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य यात्रा के समय को लगभग दो घंटे कम करना है। वर्तमान में इस दूरी को तय करने में औसतन 4.5 से 5 घंटे लगते हैं, लेकिन विस्तार के बाद यह सफर मात्र 2.5 से 3 घंटे में पूरा हो सकेगा। छक-65 नलगोंडा, सूर्यापेट, कोदाड और नंदीगामा से होकर गुजरता है, जहाँ से प्रतिदिन 60,000 से 80,000 वाहन गुजरते हैं। संक्रांति जैसे त्योहारों के दौरान यह संख्या और भी बढ़ जाती है।

इस 231 किलोमीटर लंबे विस्तार के तहत सड़क को छह-लेन में चौड़ा करने के साथ-साथ अधिकांश हिस्सों में सर्विस रोड का निर्माण किया जाएगा, जो वर्तमान में उपलब्ध नहीं हैं। 50,000 से अधिक आबादी वाले कस्बों में भीड़भाड़ से बचने के लिए बाईपास सड़कों की योजना भी बनाई गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इस परियोजना की देखरेख करेगा और यह पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि निर्माण के दौरान यातायात को पूरी तरह से नहीं रोका जाएगा।पहले सर्विस रोड का काम शुरू होगा ताकि वाहनों की आवाजाही निर्बाध बनी रहे।

तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी इस परियोजना के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहे हैं। मंत्री का लक्ष्य हैदराबाद-विजयवाड़ा सड़क यात्रा के समय को घटाकर 2.5 घंटे करना है, जो इसे विमान और ट्रेन से भी तेज यात्रा का विकल्प बना देगा। वर्तमान में वह दिल्ली में हैं और इस परियोजना के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए गडकरी के साथ एक और बैठक करने की कोशिश कर रहे हैं।

ग्रेटर हैदराबाद के मतदाताओं और राजनीति पर प्रभाव

ग्रेटर हैदराबाद की एक बड़ी आबादी का मूल आंध्र प्रदेश में है और वे अक्सर छक-65 का उपयोग करते हैं।

राजनीतिक रूप से, यदि यह सिक्स-लेन विस्तार 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले पूरा हो जाता है, तो यह कांग्रेस सरकार के लिए एक बड़ी बुनियादी ढांचागत उपलब्धि साबित हो सकती है। विजयवाड़ा के लिए एक निर्बाध 2.5 घंटे की यात्रा न केवल अंतर-राज्यीय कनेक्टिविटी को नया रूप देगी, बल्कि ग्रेटर हैदराबाद के राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.